

SHARMA
HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 47 | गुवाहाटी | रविवार, 10 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस की मीटिंग में लोग नहीं
जुटते : पीयूष हजारािका

पेज 3

छत्तीसगढ़ में जी-20 की बैठक को लेकर
राज्य शासन व प्रशासन युद्धस्तर पर जुटा

पेज 4

हर अस्पताल के लिए नियुक्त करें नोडल
अधिकारी, हर शाम होगा...

पेज 5

सनातन धर्म पर जहर उगलने वाले नेताओं के
खिलाफ दायर करेंगे ...

पेज 8

जी-20 समिट में इकोनॉमिक कॉरिडोर को मंजूरी, आठ देश होंगे शामिल

पीएम बोले- यह एक ऐतिहासिक समझौता

नई दिल्ली। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन (जी-20 समिट) के पहले दिन कई अहम फैसले लिए गए हैं। इनमें से ही एक फैसला इकोनॉमिक कॉरिडोर को लेकर लिया गया है। इकोनॉमिक कॉरिडोर में भारत, फ्रांस, अमेरिका, सऊदी अरब, यूएई, इटली, जर्मनी और यूरॉपियन यूनियन शामिल हैं। सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन में सहमति बनी है कि भारत, मिडिल ईस्ट और यूरॉप के बीच इकोनॉमिक कॉरिडोर जल्द ही शुरू किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि इस कॉरिडोर में भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरॉपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि यह कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे पर सहयोग के लिए अपनी तरह की पहली पहल है। इस कॉरिडोर को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने खुशी जताई है। जी-20 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि मेरे दोस्त राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मुझे इस

-शेष पृष्ठ दो पर



नई दिल्ली घोषणा पत्र पर रचा इतिहास, मोदी ने सदस्य देशों का जताया आभार

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में शनिवार को नई दिल्ली घोषणा पत्र पर सदस्य देशों के बीच सहमति बन गई है। इस सहमति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 देशों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली घोषणा पत्र को अपनाने के साथ ही इतिहास रचा गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि नई दिल्ली घोषणा पत्र को अपनाने के साथ इतिहास रचा गया। सर्वसम्मति और भावना से एकजुट होकर हम बेहतर, अधिक समृद्ध और सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करने के लिए

-शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 : नेताओं ने माना आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए खतरा : जयशंकर



नई दिल्ली। देश की राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन चल रहा है और तमाम नेता दुनियाभर के मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। इसकी जानकारी

देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि जी-20 नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की और माना कि यह अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। साथ ही कहा कि जी-20 ने भारत को विश्व के लिए तैयार करने और विश्व को भारत के लिए तैयार करने में योगदान दिया है। उन्होंने जी-20 शिखर सम्मेलन के परिणामों पर एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि जी-20 लीडर्स ने आज जिस

-शेष पृष्ठ दो पर

जिनपिंग की अनुपस्थिति का कारण चीन को बताना ही होगा : अमेरिका

नई दिल्ली। भारत में जी-20 का आगाज हो चुका है, जिसमें कई देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नेता नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। हालांकि, इस बैठक में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नहीं पहुंचेंगे। इसको लेकर कई दिनों तक कयास लगाने के बाद चीन ने आधिकारिक घोषणा कर दी थी। इस पर एक अमेरिकी अधिकारी ने शनिवार को कहा कि नई दिल्ली में वार्षिक जी-20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अनुपस्थिति का कारण बताना चीन का

-शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमिया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S.
Traders
Suppliers in: All kinds of Door
Fittings Modular Kitchen
& Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
अशुभ कार्यों को नहीं करना
चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी
एक क्विंटल सोने की
तस्करी : कस्टम के
तीन अधिकारी गिरफ्तार

काठमांडू (हि.स.)। हांगकांग से काठमांडू लाए गए एक क्विंटल सोने की तस्करी मामले में जांच कर रही केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने विमानस्थल में कार्यरत कस्टम विभाग के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। सोने की खेप को विमानस्थल से बाहर निकलवाने में इन तीनों अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। सीआईबी के एआईजी किरण बज्राचार्य ने बताया कि सोने की तस्करी मामले में आज त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय विमानस्थल पर कार्यरत कस्टम विभाग के अधिकारी पुष्पा जोशी, वीरेंद्र नेपाली और

-शेष पृष्ठ दो पर

मेहमानों को देश की अच्छी छवि दिखाए मीडिया : डॉ शर्मा

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि इस समय भारत में दुनिया के अनेक देशों के राष्ट्रपति तथा विशिष्ट लोग आए हुए हैं। इसलिए मीडिया को चाहिए कि वह दो दिन तक सभी आपसी मुद्दों को छोड़कर देश की अच्छी छवि विदेशी मेहमानों के सामने प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा शनिवार को दिल्ली में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने असम में चल रहे बिहू नृत्य के तरीके को लेकर किसी बहस पर टिप्पणी



शुक्रवार को बिहू नृत्य को अलग तरीके से पेश किए जाने को लेकर राज्य में तीखी प्रतिक्रिया देखी गई थी। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री से सवाल

-शेष पृष्ठ दो पर

इंडिया बनाम भारत विवाद के बीच पीएम मोदी के सामने रखी नेमप्लेट ने खींचा सबका ध्यान

नई दिल्ली। देश के नाम को लेकर राजनीति काफी गरमाई हुई है, इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जी-20 शिखर सम्मेलन में अपना उद्घाटन भाषण दिया। उसमें पीएम के सीट पर भारत देश टैग लगा हुआ है। दरअसल, जहाँ एक ओर देश के नाम इंडिया को भारत करने पर विवाद है, इसी बीच यह तस्वीर सामने आई है। अपने उद्घाटन भाषण में पीएम मोदी ने विश्व नेताओं का स्वागत किया और मोरक्को में आए भूकंप पर दुख व्यक्त किया। इस बैठक में सभी विश्व नेताओं के टेबल पर उनके देश का नाम



लिखा होता है, जिसका वह प्रतिनिधित्व करने के लिए बैठक में पहुंचे होते हैं। इस दौरान पीएम

मोदी के टेबल पर इंडिया नहीं, बल्कि भारत का टैग लगा हुआ था। इसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दरअसल, राष्ट्रपति भवन की ओर से जी 20 रात्रिभोज के निमंत्रण में प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा था, जिसे पढ़े जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद से इन अटकलों को बल मिला कि केंद्र आधिकारिक राज्य का शीर्षक इंडिया से बदलकर भारत कर सकती है। इसको लेकर विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि यह नाम बदलने का प्रयास है, क्योंकि

-शेष पृष्ठ दो पर

असम को तीन सौ मेगावाट बिजली आवंटित करेगा केंद्र

गुवाहाटी/नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा राज्य को तीन सौ मेगावाट अतिरिक्त बिजली का आपूर्ति करने का आश्वासन दिया है।

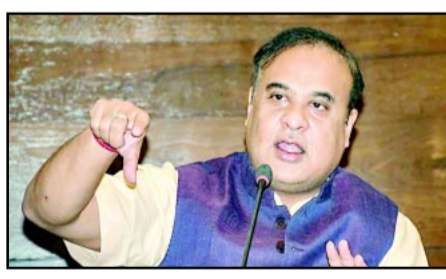


दरअसल, असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राज्य में बिजली संकट को लेकर नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि असम बिजली की मांग में अभूतपूर्व 26 फीसदी की वृद्धि का सामना

-शेष पृष्ठ दो पर

पूरे राज्य से अफस्यु को खत्म करने का सीएम ने केंद्र से किया आग्रह

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के कुछ दिनों बाद, राज्य मंत्रिमंडल ने केंद्र को असम से सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम (एएफएसपीए)



और अशांत क्षेत्र अधिनियम को पूरी तरह से वापस लेने की सिफारिश की है। गुवाहाटी में कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत

मंत्रालय के फैसले का पालन करेंगे, क्योंकि आखिरकार, केंद्र सरकार ही स्थिति का आकलन करेगी। हालांकि, जहाँ तक राज्य सरकार का सवाल

-शेष पृष्ठ दो पर

कड़ी सुरक्षा के बीच दिल्ली में उड़ता दिखा ड्रोन, मची खलबली

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए जब दुनियाभर के नेता राष्ट्रीय राजधानी में जुटे हैं तो उसी दौरान मध्य दिल्ली में आसमान में एक ड्रोन को उड़ते हुए देख पुलिस कर्मियों के बीच खलबली मच गई।



पुलिसकर्मियों मौके पर पहुंचे तो पाया कि एक फोटोग्राफर जन्मदिन की एक पार्टी को तस्वीरें लेने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहा है। यह घटना शुक्रवार शाम को है जब शिखर सम्मेलन के महेनजर शहर में डिजिटल तौर पर लॉकडाउन जैसी स्थिति है। पुलिस के एक वरिष्ठ

-शेष पृष्ठ दो पर

रंगदारी मामले में पुलिस अधिकारियों समेत दस गिरफ्तार

गुवाहाटी। एक बड़े घटनाक्रम में, असम पुलिस ने कथित जबरन वसूली मामले में एक आईपीएस अधिकारी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। विशेष पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने कहा कि गिरफ्तारियां बजाली जिले में भ्रष्टाचार के एक मामले के संबंध में थीं और हिरासत में लिए गए लोगों में जिले के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बुढ़ागोहाई और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गायत्री सोनोवाल भी शामिल हैं। सिंह ने कहा कि आगे की जांच जारी है और



पुलिस को और अधिक सफलता मिलने की उम्मीद है। शीर्ष पुलिस ने संवाददाताओं से कहा कि हमारी प्रक्रिया में भी हैं। सिंह ने आगे कहा कि पुलिस ने रफीकुल इस्लाम नामक

जांच टीम को उस वक्त बड़ी सफलता हाथ लगी, जब उन्होंने एक निजी आवास में छुपाए गए एक सूटकेस को उजागर किया। सिद्धार्थ बुढ़ागोहाई ने सूटकेस को किसी के घर में रखा था... इसमें से 64 लाख से अधिक की बड़ी राशि का पता चला। हमने सूटकेस से उंगलियों के निशान एकत्र किए हैं और डीएनए विश्लेषण करने की प्रक्रिया में भी हैं। सिंह ने आगे कहा कि पुलिस ने

चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर सियासी उबाल, विरोध में सड़क पर उतरी टीडीपी

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के बाद से सियासी चमत्काल मच गया है। पार्टी कार्यकर्ता टीडीपी नेता सड़कों पर जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कहीं, सड़कों पर टायर जलाए गए तो कहीं, कार्यकर्ता सड़कों पर बैठकर धरना प्रदर्शन दे रहे हैं। बता दें, चंद्रबाबू नायडू को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने शनिवार सुबह गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी कथित भ्रष्टाचार के मामले में की गई है। आज सुबह पुलिस अधिकारियों की



टीम जब टीडीपी नेता को हिरासत में लेने के लिए पहुंची तो नंद्याल में जबरदस्त हंगामा हुआ। पार्टी नेताओं ने दावा किया है कि, पुलिस चंद्रबाबू को ओरवाकल एयरपोर्ट से फ्लाइट के जरिए विजयवाड़ा ले जाएगी। हालांकि, चंद्रबाबू ने अपनी इस गिरफ्तारी पर कड़ी आपत्ति जताई है। उनका मानना है कि यह गिरफ्तारी बिना किसी आरोपों के सबूत दिखाए बिना की गई है। चंद्रबाबू ने कहा कि सबूत पेश किए जाने पर ही वह कानून का सहयोग करेंगे। एन चंद्रबाबू नायडू

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivaling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD, S-29C, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ट्रक से मुक्त कराए**गए 42 मवेशी**

गुवाहाटी (हिस)। राजधानी गुवाहाटी के ग्रामीण इलाका सोनापुर में प्रत्येक दिन बड़ी संख्या में मवेशियों को तस्करो के चंगुल से मुक्त कराया जा रहा है। पशु तस्कर विभिन्न प्रकार के हथकंडे अपना कर पशुओं को मेघालय के पशु बाजार में ले जाने की कोशिश करते हैं। इसी कड़ी में आज सोनापुर थाना पुलिस को इंजीपीडी टीम ने पश्चिम बंगाल के नंबर प्लेट वाले एक एक ट्रक (डब्ल्यूबी-45-5893) को रोककर तलाशी ली। मेघालय ले जाने की कोशिश कर रहे तस्करो के चंगुल से 42 जीवित मवेशियों को मुक्त कराया गया।

एफसीआई**अधिकारी गिरफ्तार**

श्रोणितपुर (हिस)। तेजपुर में एफसीआई के मांडलिक कार्यालय के सौाध्यकी अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी अब्दुल लतीफ को सीबीआई ने रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया। अब्दुल ने बिल पास करने के बदले व्यापारी से पैसे मांगे थे। अब्दुल लतीफ पर एक व्यापारी से 1 लाख 30 हजार रुपए मांगने का आरोप है। इस घटना पर तेजपुर में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है।

जी-20 समिट में ...

आयोजन की अध्यक्षता करते हुए बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि आज यहां एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक समझौता संपन्न हुआ है। आने वाले समय में भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक एकीकरण का माध्यम बनेगा। जो पूरी दुनिया में कनेक्टिविटी और विकास को टिकाऊ दिशा देगा। भारत में जी 20 शिखर सम्मेलन 7 भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर और वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए साझेदारी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भरे मिश्र राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ मुझे इस आयोजन की अध्यक्षता करते हुए बहुत खुशी हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इकोनॉमिक कॉरिडोर को एक ऐतिहासिक समझौता बताया। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा समझौता है। मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। वन अर्थ, वन फैमिली, वन पयूचर यही जी-20 शिखर सम्मेलन का फोकस है। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि इकोनॉमिक कॉरिडोर को लेकर की गई घोषणा और पहल के एकीकरण की आशा करते हैं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण आर्थिक कॉरिडोर की स्थापना के लिए हमारे साथ काम किया है। इससे पहले पीएम मोदी ने ग्लोबल बायोफ्यूएल अलायंस को लॉन्च किया। इस पहले में भारत समेत 11 देश शामिल हैं। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी मौजूद रहे। भारत ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की शनिवार को घोषणा की और वैश्विक स्तर पर पेट्रोल के साथ इथेनॉल के समिन्ध्रण को बढ़ा कर 20 प्रतिशत तक करने की अपील के साथ जी-20 देशों से इस पहल में शामिल होने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *एक पृथ्वी* सत्र को संबोधित करते हुए पर्यावरण और जलवायु अवलोकन के लिए जी-20 उपग्रह मिशन शुरू करने का प्रस्ताव भी किया। उन्होंने जी-20 नेताओं से ग्रीन क्रेडिट पहल पर भी काम शुरू करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज समय की मांग है कि ईंधन समिन्ध्रण के क्षेत्र में सभी देश मिलकर काम करें। हमारा प्रस्ताव पेट्रोल में इथेनॉल समिन्ध्रण को 20 प्रतिशत तक ले जाने के लिए वैश्विक स्तर पर पहल करने का है। इस सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक समेत विश्व के कई नेताओं ने भाग लिया। मोदी ने कहा कि वैकल्पिक रूप से, हम व्यापक वैश्विक कल्याण के लिए एक और समिन्ध्रण पहल पर काम कर सकते हैं, जो स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ जलवायु सुरक्षा में भी सहायक होगी।

नई दिल्ली घोषणा पत्र...

प्रतिबद्ध हैं। जी-20 सदस्यों के समर्थन और सहयोग के लिए सभी साधियों को मेरा धन्यवाद। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में नेताओं से कहा था कि मित्रों, हमें अभी-अभी अच्छी खबर मिली है कि हमारी टीम को कड़ी मेहनत और आपके सहयोग के कारण नई दिल्ली घोषणा पत्र पर आम सहमति बनी है। सनद रहे कि जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डा सिल्वे सहित अन्य नेतागण मौजूद रहे।

जी-20 : नेताओं ने ...

घोषणापत्र पर सहमति व्यक्त की है, वह मजबूत टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह एसडीजी (सतत विकास लक्ष्य) की प्रगति में तेजी लाने का प्रयास करेगा। आगे एस जयशंकर ने कहा कि यह हमारे लिए हमारी संस्कृति, परंपरा और विरासत को दर्शाने का एक अवसर था। उन्होंने यह भी कहा कि यह देखते हुए कि जी-20 भूराजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है, नेताओं ने माना कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए इसके महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं। जी-20 पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर बयान में कहा कि हमारे लिए यह संतुष्टि की बात है कि अर्थमंत्रि मूनिश्रण को आज भारत की अध्यक्षता में जी-20 को स्थायी सदस्यता दी गई। हमारी अध्यक्षता का संदेश *वन अर्थ, वन फैमिली, वन पयूचर* है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 में 20 सदस्य देशों ने आमंत्रित देशों और 14 अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने हिस्सा लिया। एस जयशंकर ने

जी-20 रात्रीभोज में छाई साड़ी



नई दिल्ली। जपान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की पत्नी युको किशिदा से लेकर आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा तक, कई शीर्ष विदेशी गणमान्य व्यक्तियों ने शनिवार रात राष्ट्रपति दीपदी मुर्मू द्वारा आयोजित जी-20 रात्रिभोज में पारंपरिक भारतीय परिधान पहने। विशेष अवसर के लिए, सभी मेहमानों को सामान्य पोशाक पहनाई गई थी। कई लोगों ने भारतीय फैशन को विशेष तरीकों से अपनाने का विकल्प चुना। आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा जी-20 डिनेर के लिए दिल्ली के भारत मंडपम में बेंगनी रंग के एथनिक सूट में पहुंचीं, जिसके

साथ उन्होंने सुनहरा दुपट्टा पहन रखा था। वह भारतीय पहनावे में वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। जपानी पीएम फुमियो किशिदा की पत्नी युको किशिदा ने हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। उन्होंने अपने आउटफिट को पिंक ब्लाउज से कंलीट किया। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बग्गा की पत्नी ने भी साड़ी को कैरी किया और भारतीय पारंपरिक परिधान में नजर आईं। अजय बग्गा की पत्नी भारतीय परिधान में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार काले बंदगला सूट में डिनेर के लिए आए। उनकी पत्नी कोबिता

जुगानोथ साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना ने मोती के हार के साथ साड़ी में नजर आईं। इसमें बांग्लादेशी झलक भी देखने को मिली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति ने अपने आधुनिक पहनावे में पारंपरिक छाप छोड़ी। राष्ट्रपति दीपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां शिखर सम्मेलन स्थल भारत मंडपम में जी-20 नेताओं और प्रतिनिधियों के लिए आयोजित भव्य रात्रिभोज में उनका स्वागत किया। रात्रिभोज शुरू होने से पहले उन्होंने एक मंच पर अतिथियों का स्वागत किया,

गुवाहाटी के बामुनीमैदाम में महिला ने की आत्महत्या

गुवाहाटी (हिस)। शहर के बामुनीमैदाम में आज एक महिला ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जानकारी दी है कि आत्महत्या बामुनीमैदाम के गणेश नगर में हुई। महिला के बड़े भाई ने मीडिया को बताया कि महिला ने अपने पति और उसके परिवार द्वारा मानसिक प्रताड़ना के कारण आत्महत्या की है। मृतक महिला की पहचान संगीता बोर के रूप में हुई है। मृतक महिला नितुल राजवंशी नामक शख्स की पत्नी थी। दोनों पति-पत्नी के बीच पारिवारिक संघर्ष चल रहा था। क्योंकि, महिला ने नितुल राजवंशी के किसी अन्य महिला के साथ प्रेम संबंध को लेकर झगड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले को जांच कर रही है।

जागीरोड पुलिस के जाल में साइबर अपराधी

मोरीगांव (हिस)। जिले की जागीरोड पुलिस ने साइबर अपराधी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार यह अभियान शुक्रवार की रात को चलाया गया था। अभियान के दौरान गिरफ्तार अपराधी की पहचान अबू नासर के रूप में हुई है। अबू नासर का घर मोरीगांव जिले के मोइरावाड़ी में बताया गया है।

संपूर्ण अर्थ जगत का चिंतन करने वाला पहला संगठन है ग्राहक पंचायत : भागवत

पानीपत (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि ग्राहकों की समस्याओं पर कार्य करने वाले पहले भी थे, परंतु ग्राहक को लेकर संपूर्ण अर्थ जगत का चिंतन करने वाला ग्राहक पंचायत पहला संगठन है। ग्राहकों की समस्याओं को लेकर ग्राहक पंचायत ने कई कार्य किए हैं, उन्हें देखते हुए हम इसे स्वर्ण जयंती वर्ष के स्थान पर स्वर्णिम वर्ष भी कह सकते हैं। संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत पट्टी कल्याणा समालखा में स्थित सेवा साधना विकास केंद्र में आयोजित अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के स्वर्ण जयंती वर्ष के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में देश में ग्राहकों के लिए कार्य करने वाले इस संगठन के देशभर के आठ सौ पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी चौबे के अलावा बड़ौदा इस्कॉन के प्रमुख स्वामी नित्यानंदजी, स्वामी विचार चिन्मयानंदजी, स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह



समिति के अध्यक्ष अशोक पांडे और ग्राहक पंचायत के अध्यक्ष नारायण भाई शाह भी मौजूद रहे। डॉ. भागवत ने कहा कि संगठन ने शासन को भी ग्राहक हित का कार्य करने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। ग्राहक दर्शन देना, उसे अनुभव की कसौटी पर परख कर समाज में ले जाना आसान कार्य नहीं है, परंतु ग्राहक पंचायत ने यह कर दिखाया है। संपूर्ण समाज ग्राहक है। ग्राहक आंदोलन की आयु

नहीं होती, क्योंकि समाज में सदैव ग्राहक रहने वाले हैं। डॉ. भागवत ने कहा कि संगठन को समय समय पर अपने कार्यों का सिंहावलोकन करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राहक पंचायत शासन प्रशासन से बात करते समय अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग भी करती होगी। अंग्रेजी में कंज्यूमर शब्द आता है, इसका मतलब होता है खाना (कंज्यूम), आवश्यक नहीं व्यक्ति तभी खाये, जब उसे

भूख लगी हो, वह रुचिकर होने पर भूख न लगने पर भी खा सकता है, परंतु ग्राहक शब्द आते ही पूरा भाग बदल जाता है। इसीलिए ग्राहक पंचायत ने ग्राहक शब्द को चुना है। ग्राहक पंचायत के साथ पंचायत शब्द जुड़ा है। पंचायत शब्द आते ही यह भाव आ जाता है कि समाज का पंचों में विश्वास होता है। पंच नि:स्वार्थ भाव से कार्य करते हैं। ग्राहक पंचायत लोक संगठन है। अतः 75 वर्ष तक हमें अपने कार्य को चार गुना बढ़ाना है, यह कैसे करना है, यह सोचने के लिए ही यह अधिवेशन है। भागवत ने कहा कि पूरा समाज ग्राहक है। हमारा कार्य क्षेत्र संपूर्ण समाज है। जब तक हम समाज व्यापी नहीं होते, हमें अपने कार्य का समुचित लाभ नहीं मिलेगा। समारोह में केंद्रीय उपभोक्ता राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि आज ग्राहक पंचायत के स्वर्ण जयंती वर्ष के उद्घाटन के साथ ही देश में जी-20 सम्मेलन का भी उद्घाटन हो रहा है। जी-20 में सम्मिलित देश विश्व की अर्थव्यवस्था के 70 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

कहा कि विशेष रूप से जी-20 नेताओं ने यूक्रेन में चल रहे युद्ध और विशेष रूप से विकासशील और सबसे कम विकासशील देशों पर इसके प्रभाव पर चर्चा की, जो अभी भी महामारी और आर्थिक व्यवधान से उबर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भोजन, ईंधन और उर्वरक विशेष चिंता के मुद्दे हैं।

जिनपिंग की अनुपस्थिति...

दायित्व है। जी-20 में चीन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रधानमंत्री ली किआंग भारतीय राजधानी पहुंचे हैं। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनेर ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जहां सभी नेता अपने देश के प्रतिनिधित्व के लिए पहुंचे हैं, उसमें चीन ब्लॉक की सफलता के लिए प्रतिबद्ध नहीं है। इस समिट में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल नहीं हो रहे हैं। उनकी जगह रूस का प्रतिनिधित्व करने के लिए विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंचे हैं। हालांकि, शी जिनपिंग के अनुपस्थिति पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी दुःख जताया। उन्होंने कहा कि उनकी गैर-मौजूदगी पर मुझे दुःख है और उम्मीद करता हूँ कि उनसे जल्द मुलाकात हो। जी-20 बैठक से पहले पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है। दोनों नेतओं के बीच लगभग 52 मिनट तक वार्ता चली थी, जिसमें भारत की जी-20 अध्यक्षता, परमाणु ऊर्जा में सहयोग, 6जी और एआई जैसी महत्वपूर्ण बातों पर विचार-विमर्श किया गया।

मेहमानों को देश ...

किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने मीडिया को सलाह दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय देश में अलग ही उत्साह और उमंग का माहौल है। दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत में आए हुए हैं। ऐसे में हम सभी को इन दो दिनों तक सिर्फ मेहमानों की खातिरदारी करनी चाहिए। उन्होंने मीडिया से अपील की कि इन दो दिनों तक विदेशी मेहमानों के समक्ष अपनी अच्छी तस्वीर दिखाएँ।

इंडिया बनेम भारत विवाद...

उनके गठबंधन के नाम में इंडिया (इंडिया नेशनल डेवलपमेंट इंकलूसिव अलायंस) लिखा है। शुक्रवार (8 सितंबर) को बेल्रिजयम के ब्रसेल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, कांसिस नेता राहुल गांधी ने नाम परिवर्तन विवाद पर बात करते हुए इसे ध्यान भटकाने वाली रणनीति करार दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने घबराने के प्रतिक्रिया दी है, सरकार में थोड़ा डर है और इस बात से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी परेशान है, इसलिए वह देश का नाम बदलने के लिए बेताब है। संविधान में हमारे जो नाम हैं, में उससे खुश हूँ। इंडिया दैट इज भारत भरे लिए पूरी तरह से काम करता है। मुझे लगता है कि ये घबराहट भरी प्रतिक्रियाएँ हैं, सरकार में थोड़ा डर है और यह ध्यान भटकाने की रणनीति है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के हमारे गठबंधन के लिए इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन) नाम एक शानदार विचार है, क्योंकि यह दर्शाता है कि हम कौन हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हम खुद को भारत की आवाज मानते हैं, इसलिए यह नाम हमारे लिए बहुत अच्छा है, लेकिन असल में ये बात प्रधानमंत्री को बहुत परेशान कर रही है, इसलिए वह देश का नाम बदलना चाहते हैं, जो बेतुका है। कांसिस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 के लिए हमने गठबंधन बनाया है और इसे इंडिया नाम दिया है। खरगे ने कहा था कि जैसे ही हमने यह नाम रखा, भाजपा के लोग घबरा गए। अब, वे कह रहे हैं कि देश का नाम भारत होना चाहिए, जो कि संविधान में लिखा है।

असम को तीन ...

कर रहा है। इस मुलाकात के दौरा डॉ शर्मा के आग्रह पर केंद्रीय बिजली मंत्री सिंह ने असम को बिजली की मौजूदा स्थिति से निपटने में मदद के लिए अतिरिक्त तीन सौ मेगावाट बिजली का आवंटन करने का आश्वासन दिया। इस अतिरिक्त तीन सौ मेगावाट बिजली मिलने से असम राज्य में बिजली की मांग पूरी करने में काफी हद तक मदद मिलेगी। नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से

हुई इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें असम तथा पूर्वोत्तर की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया।

पूरे राज्य से अफस्पा ...

है, हमने अफस्पा की पूरी तरह से हटाने की सिफारिश करने का फैसला किया है। जिन जिलों में एएफएसपीए और अशांत क्षेत्र अधिनियम अभी भी प्रभावी हैं उनमें डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, चराइदेउ, शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, कार्बी आंगलांग और दिमा हसाओ शामिल हैं। इन जिलों को *अशांत क्षेत्र* के रूप में चिह्नित किया गया है। 1990 में असम में अफस्पा और अशांत क्षेत्र अधिनियम लागू किया गया था। यह अधिनियम अशांत क्षेत्रों में तैनात सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को मारने, बिना वारंट के किसी भी परिसर की गिरफ्तारी और तलाशी लेना और केंद्र सरकार को मंजूरी के बिना अभियोजन और कानूनी मुकदमों से सुरक्षा जैसी बेलगाम शक्ति देता है।

कड़ी सुरक्षा के...

अधिकारी ने शनिवार को बताया कि नियंत्रण कक्ष ने पता लगाया कि मध्य दिल्ली के पटेल नगर इलाके में आसमान में एक ड्रोन उड़ रहा है। उसने पुलिस को सूचना दी और एक दल घटनास्थल पर पहुंचा। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने के बाद यह पाया गया कि वहां जन्मदिन की एक पार्टी चल रही थी और एक फोटोग्राफर समारोह की तस्वीरें एवं वीडियो बनाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत दिए आदेश की अवज्ञा) के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कार्रवाई से 29 अप्रैल से 12 सितंबर तक पैराग्लाइडर, हँग-ग्लाइडर और हॉट एअर बेलून जैसी वस्तुओं को उड़ाने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। दो दिवसीय जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर विश्वभर के नेताओं के शहर में आने के कारण राष्ट्रीय राजधानी और खासतौर से नई दिल्ली जिले में सुरक्षा के कड़े बंदीबस्त किए गए हैं। शहर की सुरक्षा में दिल्ली पुलिस के साथ 50,000 सुरक्षा कर्मी, के9 श्वान दल, पुलिस के घुड़सवार दल और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) मदद कर रहा है।

एक क्विंटल सोने ...

कमल परियार को लम्बी पृष्ठताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। जांच के दौरान सोने की खेप को विमानस्थल से बाहर निकलवाने में इन तीनों अधिकारियों की भूमिका सँदिग्ध मिली है। सीआईबी को इनके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं। हांगकांग से ब्रेक शू के भीतर सोना रखकर तस्करी किया जा रहा था। इसके लिए तस्कर बाकायदा एक फर्जी कंपनी बनाकर उसके जरिए तस्करी का सोना नेपाल ला रहे थे। सीआईबी ने सोने की तस्करी मामले में अब तक 12 चीनी नागरिक सहित कुल 32 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में दो लोगों को भारत से गिरफ्तार कर नेपाल लाया जा चुका है। इस मामले की जांच के लिए सीआईबी की एक टीम हांगकांग में तो एक टीम दिल्ली में मौजूद है।

रंगदारी मामले में ...

व्यक्ति पर छापा मारा था और उस छापे में अवैध दवाओं का संकेत मिला था। हालांकि, कोई नशीला पदार्थ नहीं पाया गया। इसके बाद, इस्लाम को हिरासत में ले लिया गया और भवानीपुर में एक पुलिस चौकी ले जाया गया, जहां से गिरफ्तार किए गए लोगों में एक अधिकारी भी शामिल है। इस्लाम की हिरासत के बाद, यह पाया गया कि उसे कथित तौर पर बड़ी रकम छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था; विशेष रूप से, 10 लाख की राशि चेक के माध्यम से बनाई गई थी, जिनमें से दो में निर्दिष्ट राशि थी और 21 खाली थी। सभी 23 भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी द्वारा जारी किए गए चेक पर जारी किए गए थे। इन पर रफीकुल इस्लाम की मांग के हस्ताक्षर हैं। पुलिस ने कहा कि जांच के हिस्से के रूप में, पुलिस ने आरोपियों के पास से एक आईपैड, दो आईफोन और एक लेनोवो लैपटॉप के साथ 17 मोबाइल फोन जब्त किए। इसके अलावा, घटनास्थल से दो डीवीआर भी बरामद किए गए। जांच के लिए राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला से परामर्श लिया गया है। सिंह ने कहा कि 17 अगस्त को, अतिरिक्त एसपी के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ)

यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनों की आवधिकता बढ़ी

गुवाहाटी (हिस)। ल्यौहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्पेशल ट्रेन संख्या 01666/01665 (अगरतला - रानी कमलापति - अगरतला) और ट्रेन संख्या 05695/05696 (अगरतला - सिलचर - अगरतला) की सेवाएं दिसंबर तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों की सेवा मौजूदा दिवसों, समय, टहरावों और संयोजन के साथ चलेगी। ज्ञात हो कि प्रत्येक गुरुवार को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 01665 (रानी कमलापति - अगरतला) स्पेशल की सेवा को 30 नवंबर तक बढ़ायी गई है। वापसी दिशा में, प्रत्येक रविवार को रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 01666 (अगरतला - रानी कमलापति) स्पेशल की सेवा को 03 दिसंबर तक बढ़ायी गई है। इसके अलावा, ट्रेन संख्या 05695/05696 (अगरतला - सिलचर - अगरतला) की सेवाओं को दोनों दिशाओं के लिए 21 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है। यह ट्रेन प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को चलेगी।

सड़ा-गला शव बरामद

लखीमपुर (हिस)। ढकुवाखाना सदर थाना क्षेत्र के चारिकडिया नदी के पानी में शनिवार को एक अर्धसड़ा-गला शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने शनिवार सुबह शव को तैरते हुए देखा। इसकी सूचना तत्काल ही ढकुवाखाना सदर पुलिस थाने को सूचना दी। ढकुआखाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर कार्यपालक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में व्यवस्था की और पोस्टमॉर्टम के लिए शव को लखीमपुर भेज दिया। पुलिस ने शव की पहचान कैलाश नाथ के रूप में की है। मृत व्यक्ति पांच सितंबर से बाली गांव स्थित अपने घर से लापता था। बताया गया है कि मृतक कुछ समय से गंभीर मानसिक अवसाद से पीड़ित था। उस दिन जमकर शराब पीकर घर छोड़ने के बाद से लापता था। पिछले चार दिनों से पुलिस और परिवजनों की तलाश के बाद नदी के पानी से व्यक्ति का शव अर्धसड़े-गले हालत में मिला। शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं होने और गले में गान्गोछ का फंदा लगा होने के कारण आशंका जताई जा रही है कि मृतक ने आत्महत्या की होगी। इस संबंध में ढकुवाखाना सदर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

भूख लगी हो, वह रुचिकर होने पर भूख न लगने पर भी खा सकता है, परंतु ग्राहक शब्द आते ही पूरा भाग बदल जाता है। इसीलिए ग्राहक पंचायत ने ग्राहक शब्द को चुना है। ग्राहक पंचायत के साथ पंचायत शब्द जुड़ा है। पंचायत शब्द आते ही यह भाव आ जाता है कि समाज का पंचों में विश्वास होता है। पंच नि:स्वार्थ भाव से कार्य करते हैं। ग्राहक पंचायत लोक संगठन है। अतः 75 वर्ष तक हमें अपने कार्य को चार गुना बढ़ाना है, यह कैसे करना है, यह सोचने के लिए ही यह अधिवेशन है। भागवत ने कहा कि पूरा समाज ग्राहक है। हमारा कार्य क्षेत्र संपूर्ण समाज है। जब तक हम समाज व्यापी नहीं होते, हमें अपने कार्य का समुचित लाभ नहीं मिलेगा। समारोह में केंद्रीय उपभोक्ता राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि आज ग्राहक पंचायत के स्वर्ण जयंती वर्ष के उद्घाटन के साथ ही देश में जी-20 सम्मेलन का भी उद्घाटन हो रहा है। जी-20 में सम्मिलित देश विश्व की अर्थव्यवस्था के 70 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भूख लगी हो, वह रुचिकर होने पर भूख न लगने पर भी खा सकता है, परंतु ग्राहक शब्द आते ही पूरा भाग बदल जाता है। इसीलिए ग्राहक पंचायत ने ग्राहक शब्द को चुना है। ग्राहक पंचायत के साथ पंचायत शब्द जुड़ा है। पंचायत शब्द आते ही यह भाव आ जाता है कि समाज का पंचों में विश्वास होता है। पंच नि:स्वार्थ भाव से कार्य करते हैं। ग्राहक पंचायत लोक संगठन है। अतः 75 वर्ष तक हमें अपने कार्य को चार गुना बढ़ाना है, यह कैसे करना है, यह सोचने के लिए ही यह अधिवेशन है। भागवत ने कहा कि पूरा समाज ग्राहक है। हमारा कार्य क्षेत्र संपूर्ण समाज है। जब तक हम समाज व्यापी नहीं होते, हमें अपने कार्य का समुचित लाभ नहीं मिलेगा। समारोह में केंद्रीय उपभोक्ता राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि आज ग्राहक पंचायत के स्वर्ण जयंती वर्ष के उद्घाटन के साथ ही देश में जी-20 सम्मेलन का भी उद्घाटन हो रहा है। जी-20 में सम्मिलित देश विश्व की अर्थव्यवस्था के 70 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ने इस्लाम के परिवार से दो मैकबुक (लैपटॉप) और दो (टोयोटा) इनोवा (कार) का अनुरोध किया था। एक मैकबुक की खरीद की पुष्टि करने वाली रसीदें मिलीं। प्रयास जारी है दूसरे का पता लगाएँ। उन्होंने कहा कि हम सभी ढीले बिंदुओं को जोड़ने के बारे में आशावादी हैं। अदालत में एक मजबूत मामला सुनिश्चित करने के लिए सामग्री और परिस्थितिजन्य साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। 7 सितंबर को बिचौलिया साहिदुल इस्लाम सहित पांच व्यक्तियों ने अपराध जांच विभाग के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और उन्हें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। जांच कर रही सीआईबी ने आगे की पृष्ठताछ के लिए इन आरोपियों की हिरासत मांगी।

चंद्रबाबू नायडू की ...

की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ तेलुगु देसम पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तिरुपति के अन्रपूर्णा सरकुलु केंद्र में विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने भी सीआईबी द्वारा अपने पिता को गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन कर नाराजगी जाहिर की है। नायडू के वकील के मुताबिक, गिरफ्तारी से पहले सीआईडी ने नायडू को मैडिकल जांच के लिए ले जाया गया। बता दें कि उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और शुगर है। वकील ने कहा कि हम जमानत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे हैं। पुलिस हिरासत में जाने से पहले राज्य के पूर्व सीएम और टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि मैंने कोई कदाचार या भ्रष्टाचार नहीं किया है। सीआईडी ने बिना किसी उचित जानकारी के मुझे गिरफ्तार कर लिया और मैंने उनसे सबूत दिखाने के लिए कहा कि लेकिन उन्होंने सबूत दिखाने से इनकार कर दिया और मेरी भूमिका के बिना मेरे नाम एफआईआर में जोड़ दिया। चंद्रबाबू नायडू को हिरासत में ले जाने के बीच टीडीपी कार्यकर्ताओं और पुलिस कर्मियों के बीच हल्की झड़प भी हुई। राज्य पुलिस ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए एहतियाती कार्रवाई के तौर पर टीडीपी नेता और पार्टी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश को पूर्वी गोदावरी जिले में हिरासत में लिया। टीडीपी नेताओं ने वरिष्ठ नेता के खिलाफ देर रात की कार्रवाई के लिए पुलिस की अलोचना की। कथित तौर पर, पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। अधिकारियों के मुताबिक, इलाके में डीआईजी रघुवाम रेड्डी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सीआईडी अधिकारियों ने कहा कि हमारे पास सबूत हैं। हमने इसे उच्च न्यायालय को दे दिया है। रिमांड रिपोर्ट में सभी सामग्री शामिल है। हम उसे विजयवाड़ा ले जाने से पहले एक रिमांड रिपोर्ट देंगे। टीडीपी प्रवक्ता कोम्मारेड्डी पट्टाभिराम ने मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी को देश में सबसे भ्रष्ट राजनेता बताया। पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर उन्होंने दावा किया कि कल रात से आंध्र प्रदेश पुलिस और सीआईडी ने चंद्रबाबू नायडू को अवैध रूप से गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। चंद्रबाबू नायडू के शि्विर स्थल के बाहर सैकड़ों पुलिसकर्मी जमा हो गए और उन्होंने उन सभी नेताओं को अवैध रूप से हिरासत में लिया है जो चंद्रबाबू नायडू के साथ कैंपसाइट पर रह रहे थे। टीडीपी प्रवक्ता ने आगे कहा कि चंद्रबाबू नायडू बस से बाहर आए और एक साधारण सवाल पूछा कि आप मुझे किस आधार पर गिरफ्तार कर रहे हैं? पुलिस के पास कोई जवाब नहीं था। पिछले दो वर्षों से, कौशल विकास मामले का नाटक चल रहा है और चुनाव से ठीक पहले, उन्होंने चंद्रबाबू नायडू को एक भ्रष्ट राजनेता के रूप में ब्रांड करने के लिए इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया है। आंध्र प्रदेश पुलिस के अपराध जांच विभाग ने इसी साल मर्च में, राज्य कौशल विकास निगम में लगभग 3, 300 करोड़ रुपए के कथित घोटाले की जांच शुरू की। इसकी जांच भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के पूर्व अधिकारी अरजा श्रीकांत को जारी किए गए नोटिस के बाद शुरू की गई। बता दें कि अरजा श्रीकांत 2016 में एपीएसएडसीसी के सीईओ थे। टीडीपी सरकार के कार्यकाल (2016) के दौरान, बेरोजगार युवाओं को उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके सशक्त बनाने के उद्देश्य से एपीएसएडसीसी की स्थापना की गई थी। आरोप है कि नायडू सरकार ने योजना में इस्तेमाल किए जाने वाली रकम 371 करोड़ रुपए शैल कंपनियों को ट्रांसफर कर दिया। साथ ही पैसे ट्रांसफर करने से संबंधित सभी डॉक्यूमेंट्स को भी नष्ट कर दिया गया।

एएसपी गायत्री के रिश्तेदार के घर से बरामद लाखों रुपए

गुवाहाटी (हिंस)। सीआईडी ने बजाली मामले के अभियुक्तों में से एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गायत्री सोनोवाल के रिश्तेदार के आवास पर छापा मारी की है। एक सूत्र के अनुसार आवास से भारी मात्रा में रुपए बरामद किये गये। जानकारी के अनुसार शहर के बेलतला में जिलमिल रोड स्थित आवास पर छापा मारी समाचार लिखे जाने तक जारी है। ज्ञात हो कि बजाली के गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक के ब्रीफकेस से भारी मात्रा में नकद बरामद की गई थी। आज का यह अभियान पुलिस की एक बड़ी टीम द्वारा चलाया जा रहा है। कुछ दिन पहले सीआईडी ने इस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गायत्री सोनोवाल की मां के घर पर भी छापा मारा था।

कांग्रेस की मीटिंग में लोग नहीं जुटते : पीयूष हजारीका

गोलाघाट (हिंस)। असम के जल संसाधन, सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारीका ने कहा है कि कांग्रेस के नेताओं की बैठकों में लोगों की भीड़ नहीं जुटती है। इन बैठकों में 200 पब्लिक रहती है तो 100 कांग्रेस के ही नेता रहते हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस को गांव-गांव में जाकर कोई फायदा नहीं है। क्योंकि, लोग उन्हें फिलहाल वोट देने वाले नहीं हैं। हर गांव में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का परचम लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता हमें फिर से चुनाव में वोट देगी और हम फिर से इसी प्रकार



जनता की सेवा तमयता पूर्वक करेंगे। ये बातें मंत्री ने आज यहां एक निर्माणाधीन बंगला के निरीक्षण के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते

हुए कहीं। ज्ञात हो कि आज मंत्री पीयूष ने कहरा में जल संसाधन विभाग के निर्माणाधीन निरीक्षण बंगले के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान पत्रकारों द्वारा जी 20 सम्मेलन के दौरान बिहू नृत्य विकृत तरीके से प्रस्तुत करने संबंधी किए गए सवाल के जवाब में मंत्री पीयूष ने कहा कि इन कार्यक्रमों से असम सरकार का कोई लेना देना नहीं है। यह केंद्र सरकार का कार्यक्रम है। जिसे ईवेंट मैनेजमेंट के लिए किसी को दिया गया होगा। फिर भी ऐसा ध्यान रखा जाना चाहिए कि भविष्य में इस प्रकार से दोहराया नहीं जाए।

डाक कार्यालय के खिलाफ आंदोलन शुरू करने का घोषणा

इटानगर (हिंस)। अपील पर गैर-प्रतिक्रिया और असहयोग को देखते हुए अरुणाचल प्रदेश के 10 संगठनों के एक समूह ने रैली के रूप में अधीक्षक डाक कार्यालय के खिलाफ अपना लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने का घोषणा की है। आगामी 12 सितंबर को इटानगर के अकाशदीप बाजार से इंदिरा गांधी पार्क टेनिस कोर्ट तक रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य भर के 866 शाखा डाकघरों में 2596 पदों में गैर-अरुणाचली उम्मीदवारों को चल रही नियुक्ति को तुरंत रद्द करने की मांग की जाएगी की जाएगी। आज अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए समूह का नेतृत्व करते राज पाओ ने कहा कि एक छोटी सी तकनीकी गलती के कारण ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) पद को भर्ती प्रक्रियाओं में हमारे राज्य के बेरोजगार युवाओं के साथ भेदभाव और अन्याय हुआ है। हमने डाकघर निदेशालय के अधीक्षक को अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत किया था और ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) पद पर गैर-अरुणाचली नियुक्तियों को रद्द

करने, डाकघर की नौकरी रिक्तियों में अधिक अरुणाचली युवाओं को शामिल करने और डाकघर की नौकरी में स्थानीय बोली को शामिल करने की अपील की थी। भर्ती नियम, 866 शाखा डाकघर के विरुद्ध गैर अरुणाचलियों को चल रही नियुक्ति प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग की गई थी, लेकिन उन्होंने हमारी अपील का जवाब नहीं दिया और नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। इसलिए हमने रैली के रूप में अपना लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया, जिसके माध्यम से हम राज्य में जागरूकता फैलाना चाहेंगे और केंद्र सरकार को अपना आक्रोश दिखाना चाहेंगे। डाक विभाग ने अरुणाचल प्रदेश के लिए 866 शाखा डाकघर और 2596 ग्रामीण डाक सेवक पद स्वीकृत किए हैं, लेकिन विभाग ने जीडीएस भर्ती नियमों की औपचारिकताओं को बनाए रखे बिना राज्य के अधिकतम जीडीएस पदों पर गैर अरुणाचली उम्मीदवारों को नियुक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार स्थानीय भाषा बोली अनिवार्य है।

मानकाचार में नाबालिग समेत दो तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। मानकाचार में एक नाबालिग समेत दो नशे के कारोबार में लिप्त तस्करों को आज पकड़ा गया। मानकाचार के फेकाकारी में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ की गई कार्रवाई के दौरान एक नाबालिग समेत दो लोगों को पकड़ा। भारी मात्रा में नशीली गोलियां और कफ सिरप के साथ दो तस्करों को इस दौरान गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए दो तस्करों में से एक जो नाबालिग है। उसकी उम्र 15 साल की है। दूसरा तस्कर की पहचान रूपचन अली के रूप में की गई है। तस्करों के पास से 13680 नशीली गोलियां और कफ सिरप की 90



बोतलें जब्त की गईं। दोनों तस्कर एक यात्री टैम्पो में हाटशिंंगीमारी से मानकाचार की ओर जा रहे थे। खुफिया जानकारी के आधार पर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व

में खारुवाबांधा पुलिस ने छापेमारी की। फिलहाल पुलिस दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है। पुलिस नशीली दवाओं की तस्करों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगी। जानकारी दी गई है कि गिरफ्तार नाबालिग ड्रग्स तस्कर का पिता भी कुख्यात ड्रग्स माफिया है। वह पुलिस को धोखा देकर लंबे समय से पश्चिम बंगाल में फरार चल रहा है। मादक पदार्थ को उसके बेटे का इस्तेमाल करके कोचबिहार से धुबड़ी होते हुए मानकाचार लाया जा रहा था। जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फारुक अहमद ने आज संवाददाताओं को यह जानकारी दी।

रंगिया सिविल अस्पताल में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

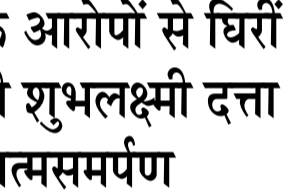
रंगिया (विभास)। गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय के नेत्ररोग विभाग और रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के सौजन्य से शनिवार को एक निःशुल्क नेत्र जांच व चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। रंगिया महकमा चिकित्सालय प्रांगण में आयोजित इस शिविर में मोतियाबिंद सहित नेत्र की विभिन्न बीमारियों की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भार्गव चौधुरी ने किया। वहीं दूसरी ओर चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पदमेश्वर कलिता द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया जिसमें चिकित्सालय के कर्मचारी अमृत्यु बैश्य का पूर्ण सहयोग रहा। शिविर में उपस्थित रंगिया के विभिन्न अंचलों के करीब 250 से भी अधिक लोगों ने अपने नेत्र की जांच कराई। इस मौके पर गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.



भार्गव चौधुरी के नेतृत्व में उपस्थित चिकित्सक कुमार और डॉ. इस्माईल प्रमाणिक ने चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं। डॉ. नजरूल इस्लाम आहमद, डॉ. सुजन द्वीप

महिला उत्पीड़न के आरोपों से घिरिं एपीएस अधिकारी शुभलक्ष्मी दत्ता ने किया आत्मसमर्पण

गुवाहाटी (हिंस)। धरेलू नौकरानी के उत्पीड़न और हमले के आरोपों में घिरिं असम पुलिस की निलंबित अधिकारी शुभलक्ष्मी दत्ता ने शनिवार को आखिरकार पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। नाजिरा मॉडल पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में पुलिस 30 अगस्त से शुभलक्ष्मी की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापा मारी कर रही थी। दरअसल, पुलिस अधिकारी शुभलक्ष्मी पर काम करने वाली महिला लखीमपुर की अनिमा प्रजा पर खोलता गर्म पानी डालने और बाथरूम में बंद कर प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। पीड़िता ने इस संबंध में नाजिरा मॉडल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। चाय समुदाय के संगठनों ने इस घटना की जांच की मांग की थी। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह के प्राथमिकी दर्ज करने और इसकी जांच करने संबंधी आदेश देने के बाद नाजिरा मॉडल पुलिस स्टेशन में 27 अगस्त को केस दर्ज किया गया था। थाने में मामला दर्ज होने के बाद शुभलक्ष्मी को सेवा से निलंबित कर दिया गया था। पुलिस ने उन्हें फरार घोषित कर दिया गया था।



तीज महोत्सव पर मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा का भव्य कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा ने राजस्थानी परंपरा से परिपूर्ण पारंपरिक त्योहार हरियाली तीज का सुनहरा कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें डेढ़ सौ से भी अधिक महिलाएं राजस्थानी परंपरिक करके भूषा में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश की प्रतिमा के आगे सम्मेलन में प्रति की प्रथम महिला व शाखा सलाहकार सरला काबरा, वंदना सोमानी, सरोज मिश्र, शारदा केडिया, इंदिरा अग्रवाल और शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा, शाखा उपाध्यक्ष संगीता बडजाल्या ने दीप प्रज्वलित करके किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत संतोष काबरा, बबिता सरावगी, रितु सांखला और

शोभना लड्डू ने गणेश वंदना नृत्य करके किया। कार्यक्रम में पधारी सभी महिला सदस्यों को का स्वागत करते हुए इन्होंने स्वागत गीत नृत्य भी प्रस्तुत किया। इससे पहले शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इतनी प्रचलित करके किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत संतोष काबरा, बबिता सरावगी, रितु सांखला और



प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें निर्णायक को भूमिका में मोना गौड, पायल जैन, अपर्णा बैंगनी और ज्योति पुरोहित उपस्थित थीं। नृत्य में प्रथम पुरस्कार जया पारीक एंड ग्रुप

तथा द्वितीय पुरस्कार रश्मि भंसाली एंड ग्रुप को दिया गया तथा सोलह श्रृंगार प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जया पारीक और द्वितीय पुरस्कार बर्षा पारीक के अलावा सान्त्वना पुरस्कार मीनू

विश्वनाथ में मनाया गया कुलगुरु संत शिरोमणि गणीनाथ जी का जन्मोत्सव

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चाराली के शहर के सार्वजनिक धर्मशाला प्रांगण में मध्यदेशीय वैश्य महासभा विश्वनाथ जिला शाखा के सौजन्य में आज कुलगुरु संत शिरोमणि गणीनाथ जी का जन्मोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शंकर प्रसाद गुप्ता ने मध्यदेशीय वैश्य महासभा के प्रतीक का ध्वजारोहण किया। सुबह 10 बजे शिरोमणि गणीनाथ जी का प्रतिछवि के सामने पूजा अर्चना किया गया। मध्यदेशीय वैश्य महासभा विश्वनाथ जिला शाखा के कोषाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद गुप्ता के निरीक्षण में पूजा अर्चना संपन्न हुआ। तत्पश्चात सभा का आयोजन हुआ, जिसका जिला शाखा के महामंत्री नागेश गुप्ता द्वारा संचालित सभा में अध्यक्षता विश्वनाथ जिला शाखा के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता गुप्ता ने



किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बरगांग के पशुपति कानु, इंटाखोला के सुरेश शाह, नरेश शाह, शोणितपुर के टूण्या के नंदकिशोर शाह को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। सभा में मुख्य अतिथि व समाज

के मुख्य संरक्षक शंकरप्रसाद गुप्ता ने कुलगुरु संत शिरोमणि गणीनाथ जी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मध्यदेशीय वैश्य महासभा विश्वनाथ के मुख्य संरक्षक शंकर प्रसाद गुप्ता को अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया गया।

इसके बाद समाज के मैट्रिक, बारहवीं तथा स्नातक सन 2023 ई. में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थी को फुलाम गामोछा और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस मौके पर डफलागढ़ से हरीन्द्र कानु, मुना गुप्ता, विश्वनाथ घाट से जीतेन्द्र प्रसाद, राजु प्रसाद समाजसेविका, सोनमति देवी, समाजसेवक और गण मान्य व्यक्ति मौजूद था। मध्यदेशीय वैश्य महासभा विश्वनाथ जिला शाखा के कार्यकर्ता संजय गुप्ता, मुना प्रदाय कुमार गुप्ता और मीटू कानु के अध्यक्ष प्रसाद गुप्ता, प्रजनन स्थलों को खतम करना और सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा देने जैसे सरल लेकिन प्रभावशाली कदम संक्रमण के जोखिम को काफी कम कर सकते हैं। इसके अलावा, उचित चिकित्सा देखभाल के साथ प्रारंभिक पहचान इन स्थितियों को संबोधित करने में

हेरोइन के साथ तस्कर गुवाहाटी में गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी शहर ड्रग्स के कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। यहां पर ड्रग्स का कारोबार खूब चल रहा है। हालांकि, बीते दो वर्षों से ड्रग्स के विरुद्ध पुलिस द्वारा चलाया जा रहे अभियान के कारण इस पर अंकुश आवश्यक लगा है। इसी सिलसिले में आज गुवाहाटी की वशिष्ठ थाना की ईजीपीडी टीम ने साठकुचो के बोडो पथ पर एनईएफ कॉलेज के पास एक नाके पर 12.26 ग्राम सैंदिह हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पकड़े जाने के बाद पूछताछ में उसने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला का वह रहने वाला है। उसकी पहचान सांगी त्सेरिंग के रूप में हुई है।

रंगिया : पूर्व संघचालक स्वर्गीय नीतीश चंद्र शर्मा की याद में आज व्याख्यानमाला का आयोजन

रंगिया (विभास)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कामरूप जिला के पूर्व संघचालक स्वर्गीय नीतीश चंद्र शर्मा की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में तथा उनकी स्मृति को लोगों के बीच संरक्षित रखने के उद्देश्य से रविवार (10 सितंबर) को एक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया है। रंगिया के ऐतिहासिक हर्दत-बीरदत्त भवन प्रांगण में संस्था 4 बजे से आयोजित होने वाले स्वतंत्रता आंदोलन में किसान विद्रोह की भूमिका शीर्षक व्याख्यान कार्यक्रम में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के शंकरदेव अध्ययन विभाग के प्रधान अध्यापक तथा असम लोकसेवा आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. निरंजन कलिता उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर आयोजकों ने स्वर्गीय नीतीश चंद्र शर्मा के सभी प्रशंसकों से कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया है। वहीं आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. विचित्र कलिता, उपाध्यक्ष डॉ. खनीर कलिता और दिलीप कुमार लहकर, सचिव योगाचार्य ज्योतिष कलिता, सह-संपादक धृक्न्योति सालोई और गौरव कृष्णन डेका द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

छात्र एकता बैठक की पहल पर एक दिवसीय कार्यक्रम सोल्लास मनाया गया

नगरबेड़ (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आलोपती स्थित डॉ. जाकिर हुसैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्र एकता बैठक की पहल पर आज एक दिवसीय कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुबह 8 बजे विद्यालय के शिक्षक अखिल बारिक ने ध्वजारोहण किया और वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ नए ज्ञानों के विद्यार्थियों के परिचित त्योहार और अंतरंग वार्ता, गीत, नृत्य आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके बाद स्वागत सभा की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक रफीकुल हसन ने की तथा उद्घाटन विद्यालय के विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. स्वामसुल आलम सरोआली ने किया। बैठक में मौजूद बरपेटा लोकसभा क्षेत्र के सांसद अब्दुल खालेक ने छात्रों को



प्रेरणादायक भाषण देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में अगर स्कूल से कोई भी छात्र 95 प्रतिशत अंकों के साथ पास हो सकता है तो सांसद स्कूल के प्रभारी प्राचार्य को विशेष रूप से सम्मानित करेंगे। इसके अलावा, सांसद ने अपने संबोधन में स्कूल के पुस्तकालय के लिए स्कूल के बुनियादी ढांचे के विकास और स्कूल परिसर में सभागार की छत के निर्माण के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने की घोषणा की। सेवानिवृत्त प्राचार्य एम अब्दुल मजिद, सेवानिवृत्त

वेक्टर-जनित रोगों के खिलाफ एकजुटता प्रभावी रोकथाम और नियंत्रण के लिए सहयोग करना जरूरी

गुवाहाटी। विविध स्वास्थ्य चुनौतियों के सामने, वेक्टर जनित बीमारियों का लगातार खतरा वैश्विक कल्याण के लिए एक स्थायी चिंता बनी हुई है। 17 प्रतिशत से अधिक संक्रामक रोगों के लिए जिम्मेदार और परिणामस्वरूप 700, 000 से अधिक वार्षिक मौतें हैं, ये बीमारियां दुनिया भर के समुदायों पर छाया डालती हैं। हाल की नैदानिक अंतर्दृष्टि एक परेशान करने वाली वास्तविकता को उजागर करती है: वैश्विक आबादी का लगभग 80 प्रतिशत वेक्टर जनित बीमारियों के प्रति संवेदनशील है, जिसमें मच्छर जनित बीमारियां इस बोझ में प्राथमिक योगदानकर्ता हैं। भारत जैसे भौगोलिक रूप से विविध राष्ट्र में, वेक्टर जनित बीमारियों की चुनौती विभिन्न क्षेत्रों में बहुआयामी आयाम लेती है, डॉ. डब्ल्यू पटवारी, एमडी (मेडिसिन), गुवाहाटी, ने इस परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैसे-जैसे मानसून का मौसम नजदीक आता है, स्थिर पानी और अपर्याप्त स्वच्छता अनजाने में रोग फैलाने वाले वेक्टरों के लिए प्रजनन स्थल बनाते हैं। इससे

उनका प्रसार तेज हो जाता है और मलेरिया, डेंगू, बुखार, चिकनगुनिया और विभिन्न अन्य वेक्टर जनित बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को सूचित किया जाना महत्वपूर्ण है, निवारक रणनीतियां करें, और सामूहिक रूप से इन परिहार्य बीमारियों के खिलाफ लड़ाई में योगदान दें। वेक्टर-जनित बीमारियां मच्छरों, मक्खियों, किलनी और घुनों जैसे संक्रमित वाहकों के काटने से फैलने वाले संक्रमण हैं। ये वेक्टर विभिन्न रोगजनकों के वाहक के रूप में काम करते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सीधा खतरा पैदा करते हैं। डॉ. डब्ल्यू पटवारी जी को देखते हैं कि वेक्टर जनित बीमारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई में रोकथाम ही बुनियाद है। मच्छर निरोधकों का उपयोग करना, सुरक्षात्मक कपड़े पहनना, प्रजनन स्थलों को खतम करना और सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा देने जैसे सरल लेकिन प्रभावशाली कदम संक्रमण के जोखिम को काफी कम कर सकते हैं। इसके अलावा, उचित चिकित्सा देखभाल के साथ प्रारंभिक पहचान इन स्थितियों को संबोधित करने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉक्सिसाइक्लिन, के कारण इसके सृजन-रोधी, एंटीवायरल और इन्फ्यून्-माइग्रेटरी प्रभाव, डेंगू के इलाज के लिए एक शक्तिशाली एंटीबायोटिक है। व्यक्तिगत उपायों से परे, एकीकृत वेक्टर प्रबंधन (आईवीएम) केंद्र स्तर पर है - एक दृष्टिकोण जो रासायनिक, जैविक, पर्यावरण और सामाजिक हस्तक्षेपों को एक साथ जोड़ता है। यह समग्र रणनीति सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों को लक्षित, लागत प्रभावी और टिकाऊ प्रथाओं को विकसित करने का अधिकार देती है जो वेक्टर जनित बीमारियों को उनके मूल में संबोधित करती हैं। निष्कर्षतः, वेक्टर जनित बीमारियां रोकनी जा सकती हैं। व्यापक जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देकर, नवोन्मेषी अनुसंधान को आगे बढ़ाकर, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देकर और बदलाव की वकालत करके, हम अपने देश पर इन बीमारियों के बोझ को काफी हद तक कम कर सकते हैं। हमारी ताकत एकता में निहित है - एक ऐसी ताकत जो सभी के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य को आकार दे सकती है।

छत्तीसगढ़ में जी-20 की बैठक को लेकर राज्य शासन व प्रशासन युद्धस्तर पर जुटा

रायपुर, (हि.स.)। छत्तीसगढ़ में जी-20 की बैठक को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। नया रायपुर के अटल नगर में 18 एवं 19 सितंबर को प्रस्तावित जी-20 के चौथे स्थायी वित्त कार्य समूह की बैठक को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। नया रायपुर के एक बड़े निजी होटल में होने वाली इस बैठक में देश-विदेश के लगभग ढाई सौ लोग जुटेंगे। बैठक को लेकर अभी तक साज-सज्जा में 30 करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च हो चुकी है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार नया रायपुर में प्रस्तावित जी-20 की बैठक को लेकर राज्य शासन व प्रशासन युद्ध स्तर पर जुटा हुआ है। स्वामी विवेकानंद विमानतल से लेकर आयोजन स्थल तक जी रोड, आईपी रोड और कई मार्गों का सौंदर्यीकरण शुरू है। शासन स्तर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जी-20 कर मूड की बैठक में शामिल होने वाले विदेशी प्रतिनिधि मंडलों को छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति से वाकफ कराया जाएगा। इसके लिए नया रायपुर के विभिन्न मार्गों पर छत्तीसगढ़ की विशेषता को प्रदर्शित करने वाले स्थल पुरातात्विक नगरी सिरपुर चित्रकूट जलप्रपात वन व खनिज संपदा तथा औद्योगिक विकास सहित छत्तीसगढ़ के संस्कृत संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी की होर्डिंग लगाई जा रही है। मेरमानों के लिए प्रदेश के लोक नृत्य व संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने अधिकारियों से नया रायपुर में एयरपोर्ट से मेयफेयर रिसार्ट एवं नया रायपुर के अन्य मार्गों की वर्तमान स्थिति एवं आयोजन के लिए निर्मित होने वाली व्यवस्थाओं को लेकर श्री-3डी वॉक-थ्रू के संबंध में विस्तार से जानकारी



ली है। उन्होंने नया रायपुर के विभिन्न मार्गों पर छत्तीसगढ़ की विशिष्टता को प्रदर्शित करने वाले स्थल, पुरातात्विक नगरी सिरपुर, चित्रकूट जलप्रपात, वन एवं खनिज संपदा और औद्योगिक विकास सहित छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी संबंधी होर्डिंग्स इत्यादि लगाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को एयरपोर्ट से मेयफेयर रिसार्ट सड़क मार्ग, पुराना जीई रोड, वीआईपी एवं अन्य मार्गों का सौंदर्यीकरण और साज-सज्जा के और अन्य आवश्यक काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। जी-20 की बैठकों में आने वाले विदेशी डेलीगेट्स के लिए छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य, संगीत और संस्कृति पर

आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन करने के लिए अभी से आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह से जी-20 वारिका के लिए उचित जगहों पर विदेशी आगंतुकों द्वारा पौधारोपण कराए जाने की तैयारियों की जा चुकी है। नगर निगम रायपुर, नया रायपुर विकास प्राधिकरण और संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने जी20 की बैठक के लिए किए जा रहे तैयारियों के बारे में मुख्य सचिव को विस्तार से जानकारी दी है। इस बैठक को लेकर काग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि रायपुर में बैठक, शिखर सम्मेलन के पहले होता तो अच्छा होता। उन्होंने आशा जताई है कि जी-20 समूह की नया रायपुर में बैठक होने से छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति को देश दुनिया में पहचान मिलेगी।

रायपुर दक्षिण बीजेपी विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि G20 की अध्यक्षता करने का मौका भारत को मिला है। यह भारतवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में पीएम मोदी ने देश के सभी राज्यों को शामिल कर दिया है। कुछ नए विषय भी शामिल किए हैं, जिसके माध्यम से भारत विश्व का आयोजन कर रहे भारत को लाना है कि इसकी सफलता से दुनिया में उसका कद बढ़ेगा। लेख में कहा गया है कि जी20 गुनिया का प्रमुख आर्थिक सहयोग मंच है लेकिन अर्मे-

जी20: शिखर सम्मेलन पर चीन के सरकारी मीडिया ने सतर्कता के साथ की भारत की तारीफ

अजय त्यागी

नई दिल्ली। भारत में जी 20 सम्मेलन को लेकर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चर्चाएं हैं। इस सम्मेलन में दुनिया के सदस्य देशों के दिग्गज नेता पहुंचे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आखिरी समय पर जी20 के लिए नई दिल्ली का अपना दौरा टाल कर प्रतिनिधि के तौर पर वहां के प्रधानमंत्री ली कियिंग को भेजा है। इसके साथ ही वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख को देखते हुए चीन पूरे आयोजन पर बेहद नजदीकी नजर रख रहा है। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स के एक लेख में जी20 के लिए सतर्कता के साथ भारत की तारीफ की गई है लेकिन पश्चिमी देशों पर निशाना साधते हुए उन पर अपना एजेंडा चलाने का आरोप लगाया गया है। ग्लोबल टाइम्स में 'Who is the spoiler of the G20 summit in New Delhi?' शीर्षक से प्रकाशित लेख में कहा गया है कि तैयारियों को देखकर लगता है कि पहली बार इतने व्यापक रूप से बहुपक्षीय राजनयिक शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहे भारत को लाना है कि इसकी सफलता से दुनिया में उसका कद बढ़ेगा। लेख में कहा गया है कि जी20 गुनिया का प्रमुख आर्थिक सहयोग मंच है लेकिन अर्मे-



रका और पश्चिमी देश अपने एजेंडे को बढ़ावा देने की मंशा रखते हैं। पश्चिमी देश जी 20 के एजेंडे की बजाय रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ध्यान दे रहे हैं। भारत ने यूक्रेन को जी20 में नहीं बुलाया। यह भी आरोप लगाया गया है कि भारत की जी20 की अध्यक्षता में पश्चिमी देशों ने हमेशा से भारत के साथ चीन के संघर्ष को हवा दी है। लेख में भारत की प्रशंसा करते हुए कहा गया है कि भारत बहुपक्षीय कूटनीति व आर्थिक सुधार पर इस पूरे आयोजन को केंद्रित रखने की कोशिश की है, जो हमेशा से इस मंच का मुख्य विषय रहा है लेकिन पश्चिमी देश ऐसा नहीं चाहते। आलेख में चिंता जताई गई है कि बेहद जटिल परिस्थितियों के बीच पश्चिमी देशों के

कारण शायद इतिहास में पहली बार संयुक्त वक्तव्य जारी न किए जाएं। भारत ने जी 20 शिखर सम्मेलन के लिए छह प्राथमिकताओं हरित विकास और जलवायु वित्त, समावेशी विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, टेक्नोलॉजी ट्रांसफॉर्मेशन और सामाजिक व आर्थिक प्रगति के लिए महिला सशक्तीकरण में सुधार की घोषणा की है। हालांकि दिल्ली में जी20 सम्मेलन शुरू हो चुका है और जी20 में अफ्रीकी यूनियन को सदस्यता मिलने के साथ इस सम्मेलन की सफलता की पटकथा तैयार हो चुकी है। यूरोपीय संघ के बाद देशों का यह सबसे बड़ा समूह जी20 से जुड़ गया है।

केन्द्र के समान डीए की मांग कर रहे हैं पश्चिम बंगाल के सरकारी कर्मचारी

-मंत्रियों, विधायकों की वेतन वृद्धि को बनाया मुख्य एजेंडा, अपनी मांगों पर कायम

कोलकाता (इंएमएस)। केन्द्र के समान वेतन की मांग करते हुए पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार के कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारी केंद्र सरकार के समकक्षों के बाहर महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाने और उस पर मिलने वाले बकायों की भी मांग कर रहे हैं। उन्होंने अपनी मांगों पर दबाव डालने के लिए राज्य सरकार के मंत्रियों और विधायकों के वेतन में 40,000 रुपये प्रति माह बढ़ोतरी को मुख्य एजेंडा बनाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को सभी मंत्रियों और विधायकों के वेतन में 40,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि की घोषणा की। इसके बाद विधायकों को भुगतान, भत्ते सहित मिलने वाला मासिक भुगतान मौजूदा 81,000 रुपये से बढ़कर 1.21 लाख रुपये हो जाएगा। जबकि मंत्रियों को मिलने वाला मासिक भुगतान मौजूदा 1.10 लाख रुपये से बढ़कर 1.50 लाख रुपये हो जाएगा। डीए मुद्दे पर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों के संयुक्त मंच के संयोजक भास्कर घोष ने कहा कि जहां राज्य सरकार फिजूलखर्ची और टालने योग्य खर्चों के पीछे



करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, मगर राज्य सरकार के कर्मचारियों को उनके वेध बकायों से वंचित कर रही है। कर्मचारियों ने कहा कि राज्य सरकार के पास मंत्रियों और विधायकों के वेतन में इतनी भारी बढ़ोतरी के लिए पर्याप्त पैसा है, लेकिन हरमारे डीए का भुगतान करने के लिए उसके पास पर्याप्त पैसा नहीं है।

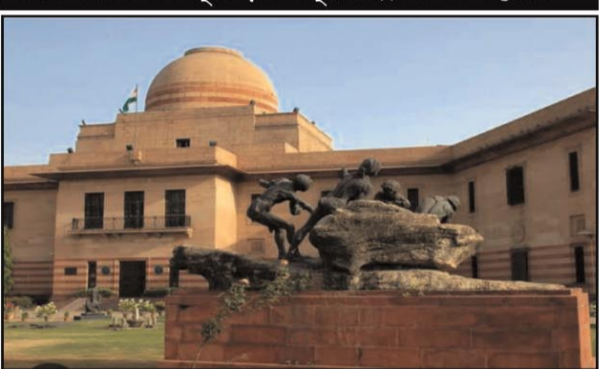
सामने रैली, 24 सितंबर को राजभवन तक मार्च और 10 अक्टूबर और 11 अक्टूबर को दो दिवसीय काम बंद करना शामिल है। इधर पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंद्र अधिकारी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि भाजपा के विधायक इस बड़े हुए वेतन को अस्वीकार कर देंगे। मुख्यमंत्री की घोषणा के तुरंत बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंद्र अधिकारी ने कहा था कि हम इस बड़े हुए वेतन को पाने के खिलाफ हैं। हमारी विधायी टीम ने राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मुलाकात की है। आगामी आंदोलन कार्यक्रम में 10 सितंबर को सभी जिलों में पुलिस स्टेशनों का घेराव, 18 सितंबर को सभी खंड विकास कार्यालयों के

जी 20: विदेशी मेहमानों को भारत के 5000 साल पुराने इतिहास के अनूठे सफर पर ले जाएगी प्रदर्शनी

- आज राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी में रूट्स एंड रूट्स प्रदर्शनी का उद्घाटन

अजय कुमार

नई दिल्ली। जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्राध्यक्षों, प्रतिनिधियों और उनकी जीवित संगिनियों को राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी भारत के पांच हजार साल पुरानी सभ्यता और संस्कृति के अनूठे सफर पर ले जाएगी 'रूट्स एंड रूट्स- पास्ट प्रेजेंट एंड फ्यूचर्स' नामक की प्रदर्शनी। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन शनिवार को किया जाएगा। जिसमें सिनेली में मिले रथ, सिंधु सभ्यता की संस्कृति से रूबरू हो सके। प्रदर्शनी में पुरातात्विक कलाकृतियों, साहित्य, मुद्राशास्त्र, पुरालेख और चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। एनजीएमए में लगाई गई प्रदर्शनी 'रूट्स एंड रूट्स' के क्यूरेटर राघवेंद्र सिंह बताते हैं कि इसे तैयार करने में उन्हें 9 महीने का समय लगा। इसमें देश के कोने-कोने से ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व की वस्तुएं मंगाई गई हैं। इसमें



अमरावती, गांधार, चंडीगढ़ संग्रहालय, कोलकाता संग्रहालय सहित, राष्ट्रीय संग्रहालय से भी ऐतिहासिक वस्तुएं लाई गई हैं। इसमें भारत के 5000 साल पुराने इतिहास को पुरावशेषों के माध्यम से धीमे के आधार पर क्यूरेट किया गया है। यह प्रदर्शनी जी 20 की प्राथमिकताओं के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी का नाम 'रूट्स एंड रूट्स', हमारी समृद्ध और विशाल संस्कृति और स-

ंस्कृतिक महत्व को प्रदर्शित करता है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हम अपनी संस्कृति की कहानी बता रहे हैं। इसमें सिनेली रथ की कहानी है जो हमें 4000 से 5000 साल पीछे ले जाती है, वहीं सिंधु सभ्यता, नालंदा का इतिहास, पुराने किले सहित कई साइट व्यूजियम में की गई खुदाई से मिली चीजें प्रदर्शित की गई हैं। यह संस्कृति मंत्रालय की बहुत महत्वपूर्ण प्रदर्शनी है।

सीबीआई ने शराब घोटाले में तलब किए पंजाब के दस अधिकारी

चंडीगढ़, (हि.स.)।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के शराब घोटाले की जांच के चलते पंजाब आबकारी एवं कराधान विभाग के दस अधिकारियों को जांच में शामिल होने के लिए तलब किया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पहले ही इस मामले में आरोपित है। यह दूसरा मौका है, जब केंद्रीय जांच एजेंसी ने पंजाब के अधिकारियों को तलब किया है। इससे पहले ईडी ने दिल्ली उत्पाद शुल्क घोटाले में तीन अधिकारियों से पूछताछ की थी। जिसमें फाइनेंशियल कमिश्नर एक्ससाइज एंड टैक्सेशन केएपी सिन्हा का नाम भी शामिल है। सीबीआई के दिल्ली मुख्यालय में अतिरिक्त एस्पी राजीव कुमार ने पंजाब के अधिकारियों को

यह सम्मन जारी किए हैं। इन सभी अधिकारियों को अपने बयान दर्ज करवाने के लिए सोमवार व मंगलवार को सीबीआई के दिल्ली मुख्यालय में पेश होने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को यह सम्मन आबकारी एवं कराधान विभाग के चंडीगढ़ मुख्य कार्यालय के माध्यम से भेजा गया है। पंजाब सरकार की आबकारी नीति को दिल्ली में तैयार करने के आरोप हैं। यह मामला पंजाब विधानसभा में काग्रेस तथा लोकसभा में अकाली दल सांसद हरसिमरत कौर ने उठाया था। पंजाब के आबकारी राज्य में नई आबकारी नीति को लागू करने से पहले कई बार दिल्ली में गए थे और उनकी दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ बैठक भी हुई थी।

दिल्ली के नरेला में प्लास्टिक फैक्टरी में लगी आग, मजदूरों ने भागकर बचाई जान

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। बाहर उत्तरी जिले के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में प्लास्टिक का सामान बनाने की एक फैक्टरी में बीती रात भीषण आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग बुझाई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अगर समय पर आग न बुझ पाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। दमकल विभाग के अनुसार सूचना मिलते ही कर्मचारियों को 10 गाड़ियों के साथ भेजा गया। आग किस वजह से लगी इसका पता



नहीं चल पाया है। घुआं फैलते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। फैक्टरी के मजदूरों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आग इतनी भयंकर थी कि उसने कुछ ही देर में पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाई जा चुकी है।

सरकार जम्मू-कश्मीर में कलाकारों के लिए कदम उठाएगी : पर्यटन सचिव

श्रीनगर (हि.स.)। पर्यटन सचिव सैयद आबिद रशीद शाह ने शनिवार को कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में उभरते कलाकारों को मंच सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। श्रीनगर के सिटी मॉल में दो दिवसीय कला प्रदर्शनी रिफ्लेक्शन का उद्घाटन करने के बाद पर्यटन सचिव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन उभरते कलाकारों के लिए एक शानदार अवसर है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में बहुत सारा इतिहास है। काशी के बाद श्रीनगर देश का दूसरा सबसे पुराना शहर है, हमारा दर्ज इतिहास लगभग 4000 साल पुराना है और यहां कला की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सचिव पर्यटन ने आगे कहा कि इस तरह के आयोजन कलाकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं और प्रतिभाशाली दिमागों को पहचान दे रहे हैं।

प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति इंटरव्यू की वीडियो रिकॉर्डिंग में फजीवाड़ा, जांच का आदेश



कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। अब पता चला है कि प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए एलए एवं इंटरव्यू की वीडियोग्राफी में भी फजीवाड़ा किया गया था। इसे लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गांगुली ने जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने सभी को 2014 प्राथमिक टैट में छह गलत प्रश्नों के लिए अतिरिक्त छह अंक देने का आदेश दिया था। साथ ही जज ने आदेश दिया था कि जो लोग संख्या में वृद्धि के परिणामस्वरूप पात्र होंगे उन्हें 2022 की भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने की

अनुमति दी जानी चाहिए। लेकिन अमना परवीन नाम की अभ्यर्थी ने शिकायत की कि टीईटी पास करने के बाद भी अंक बढ़ने के कारण बोर्ड उन्हें भर्ती प्रक्रिया में भाग नहीं लेने दे रहा है। इस मामले की सुनवाई में बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि इंटरव्यू और एटीयूड टेस्ट के आधार पर अभ्यर्थी को भर्ती प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। इसके बाद जस्टिस गांगुली इंटरव्यू और एटीयूड टेस्ट की वीडियोग्राफी फुटज जांचने को कहा लेकिन वह कोर्ट की भर्ती प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। इसका बाद जस्टिस गांगुली इंटरव्यू और एटीयूड टेस्ट की वीडियोग्राफी फुटज जांचने को कहा लेकिन वह कोर्ट की भर्ती प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। इसका बाद जस्टिस गांगुली इंटरव्यू और एटीयूड टेस्ट की वीडियोग्राफी फुटज जांचने को कहा लेकिन वह कोर्ट की भर्ती प्रक्रिया से बाहर रखा गया है।

बलात्कार केस में दोषमुक्त मिर्ची बाबा भाजपा से आहत, कांग्रेस दफ्तर के बाहर कराया मुंडन

भोपाल, (हि.स.)। दो दिन पहले बलात्कार के मामले में दोषमुक्त मिर्ची बाबा आज (शनिवार) प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सामने पीड़ितों के साथ धरने पर बैठे। इस दौरान मिर्ची बाबा ने बीच सड़क पर मंत्रोच्चार के साथ अपना मुंडन कराया। उन्होंने भाजपा राज में सौंता का अपमान होने का आरोप लगाया। मिर्ची बाबा ने मीडिया से कहा कि सारा देश जानता है वह निर्जनी अखाड़े के महामंडलेधर हैं। इस दौरान बाबा ने मुख्यमंत्री शिवाराज सिंह चौहान पर कई गंभीर आरोप

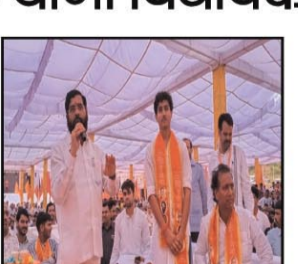


लगाए। मिर्ची बाबा ने कहा, शिवाराज से जनता डरती होगी, उन्हें कोई भय नहीं है। मिर्ची बाबा ने कहा कि

काग्रेस दफ्तर के सामने मुंडन इसलिए कराया क्योंकि यह मेरा घर है। उन्होंने कई बार कमलनाथ की सराहना की। मुख्यमंत्री को पाखंडी कहा। मिर्ची बाबा ने कहा कि वह कांग्रेस का प्रचार करेंगे। कमलनाथ के लिए घर-घर जाकर वोट मांगेंगे। मिर्ची बाबा ने शुक्रवार को महाकाल मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश न करने देने पर कहा कि ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि उन पर कांग्रेस की मुहर लगी है। जब मान ही लिया गया है कि वह काग्रेस समर्थक हैं तो अब डर कैसा।

एकनाथ शिंदे के सामने शिवसेना में शामिल हुए कांग्रेस के बागी विधायक राजेन्द्र गुढ़ा

झुंझुनू, (हि.स.)। अपने बयानों के चलते अक्सर विवादों में रहने वाले पूर्व मंत्री व उदयपुरवाटी से कांग्रेस विधायक राजेन्द्र सिंह गुढ़ा शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना में शामिल हो गये। राजेन्द्र गुढ़ा वर्ष 2018 में बसपा के टिकट पर उदयपुरवाटी विधानसभा सीट से चुनाव जीतने के बाद बसपा के सभी छह बसपा विधायकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने एक साल पहले यहीं पर कहा था कि गुढ़ा के कारण मैं मुख्यमंत्री हूँ, फिर उन्हीं को बर्खास्त कर दिया। एकनाथ शिंदे ने कहा कि गहलोत ने जो किया, उसका जवाब जनता देगी। गुढ़ा ने क्या गलती की। सच्चाई का साथ देना गुनाह है क्या? गुढ़ा ने राजस्थान में खानुफ अत्याचार की ही तो आवाज उठाई थी। शिंदे ने कहा कि गुढ़ा ने मंत्री पद छोड़ा, सच्चाई नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र गुढ़ा का शिवसेना में स्वागत है। राजस्थान की बीरता और महाराष्ट्र की



बीरता का मिलन सुखद है। गुढ़ा जब भी महाराष्ट्र आते थे तो वहां रह रहे राजस्थानियों की चिंता करते थे। महाराष्ट्र में रहने वाले हर राजस्थानी का हम ध्यान रखेंगे। शिंदे ने कहा कि आपकी तरह ही मैंने भी मंत्री पद छोड़ा था। मैंने बाला साहेब के विचारों-आदर्शों के लिए मंत्री पद छोड़ा था। राजेन्द्र गुढ़ा ने सचाई के लिए मंत्री पद छोड़ा। राजस्थान में कानून-व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए। राजस्थान का विकास होना चाहिए। दरअसल, विधायक गुढ़ा ने शनिवार को झुंझुनू जिले के गांवी गुढ़ा में अपने पुत्र शिवम गुढ़ा के जन्मदिन पर एक जनसभा का आयोजन किया था। इस जनसभा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे विशेष रूप से शामिल हुए थे। सभा में शिंदे ने गुढ़ा को शिवसेना का दुपट्टा

पहनकर उनके शिवसेना में शामिल करने की घोषणा की। गुढ़ा इससे पहले बसपा और कांग्रेस में भी रह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि बसपा से कांग्रेस में आने वाले विधायक गुढ़ा ने मंत्री पद पर रहते हुए जुलाई में विधानसभा में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए थे। एक मंत्री के अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने से कांग्रेस की विधानसभा में असहज स्थिति बन गई थी। यह मुद्दा उठाने के बाद गुढ़ा को उसी दिन देर शाम मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया था। मंत्री पद से बर्खास्त होने के बाद गुढ़ा ने विधानसभा में लाल डायरी लहराकर नया विवाद छेड़ दिया था। राजेन्द्र ने विधानसभा में लाल डायरी लहराकर दावा किया था कि यह डायरी आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठोड़ के घर पड़े इनकम टैक्स छापों से पहले लाई गई थी। गुढ़ा ने लाल डायरी को लेकर गहलोत सरकार के खिलाफ लगातार मोर्चा खोल रखा है। गुढ़ा के शिवसेना में शामिल होने की अटकलें दो-चार दिन पहले से ही तेज हो गई थीं। शिवसेना (शिंदे गुट) के राजस्थान प्रांत प्रभारी चंद्रराज सिंघवी ने पोस्ट भी शेयर की थी।

पंजाब पुलिस ने फाजिल्का से पकड़ी 15 किलो हेरोइन

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब पुलिस ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर 15 किलो हेरोइन बरामद करके एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई हेरोइन की कीमत 105 करोड़ के करीब आंकी गई है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ फाजिल्का की एएसएसओसी विंग ने खुफिया अभियान चलाया था। इसी दौरान एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से पुलिस ने 15 किलोग्राम

हेरोइन बरामद की है। तस्कर इस खेप को भूसे से भरी टूली में छिपा कर ले जा रहा था। पकड़ी गई हेरोइन को जांच के लिए लैब में भेज दिया गया है। पिछले 45 दिनों में एएसएसओसी फाजिल्का ने 147 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। तस्कर के खिलाफ पुलिस स्टेशन सदर फाजिल्का में मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डीजीपी ने बताया कि यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह तस्कर पाकिस्तान में किस्के संपर्क में था और भारत में इस हेरोइन को कहा दिया जाना था।

हिमाचल में भूस्खलन से 79 सड़कें बंद, 13 सितम्बर से दोबारा सक्रिय होगा मानसून

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन से अवरुद्ध सड़कों को खोलने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। बीते माह हुई व्यापक वर्षा से जगह-जगह पहाड़ दरकने, चट्टानें गिरने और जमीन धंसने से 700 से अधिक सड़कें बंद हो गई थीं। लोकनिर्माण विभाग ने ज्यादातर सड़कों को बहाल कर लिया है, लेकिन अभी भी 79 सड़कें बंद हैं। 13 सितम्बर से मानसून के एक बार फिर सक्रिय होने से लोगों को बारिश का सामना करना पड़ेगा। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार सुबह तक राज्य भर में दो नेशनल हाइवे सहित 79 सड़कें बंद हैं। वर्षा से सर्वाधिक प्रभावित मंडी जिला में 36 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा कुल्लू में 20, शिमला में 12, सोलन और कांगड़ा में तीन-तीन, हमीरपुर में दो, चम्बा, किन्नौर और सिरमौर में एक-एक सड़क बंद है। कुल्लू जिला में बंजर को आनी से जोड़ने वाला नेशनल हाइवे-305 भी अवरुद्ध है।



हालांकि, इस हाइवे को हल्के वाहनों को खोल दिया गया है। किन्नौर जिला के नुपलसुरी में नेशनल हाइवे-5 सभी तरह के वाहनों के लिए पूरी तरह अवरुद्ध है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 55 बिजली ट्रांसफार्मर और नौ पेयजल परियोजनाएं भी ठप हैं। इनमें मंडी जिला में 47 ट्रांसफार्मर और आठ पेयजल परियोजनाएं बंद पड़ी हैं। इस

मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड हुई है। राजधानी शिमला व आसपास के क्षेत्र में आज सुबह से आसमान बादलों से घिरा है।

मानसून सीजन में अब तक हादसों में 417 मौतें, 39 लापता - हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन में भारी वर्षा, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड से भारी नुकसान हुआ है। मानसून सीजन में अब तक वर्षा से जुड़े हादसों में 417 लोगों की जान गई है और 39 लापता हैं। 408 लोग घायल हुए हैं। भूस्खलन व बाढ़ की चपेट में आने से 144 लोग मारे गए हैं। अन्य वर्षा जनित हादसों में 273 लोगों की मौत हुई। मानसून सीजन में 2560 मकान, 318 दुकानें और 5689 पशुशालाएं पूरी तरह धराशायी हुई हैं। 10896 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। बीते ढाई महीने में राज्य के 164 स्थानों पर भूस्खलन हुआ और 72 स्थानों पर बाढ़ आई। मानसून सीजन में प्रदेश के सरकारी विभागों को 8677 करोड़ का नुकसान आंका गया है।

मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड हुई है। राजधानी शिमला व आसपास के क्षेत्र में आज सुबह से आसमान बादलों से घिरा है।

मानसून सीजन में अब तक हादसों में 417 मौतें, 39 लापता - हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन में भारी वर्षा, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड से भारी नुकसान हुआ है। मानसून सीजन में अब तक वर्षा से जुड़े हादसों में 417 लोगों की जान गई है और 39 लापता हैं। 408 लोग घायल हुए हैं। भूस्खलन व बाढ़ की चपेट में आने से 144 लोग मारे गए हैं। अन्य वर्षा जनित हादसों में 273 लोगों की मौत हुई। मानसून सीजन में 2560 मकान, 318 दुकानें और 5689 पशुशालाएं पूरी तरह धराशायी हुई हैं। 10896 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। बीते ढाई महीने में राज्य के 164 स्थानों पर भूस्खलन हुआ और 72 स्थानों पर बाढ़ आई। मानसून सीजन में प्रदेश के सरकारी विभागों को 8677 करोड़ का नुकसान आंका गया है।

भाजपा ने पूरे प्रदेश को हर तरह से तबाह किया : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश को हर तरह से तबाह और बर्बाद कर दिया है। प्रदेश की मिलीजुली सामाजिक संरचना को बिगाड़ने के साथ यहां के विकास-कार्यों पर भी अवरोध खड़ा कर दिया है। सपा सरकार के समय इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के साथ सुंदरीकरण के जो काम हुए थे उन्हें भी भाजपा सरकार ने चोपट कर दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने कई महानगरों को स्मार्टसिटी बनाने का जो वादा किया था वह वादा भी झूठा निकला। भारत सरकार के मानकों पर खुद राजधानी लखनऊ ही पिछड़ती गई है। स्वच्छ भारत मिशन हो या शिक्षा-स्वास्थ्य की योजनाएं सब में प्रदेश फिसड़ो हो गया है। हॉटल से जल का शोर है पर शहर के तमाम घरों में गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में रोज लाखों मन कूड़ा निकलता है। इसके निस्तारण की कोई सुनियोजित व्यवस्था नहीं हो पाई है। पैसों की बंदरबास्ट का ही केवल खेल चल रहा है। स्मार्ट सिटी के नाम पर जगह-जगह गड्ढों की भरमार है। गड्ढे होने से लोग सड़क हदसों का शिकार हो रहे हैं। हर तरफ यही शिकायत है। सड़क दुर्घटना में आये दिन लोगों की मौतें हो रही हैं। नई बनी सड़कों भी भ्रष्टाचार और बरसात



के कारण उखड़ रही हैं। तमाम क्षेत्रों में जल भराव से लोग परेशान हैं। गड्ढा भरने की कई तारीखें घोषित हो चुकी हैं परन्तु आज तक सिर्फ बयान ही जारी हुए हैं। महानगरों में टैफिक नियंत्रण के निर्देशों का पालन भी नहीं हो रहा है। हर दिन लगने वाले जाम से शहर की यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त होती जा रही है। बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं सभी जाम की समस्या से परेशान हैं। एम्बुलेंस घंटों जाम के कारण फंसी रहती है जिसके कारण मरीजों की कीमती तक हो जाती है। अस्पतालों की भी बुरी दशा है। न डाक्टर मिलते हैं और नहीं दवाई। इलाज के लिए मरीज तीमारदार दोनों भटकते रहे हैं। तमाम निर्देशों के बावजूद समय से एम्बुलेंस न मिल पाने से गर्भवती महिलाओं का सड़क पर ही प्रसव हो जाता है। शव वाहन न मिलने से ठेले पर या रिक्शा-बाइक पर अपने परिवार को

हर अस्पताल के लिए नियुक्त करें नोडल अधिकारी, हर शाम होगा निरीक्षण : मुख्यमंत्री

-इस वर्ष 01 जनवरी से 07 सितम्बर तक जापानी इंसेफेलाइटिस, चिकनगुनिया व मलेरिया से एक भी मृत्यु नहीं

लखनऊ, (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय अंतर्विभागीय बैठक में प्रदेश में संचारी रोगों की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रतिवर्ष अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर में संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अंतर्विभागीय समन्वय के साथ विशेष अभियान संचालित होता है। आगामी अक्टूबर माह से इसका नवीन चरण प्रारंभ होना है। इसमें सरकारी प्रयास के साथ-साथ जनसहभागिता भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारे सामने इंसेफेलाइटिस नियंत्रण और कोविड प्रबंधन के दो सफल मॉडल हैं, जो संचारी रोग अभियान में हमारे लिए उपयोगी होंगे। आज हर जिले में डेगू जांच की सुविधा है। 15 नवम्बर तक का समय संचारी रोगों की दृष्टि से हमारे लिए संवेदनशील है। योगी ने कहा कि हाल के दिनों में गौतमबुद्ध नगर, गजियाबाद, लखनऊ, कानपुर नगर, मेरठ, मुरादाबाद जनपद डेगू से प्रभावित रहे हैं। बुलंदशहर व संबल में डेगू आउटब्रेक की स्थिति भी देखी गई। जबकि बरेली, सीतापुर, शाहजहाँपुर, हारदोई बदायूं, पीलीभीत और संबल में मलेरिया का असर रहा है। इसी तरह, प्रयागराज, कानपुर नगर, बाराबंकी, कुशीनगर, संत कबीरनगर, सहारनपुर व बस्ती में चिकनगुनिया की दृष्टि से संवेदनशील हैं। इन जिलों में विशेष सतर्कता बताने की आवश्यकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में इंसेफेलाइटिस से हजारों बच्चों की मौत होती थी। 50 हजार बच्चों की मौत हुई। 2017 में हमने अंतर्विभागीय समिति बनाई। सभी विभागों ने मिलकर काम किया। अस्पताल बनवाये, पीकू बनवाये, चिकित्सक तैनात किये। साथ-साथ पीने के साफ पानी और शौचालय की व्यवस्था भी कराई। नतीजा इस वर्ष 01 जनवरी से 07 सितम्बर तक जापानी इंसेफेलाइटिस, चिकनगुनिया व मलेरिया से एक भी मृत्यु नहीं हुई है। 04 दशक तक कहर बनी रही बीमारी पर हमने 05 वर्ष में नियंत्रण पा लिया। नियंत्रण के बाद अब हमारा अगला लक्ष्य उन्मूलन है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि कहीं भी हॉटस्पॉट की स्थिति न बनने पाए। यदि कहीं भी ऐसी स्थिति हो तो वहां संबंधित नगर आयुक्त, अधिशाही अधिकारी स्वयं पहुंच कर निरीक्षण करें। अस्पतालों में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। सभी सरकारी व निजी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों में नए रोगियों की नियमित रिपोर्टिंग जरूर हो। प्रदेश के सभी पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों के लिए जिलाधिकारी द्वारा एक-एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए। यह नोडल अधिकारी हर दिन सायंकाल अपने प्रभार के अस्पतालों की जांच कर व्यवस्था सुचारू बनाए रखें। चिकित्सा व स्वास्थ्य व्यवस्था में अराजकता व अव्यवस्था फैलाने की कुत्सित करने वालों से पूरी कठोरता से निपटा जाए। जनपदों में आउटब्रेक की स्थिति पर नियंत्रण हेतु ठोस प्रयास किये जाने आवश्यक हैं। नगर विकास, ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभाग मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु फॉगिंग एवं लावीसाइडल स्प्रे कराई जाए। सुबह सेना-टा-

इजेशन व शाम को फॉगिंग का कार्य निरंतरता के साथ कराए। जल भराव का निस्तारण कराए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई हाई रिस्क क्षेत्रों की सूची में उल्लिखित समस्त क्षेत्रों में सतत वैक्टर नियंत्रण एवं संवेदीकरण गतिविधियां से संचालित का जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा जनपद के समस्त विद्यालयों में नोडल अध्यापकों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का संचारी रोगों के विषय में संवेदीकरण कराया जाए। संचारी रोगों से बचाव के उपाय यथा पूरी अस्तीन की कमीज, फुल लेंथ की पैट इत्यादि का प्रयोग एवं मच्छरों के प्रजनन एवं काटने से बचाव के उपायों के विषय में संवेदीकरण किया जाना चाहिए। किसी क्षेत्र से बुखार प्रभावित छात्रों की सूचना प्राप्त होने पर स्थानीय फ्रंट लाइन वर्कर अथवा चिकित्सा अधिकारी को तत्काल जानकारी उपलब्ध कराई जाए। पशुपालन विभाग द्वारा सभी पशु बाड़ों की नियमित सफाई कराई जाए। पशुओं के पीने हेतु प्रयोग किए जाने वाले पात्रों के पानी में मच्छरों के प्रजनन की संभावना को समाप्त करने हेतु नियमित रूप से इस पानी को बदलना की कार्यवाही आवश्यक है। संचारी

रोग अभियान की सफलता के लिए अंतर्विभागीय समन्वय महत्वपूर्ण आधार है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, मेडिकल एजुकेशन, ग्राम्य विकास, नगर विकास, महिला बाल विकास, कृषि, बेसिक माध्यमिक शिक्षा द्वारा अंतर्विभागीय समन्वय के साथ स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा का ठोस प्रयास किया जाए रोगियों के आवागमन के लिए एम्बुलेंस की पर्याप्त उपलब्धता रहे। एम्बुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रखा जाए। कम्प्यूटिड हेल्थ सर्विसेज को त्वरित आउटब्रेक रिस्पॉन्स के लिए प्रशिक्षण दिया जाए। त्वरित आउटब्रेक रिस्पॉन्स के लिए डिजिटल सर्विलांस डेटा तंत्र का सुदृढीकरण किया जाए। बरसात के दृष्टिगत नालों की सफाई करा ली जाए। सिल्ट जमा न हो, ताकि बारिश में जलभराव न हो। मलिन बस्तियों में साफ-सफाई की अत्याधिक आवश्यकता है। यहां नियमित फॉगिंग भी कराई जाए। सांलिड वेस्ट प्रबंधन के लिए ठोस प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो। लोगों के सामने क्लोरोनेशन डेमो दिया जाए। पानी उबाल कर छान कर पीने की जानकारी दें। क्लोरीन की गोलियां वितरित की जाए।

झारखंड की काजल कुजूर ने थाईलैंड ओपन कराटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

रांची, (हि.स.)। बैंकॉक में आयोजित थाईलैंड ओपन कराटे चैंपियनशिप में भारत और झारखंड का मान बढ़ा है। भारतीय कराटे टीम में शामिल झारखंड की दो खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता है। एलिसन रूपल खाखा ने शुरुआत को कांस्य पदक अपने नाम किया था। एलिसन के बाद शनिवार को काजल कुजूर ने भी कांस्य पदक जीता है। काजल कुजूर ने 14 वर्ष से कम आयु वर्ग और 52 किलो से कम वजन वर्ग



के फाइट में दो देशों (फिलीपींस और थाईलैंड) के खिलाड़ियों को हराकर सेमीफाइनल राउंड में जगह बनायी थी लेकिन सेमीफाइनल में भारत को

मलेरिया ने हरा दिया। काजल के कांस्य पदक जीतने से भारतीय कराटे टीम में खुशी की लहर है। विश्व कराटे संघ के तकनीकी कमेटी के सदस्य हंशु भारत शर्मा, कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष शिहान विजय तिवारी, महासचिव शिहान संजीव जांगड़ा, इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी इमा के अध्यक्ष संसई अनिल किस्मोड़ा, सचिव मोहिनी रिंतिका टोप्यो, राकेश तिरकी अन्य खिलाड़ियों ने काजल को बधाई दी।

मुआवजा और हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए शव के साथ सड़क जाम कर प्रदर्शन

पलामू, (हि.स.)। सतबरवा थाना क्षेत्र के तुवांगड़ा स्थित औरंगा जलाशय योजना के खंडहर से मिले महिला के शव का पोस्टमार्टम रांची रिस्पॉन्स किया गया। शनिवार को शव लेखलीगंज थाना क्षेत्र के कुंदरी लाया गया। शव आने के बाद परिजन और स्थानीय लोगों ने महिला की हत्या का आरोप लगाकर और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर डालटनगंज-पाकी मुख्य पथ पर कुंदरी में सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने पर क्षेत्रीय विधायक डा. शशिभूषण मेहता मौके पर पहुंचे और परिजन और ग्रामीणों का समर्थन करते हुए सड़क जाम में शामिल हुए। बाद में लेखलीगंज थाना प्रभारी गौतम कुमार राय के हस्तक्षेप से जाम हटाया गया। महिला की पहचान कुंदरी निवासी मीना कुंवर के रूप में हुई थी। गत बुधवार को सड़क हालत में शव मिलने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए रांची रिस्पॉन्स भेज दिया गया था। मौके पर विधायक डा. मेहता ने पीड़ित परिवार को अंतिम संस्कार करने के लिए 20 हजार रुपए की आर्थिक

मदद दी। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी से बात कर उचित सरकारी मुआवजा दिलाया का निर्देश दिया। मौके पर उन्होंने कहा कि महिला के पति की मौत एक्सिडेंट में कुछ समय पहले हो गयी थी। महिला एक युवक के साथ बैंक में पैसे निकालने के लिए गयी थी। उसके बाद से लापता हो गयी। महिला का शव दो दिन बाद सड़े गले स्थिति में मिला। उन्होंने कहा कि शव मिलने की घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस महिला के हत्यारों तक नहीं पहुंच पाई है। यह बड़ा ही चिंताजनक है। जिस लड़के के साथ महिला बैंक गयी थी वह भी फरार है। कहीं न कहीं महिला की हत्या में संबंधित युवक की सिलपता है। इस वजह से वह फरार है।

रांची के नए एसएसपी चंदन सिन्हा ने पदभार संभाला

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची के नए एसएसपी चंदन सिन्हा ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। रांची के पूर्व एसएसपी किशोर कौशल ने उन्हें पदभार सौंपा। पदभार संभालने के बाद एसएसपी ने कहा कि संगठित अपराध को रोकना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। वे रांची के 73वें एसएसपी बने हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी में फ्राइम कंट्रोल के साथ ट्रैफिक व्यवस्था पर भी विशेष नजर होगी। हर इलाके के छोटे से बड़े अपराधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। जिलों में तैनात डीएसपी और थानेदार एक टीम के तहत काम करेंगे। साथ ही



कहा कि राजधानी में कई चुनौतियां हैं। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। पुलिस निष्पक्ष, संवेदनशील और अच्छी तरह से कार्य करेगी। विधि व्यवस्था पर ज्यादा ध्यान होगा।

झारखंड हाई कोर्ट ने एनसीबी का आठ साल पुराना फर्जी केस किया निरस्त, याचिकाकर्ता रिहा

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के रांची में दर्ज एक केस को फर्जी बताते हुए निरस्त करके याचिकाकर्ता को तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट के जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट में आज एनसीबी के इस फर्जी केस के मामले में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता मंगा सिंह ने मामले को निरस्त करने का आग्रह करके एक याचिका दायर की थी। कोर्ट के आदेश पर याचिकाकर्ता को जेल से रिहा कर दिया गया है। आठ साल पुराने फर्जी केस में याचिकाकर्ता को जेल में रखने के कारण कोर्ट ने एनसीबी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल को आठ लाख रुपये का मुआवजा याचिकाकर्ता को देने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार



ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि एनसीबी के अधिकारियों ने फर्जी तरीके से मंगा सिंह सहित दो के खिलाफ वर्ष 2015 में रांची में प्राथमिकी दर्ज की थी। एनसीबी ने याचिकाकर्ता को छह अक्टूबर, 2015 को बिहार के गया जिला

महावीरी झंडा शोभायात्रा से पूर्व विधि व्यवस्था को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

रांची, (हि.स.)। फारबिसगंज में रामायण परिषद की स्थापना को लेकर सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से एक सौ साल से अधिक समय से निकलने वाले महावीरी झंडा शोभायात्रा आगामी रविवार को निकाली जाएगी। शहर में निकलने वाली महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस के महेनजर नगर परिषद क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में ए-डीओ, रोजी कुमार, डीएसपी खुशरू सिराज सहित अन्य अधिकारियों के अलावा पुलिस बल मौजूद रहे। आदर्श थाना परिसर से निकली फ्लैग मार्च पटेल चौक, स्टेशन चौक, ज्योति मोड़, सदर रोड, पोस्ट ऑफिस चौक, सुभाष चौक, अस्पताल रोड, लुआपट्टी सहित चौक चौराहे से गुजरते हुए भ्रमण किया। वहीं शहरी क्षेत्र से सटे ग्रामीण इलाके में भी फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने सौम्यदर्पूर्ण और भाईचारागी के साथ शोभायात्रा मिलजुल कर मनाने की अपील की।

पलैग मार्च के जरिए पुलिस व प्रशासन ने शहरवासियों को इस बात का एहसास करा दिया कि अनुमंडल प्रशासन और पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से सभी जगह तैनात रहेगी। खास बात कि महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस को लेकर पुलिस चौकस है। जहां विधि व्यवस्था संधारण को लेकर शहरी क्षेत्र के चालीसे से अधिक स्थानों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, स्टेटिक दंडाधिकारी, जुलूस के समानांतर, आगे व पीछे दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी, जवानों को तैनात किए जाने की जानकारी दी है। इस मौके पर फ्लैग मार्च में एसडीओ रोजी कुमार, डीएसपी खुशरू सिराज, डीएसएलआर अंकिता सिंह, अपर एसडीओ रणजीत कुमार, नप के ईओ संदीप कुमार, बीडीओ संजय कुमार, सीओ संजीव कुमार, एसएचओ आफताब अहमद, दारोगा राजेश भारती, मसकर आलम, रौनक कुमार सहित अन्य पदाधिकारी व पुलिस बल मौजूद थे।

राज्य सरकार की टीम मनरेगा-पीएम आवास योजनाओं की जांच करने के लिए जायेगी पलामू

रांची, (हि.स.)। राज्य सरकार की एक टीम मनरेगा, पीएम आवास योजना ग्रामीण, श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित अन्य ग्रामीण विकास की योजनाओं की जांच के लिए 11 सितंबर से पलामू जिले का दौरा करेगी। मिल रही गड़बड़ियों की शिकायतों के बाद सरकार ने वहां अनुसमर्थन दल को भेजने का फैसला लिया गया है। विभाग की संयुक्त सचिव शैल प्रभा कुजूर के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम पलामू जिले का दौरा करेगी। 14 सितंबर तक पलामू जिले के विभिन्न प्रखंड व पंचायतों में मनरेगा योजना का स्थल निरीक्षण



करेगी। अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों की प्रगति की भी समीक्षा की जायेगी। ग्रामीण विकास विभाग ने टीम के दौरे को देखते हुए जिले के उपयुक्त और उपविकास आयुक्त को पत्र लिखा है और टीम के दौरे के दौरान अधिकारियों-कर्मियों को उपस्थित रहने को कहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सैकड़ों मामलों का आपसी सहमति के आधार पर हुआ निष्पादन

अररिया (हि.स.)। अररिया सिविल कोर्ट परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने मौके पर मौजूद पक्षकारों से दीप प्रज्वलित कर कराया। उद्घाटन के मौके पर जिला विधि सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि कुमार, सभी न्यायिक अधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, डीडीसी और जिला बार एसोसिएशन और एडवोकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी और विभिन्न बैंकों के पदाधिकारी और अन्य अविभागीय के अधिकारी समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ताप्रमाण मौजूद थे। मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी और उसके उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि न्यायालय पर मुकदमों के बोझ को कम करने के लिए छोटे मोटे मामलों की सुनवाई आपसी सहमति के आधार पर की जाती है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत सीधा और सरल माध्यम है, जहां सुलह के आधार पर शांति के साथ मामलों का निष्पादन किया जाता है। उन्होंने कहा कि न्यायालय का काम समाज में शांति



स्थापित किया जाना है और कभी कभी कभी छोटा छोटा मामला बड़ा रूप ले लेता है। जिससे आपसी कलह के साथ समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मुख्य रूप से दंडनीय, शर्मनीय मामले, एनआई एक्ट मामले, मोटर दुर्घटना सूचना रिपोर्ट था राज्य परिवहन मामलों की शामिल किया गया है। वैवाहिक को सुनवाई आपसी सहमति के आधार पर की जाती है। राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर दस बैंच स्थापित किया गया था, जहां न्यायिक अधिकारियों के समक्ष बकीरों के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच सहमति के आधार पर मामलों का निबटारा किया गया।

एसपी और एसडीएम ने सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी में की पूजा अर्चना, महंथ से महावीरी झंडा शोभायात्रा की भी ली जानकारी

अररिया (हि.स.)। एसपी अशोक कुमार सिंह और फारबिसगंज एसडीएम रोजी कुमार फारबिसगंज स्थित सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी पहुंचकर मंदिर में भगवान हनुमान की पूजा अर्चना की। मंदिर के महंथ पंडित कौशल किशोर दुबे ने एसपी और एसडीएम को पूजा अर्चना कराया। दरअसल रामायण परिषद के स्थापना को लेकर एक सौ साल से अधिक समय से हेरक साल महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से निकाला जाता है। अष्टम संकीर्तन और झांकियों के बीच जुलूस में विभिन्न अखाड़ों के हजारों बजरंग बली के भक्त भाग लेते हैं। न केवल शहरी क्षेत्र बल्कि हजारों की संख्या में ग्रामीण इलाके से भी श्रद्धालु ट्रेक्टर पर सवार होकर जय श्री राम, हर हर महादेव, बजरंग बली के नारों के साथ भगवा झंडा थामकर जुलूस में शिरकत करते हैं। शोभायात्रा के माध्यम से भगवान बजरंग बली के प्रतिभा को नगर भ्रमण कराया जाता है और पूरे नगर का भ्रमण करने के बाद पुनः शोभायात्रा सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी में आकर समाप्त होती है। महावीरी झंडा जुलूस को लेकर

अररिया (हि.स.)। एसपी अशोक कुमार सिंह और फारबिसगंज एसडीएम रोजी कुमार फारबिसगंज स्थित सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी पहुंचकर मंदिर में भगवान हनुमान की पूजा अर्चना की। मंदिर के महंथ पंडित कौशल किशोर दुबे ने एसपी और एसडीएम को पूजा अर्चना कराया। दरअसल रामायण परिषद के स्थापना को लेकर एक सौ साल से अधिक समय से हेरक साल महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से निकाला जाता है। अष्टम संकीर्तन और झांकियों के बीच जुलूस में विभिन्न अखाड़ों के हजारों बजरंग बली के भक्त भाग लेते हैं। न केवल शहरी क्षेत्र बल्कि हजारों की संख्या में ग्रामीण इलाके से भी श्रद्धालु ट्रेक्टर पर सवार होकर जय श्री राम, हर हर महादेव, बजरंग बली के नारों के साथ भगवा झंडा थामकर जुलूस में शिरकत करते हैं। शोभायात्रा के माध्यम से भगवान बजरंग बली के प्रतिभा को नगर भ्रमण कराया जाता है और पूरे नगर का भ्रमण करने के बाद पुनः शोभायात्रा सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी में आकर समाप्त होती है। महावीरी झंडा जुलूस को लेकर

एसपी और एसडीएम ने सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी में की पूजा अर्चना, महंथ से महावीरी झंडा शोभायात्रा की भी ली जानकारी

अररिया (हि.स.)। एसपी अशोक कुमार सिंह और फारबिसगंज एसडीएम रोजी कुमार फारबिसगंज स्थित सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी पहुंचकर मंदिर में भगवान हनुमान की पूजा अर्चना की। मंदिर के महंथ पंडित कौशल किशोर दुबे ने एसपी और एसडीएम को पूजा अर्चना कराया। दरअसल रामायण परिषद के स्थापना को लेकर एक सौ साल से अधिक समय से हेरक साल महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से निकाला जाता है। अष्टम संकीर्तन और झांकियों के बीच जुलूस में विभिन्न अखाड़ों के हजारों बजरंग बली के भक्त भाग लेते हैं। न केवल शहरी क्षेत्र बल्कि हजारों की संख्या में ग्रामीण इलाके से भी श्रद्धालु ट्रेक्टर पर सवार होकर जय श्री राम, हर हर महादेव, बजरंग बली के नारों के साथ भगवा झंडा थामकर जुलूस में शिरकत करते हैं। शोभायात्रा के माध्यम से भगवान बजरंग बली के प्रतिभा को नगर भ्रमण कराया जाता है और पूरे नगर का भ्रमण करने के बाद पुनः शोभायात्रा सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी में आकर समाप्त होती है। महावीरी झंडा जुलूस को लेकर



अररिया एसपी अशोक कुमार सिंह और एसडीएम रोजी कुमार ने मंदिर के महंथ सहित मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जायसवाल, किमी आनंद से शोभायात्रा को लेकर जानकारी ली। उन्होंने शांतिपूर्ण ढंग से शोभायात्रा जुलूस संपन्न कराने के लिए कई आवश्यक दिशा निर्देश मौके पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को दिए। मौके पर मौजूद एसपी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि महावीरी झंडा शोभायात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारी पूरी करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थानों सहित जुलूस मार्ग पुलिस अधिकारी, बलों के साथ साथ मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है। संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया गया है। जुलूस सहित उक्त चिन्हित स्थानों पर सादे ड्रेस में भी पुलिस अधिकारियों की तैनाती की बात कही। साथ ही उपद्रवियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों के साथ वीडियोग्राफी कराये जाने की बात कही। फारबिसगंज एसडीएम रोजी कुमार ने भी विधि व्यवस्था मजबूत करने की बात कही। उन्होंने कहा कि शांति समिति के साथ साथ अधिकांशों के साथ भी मीटिंग कर सभी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। शांतिपूर्ण ढंग से शोभायात्रा सम्पन्न कराने के लिए उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों के साथ साथ शांति समिति के सदस्यों और विभिन्न मंदिरों और अखाड़े के हेड की भी जिम्मेवारी करार दिया।

संपादकीय

भारत का जी-20

राजधानी नई दिल्ली ‘अभेद्य दुर्ग’ बनी है और दुल्हन तो तरह सजी-धजी भी है। भारत के लिए ये ऐतिहासिक क्षण हैं। जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन का शंखनाद आज होना है। लगभग सभी राष्ट्र्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री भारत के आंगन में पहुंच चुके हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के तौर पर जोसेफ बाइडेन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक पहली बार भारत आए हैं। करीब 10,000 विदेशी मेहमान भारतीय आतिथ्य का आनंद लेगे। मोटे अनाज के पकवान और मिष्ठाननों का लुफ उड़ाएंगे। जी-20 महज एक भू-राजनीतिक और आर्थिक विकास का मंच नहीं है। यह ऐसा जी-20 सम्मेलन है, जिससे भारत ‘विश्व-मित्रों’ की जमात में आ गया है। अब वैश्विक नेताओं के सामने भारत की क्षमता, ताकत और सांस्कृतिक विरासत के अध्याय खुले हैं। वै आकलन और विश्लेषण कर सकते हैं। भारत ने अपने विदेशी अतिथियों का स्वागत सांस्कृतिक विनम्रता के साथ किया है। हमारे देवी–देवताओं के कल्पना-चित्र, प्राणी–संसार, कलाकृतियां, सांस्कृतिक धरोहरों, नृत्य, झरने और सभास्थल ‘भारत मंडपम’ के प्रवेश-द्वार पर भावान नटराज की अद्भुत प्रतिमा की उपस्थिति बेहद कलात्मक लगती है। भारत के रोम–रोम में कला, संस्कृति और संस्कार बसे हैं। नई दिल्ली किसी विशाल बाग में बसा शहर लग रही है। जमीन से आसमान तक ऐसे सुरक्षा–धरे तैनात किए गए हैं, जो ‘चक्रव्यूह’ का एहसास कराते हैं। हमारे प्रिय अतिथियों को पल भर की बेचैनी, असुरक्षा, असुविधा न हो, लिहाजा राफेल, मिराज सरीखे लड़ाकू विमान, कम दूरी की मिसाइलें, एंटी ड्रोन सिस्टम, एयर डिफेंस सिस्टम और जासूस हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। जमीन पर करीब 1.30 लाख पुलिसकर्मी, अद्र्धसैनिक बलों के जवान, सैनिक और कमांडोज को देखकर लगता है मानो भारत किसी ‘युद्धक्षेत्र’ में मौजूद है। बहरहाल जी–20 शिखर सम्मेलन से यह भ्रम टूटता दिखाई देगा कि यह सिर्फ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है, क्योंकि अपनी अध्यक्षता में भारत का आग्रह है कि आर्थिक विकास में पिछड़े ‘अफ्रीकी संघ’ को भी जी–20 में शामिल किया जाए। विकसित, विकासशील और तीसरी दुनिया के एक साथ, एक मंच पर आने से विकास को समग्रता मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी का विचार है कि अर्थव्यवस्था जीडीपी के बजाय मानव-केंद्रित होनी चाहिए, तभी वैश्विक विकास और भाईचारा संभव है। अमरीकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भारत के संकल्प को ही ‘जी-20 का विजन’ स्वीकार किया है। वैश्विक राष्ट्र्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री और विशेषज्ञ जिस एजेंडे पर विमर्श करेंगे, उसमें खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा-संकट और स्वच्छ ऊर्जा, विश्व-व्यवस्था, विकास, जलवायु परिवर्तन, महामारी, रोजगार, सफ़ाई चैन, आतंकवाद, हरित पर्यटन, ग्लोबल साउथ, प्रौद्योगिकी हस्तंतरण आदि मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। दरअसल यह एजेंडा भारत ने ही तैयार किया है, जिस पर जी-20 के मंच पर विमर्श किया जाएगा। यह भारत का ही जी-20 है, क्योंकि यह सम्मेलन भारत की चौरतफ़ा समृद्धि का सत्यापन भी है। यह आकलन भी सामने आया है कि विमर्श के दौरान सभी देश 200 अरब डॉलर के आपसी कारोबार और औद्योगिक समन्वय का लक्ष्य तय करेंगे। अब भी दुनिया का करीब 75 फ़ीसदी व्यापार जी-20 के देश ही करते हैं। भारत का विश्व-मंच पर उभार भी बढ़ेगा। ताकतवर देशों के साथ हमारी साझेदारी बढ़ेगी, तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत को गढ़ बना कर अपने प्लांट शुरू करेंगी। उत्पादन नहीं होगा, तो रोजगार भी नहीं बढ़ेगा। अमरीका भारत में 6 परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की ओर बढ़ रहा है। पीट्रेंट ड्रॉन के खरीदने और भारत में ही उसका उत्पादन-केंद्र बनाने की बात अंतिम दौर में है। इसरो और नासा मिलकर रणनीतिक फ़्रेमवर्क और मिशन तय करेंगे। फ़्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी समेत कई और देशों के भारत के साथ काम करने के अपने-अपने लक्ष्य हैं। गौरतलब यह है कि भारत जनवरी, 2024 के ‘गणतंत्र दिवस’ के मौके पर अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया सरीखे ‘क्वाड’ के साथी देशों को आमंत्रित करना चाहता है, ताकि चीन को कड़ा संदेश दिया जा सके।

कुछ अलग

आपके स्वागत के लिए

यह नया हिमाचल है जो गिर कर संभलने का दस्तूर जानता है। आपदा के बीच ग्रहण लगी आर्थिकी को ढाँसक बंधाता, उसे परटे पर लाने के लिए हिमाचल सरकार ने फिर से ‘बांका हिमाचल’ का संदेश देना शुरू किया है। सोशल मीडिया पर निकले हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखचिंदर सुक्ख् ने बाकायदा पर्यटकों से सीधा पापता कायम करते हुए इस बात की गारंटी दी है कि प्रदेश ने फिर से अपनी खासियत को बरकरार रखते हुए, मनोरंजन की राहों को दुरुस्त किया है। सरकार ने अगले कुछ महीनों के पर्यटन कैलेंडर में कई गतिविधियों के सुजन करने की ठानी है। यानी हालात को फिर से रौनक का इंतखाब करने की स्थिति तक पहुंचा कर हिमाचल न केवल अंदरूनी तौर पर सुदृढ़ हो रहा है, बल्कि बाहरी जगत को दाव से कह रहा है कि हम आपके स्वागत के लिए तैयार हैं। इस बरसात में बहुत ख़ोया है हिमाचल के और। अगर पर्यटन तथा पर्यटन के जरिए हुए नुक़सान का आकलन करें तो कमाई के पंद्रह सौ करोड़ तो यूँ ही बह गए जबकि इससे जुड़े बाकी सारे अध्याय अपनी-अपनी हानि का सदमा लिए संघर्षरत हैं। आपदा के बीच और आपदा के बाद केवल मनोबल ही नहीं, आत्मचिंतन और जीने का तसव्वुर सारी राहों को सुनिश्चित करता है। अगर मुख्यमंत्री खुद सामने आकर बता रहे हैं कि प्रदेश अब पर्यटन के लायक है, तो यह आगे बढ़ने का ऐसा मील पत्थर है जिसे सरकार अपना नाम देना चाहती है। यह एक तरह से पर्यटन को प्रश्रय देने की मुहिम है जो देश को बता रही है कि हिमाचल के लिए अब डेस्टिनेशन होने का अर्थ क्या है, लेकिन प्रदेश के भीतर भी तो पर्यटन को संबोधित करने की जरूरत है। हिमाचल पर्यटन को अपने पाटनरशिप में इंटेल मालिकों, टैक्सि व टूअर अपरेटोरों, ढाबा मालिकों तथा पूरी ट्रेवल इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए एक समन्वित व वस्थयी बोर्ड का गठन करना चाहिए, जिसके तहत पूरी इंडस्ट्री के प्रबंधन की एक पद्धति विकसित करने के साथ सहयोग व सामंजस्य की परिपाटी बनानी होगी। प्रदेश में पांच करोड़ पर्यटकों का नारा हिमाचल का शायद ही भला करेगा, बल्कि तमाम उपलब्ध सुविधाओं के लिए जी का जंजाल बन सकता है। जिस प्रदेश में पहले ही बाइस लाख पंजीकृत वाहन सत्तर लाख लोगों की परिवहन सेवाओं को पूरा करते हैं, तो पांच करोड़ सैलानियों की मांग में वाहनों की संख्या सात गुना बढ़ जाएगी। यानी वर्तमान बाइस लाख को इसी तुलना में आगे बढ़ाना होगा तो पांच करोड़ पर्यटकों के लिए ही करीब डेढ़ करोड़ वाहन अतिरिक्त रूप से बढ़ जाएंगे। क्या उस स्थिति में हिमाचल अपने राज्य में पंजीकृत वाहनों के अलावा डेढ़ करोड़ वाहनों की पाकिंग का प्रबंध कर पाएगा। हिमाचल को तलाश होनी चाहिए एक ऐसे पर्यटकों का जो प्रदेश में ज्यादा व्यय करत हुआ उपलब्ध आधोसंचना का कम से कम हफ्ता भर उपयोग करे। इस तरह अगर एक करोड़ हाई एंड टूरिस्ट हिमाचल आने के लिए एक हफ्ते का कार्यक्रम बनाएं, तो व्यावहारिक दृष्टि से बह सात करोड़ पर्यटक टिवसों का सुजन करेगे।

पार्टी के आंतरिक सर्वे में करीब 16 सीटें ऐसी मिली हैं, जहां पर पार्टी की स्थिति अत्यंत कमजोर है

उत्तर प्रदेश की दर्जन भर लोकसभा सीटों ने बढ़ा रखी है भाजपा नेतृत्व की टेंशन

भारतीय जनता पार्टी के नेता भले ही सार्वजनिक रूप से अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा कर रहे हों, लेकिन अंदर खाने की खबर यही है कि फिलहाल बीजेपी आलाकमान 68-70 सीटों से आगे जीत का अनुमान नहीं लगा पा रहा है। बीजेपी मुस्लिम बाहुल्य कुछ सीटों पर हमेशा से कमजोर रही है तो कई मौजूदा सांसद जनता के बीच अपनी खराब छवि के चलते पार्टी के लिए बोझ बन गए हैं। अब आलाकमान को यह तय करना है कि ऐसे सांसदों का क्या किए जाये जो इस बार बीजेपी के लिए जीत की गारंटी नहीं रह गए हैं। यह सब बातें बीजेपी के आंतरिक सर्वे में भी सामने आ चुकी हैं। इसीलिए पार्टी ने कुछ लोकसभा सीटों के प्रत्याशी बदलने का भी मन बना लिया है।

सूत्र बताते हैं कि पार्टी के आंतरिक सर्वे में करीब 16 सीटें ऐसी मिली हैं, जहां पर पार्टी की स्थिति अत्यंत कमजोर है। इन सीटों पर जीत के लिए पार्टी को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अच्छी बात यह कि इन सीटों पर भी बीजेपी हार की संभावना के बीच भी लड़ती हुई नजर आयेगी। पार्टी के भीतर कुछ सांसदो का टिकट काटे जाने की चर्चा शुरू होते ही उन सांसदों ने दिल्ली से लेकर लखनऊ तक में बैठे अपने आकाओं के यहां दौड़ लगाना शुरू कर दिया है, जिनकी टिकट बंटवारे में अहम भूमिका रहती है। लेकिन बीजेपी आलाकमान इन सब बातों को अनदेखा करते हुए मिशन 80 पूरा करने में लगा है। उत्तर प्रदेश में मिशन 2024 के तहत पार्टी सभी 80 सीटों पर जीत की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा की कोशिश सहयोगी दलों से बेहतर समन्वय स्थापित कर चुनावी मैदान में उतरने की है। टिकट बंटवारे के समय एनडीए के सहयोगियों के बीच में किसी प्रकार की खींचतान का न होना, इस बार सकारात्मक संदेश दे रहा है।

दूसरी तरफ, विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में सीटों को लेकर दावेदारी बढ़ने लगी है। बीजेपी इस बात से भी खुश है कि बसपा सुप्रीमो मायावती विपक्षी गठबंधन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती दिख रही है। बसपा के उम्मीदवार चुनावी मैदान में किसी भी दल के प्रत्याशी का खेल ऊपर-नीचे कर सकते हैं। मायावती का चुनावी मैदान में उतरना विपक्षी गठबंधन के लिए किसी भी स्थिति में सही नहीं होगा। विपक्ष मान रहा है कि

स्टालिन का बयान और विपक्ष की स्थिति

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के खान्ते का बयान देकर पहले से ही आपसी आरोप-प्रत्यारोपों के झंझावातों से जुड़ा रही विपक्षी एकता के लिए नया संकट पैदा कर दिया है। हालत यह है कि विपक्षी दलों के लिए उदयनिधि का यह बयान न उगलते बन रहा है, न ही निगलते। विपक्षी दल इस मुद्दे पर साफ प्रतिक्रिया जाहिर करने के बजाय कन्नी काट रहे हैं। विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर हिन्दू वोट बैंक के नाराज होने का खतरा है, वहीं जगजिहिर है तमिलनाडु के राजनीतिक दलों के प्रमुख मुद्दे जाति, धर्म और भाषा के मुद्दे रहे हैं। मौजूदा सत्तारूढ़ दल डीएमके हो या प्रमुख विपक्षी दल एआईएडीएमके, इनकी राजनीतिक नींव ही धर्म और सम्प्रदाय के विरोध के आधार पर पड़ी है। उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू के बुखार से करत हुए कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि खत्म किया जाना चाहिए। विपक्षी दलों की मुंबई में हुई बैठक में तीसरी बैठक में संचालन समिति के गठन का मुद्दा ही तय हो पाया। इंडिया गठबंधन दल अन्य मुद्दों पर कोई एकराय कायम करते, इससे पहले उदयनिधि का बयान उनके लिए मुसीबत बन गया है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर असहमति जताई। उन्होंने कहा कि ये उदयनिधि के बयान से सहमत नहीं हैं।

सीएम ममता ने उदयनिधि को इस तरह के बयान से बचने की सलाह देते हुए कहा कि मैं तमिलनाडु के लोगों का बहुत सम्मान करती हूं, लेकिन उनसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि हर धर्म की अपनी अलग-अलग भावनाएं होती हैं। हमें ऐसे किसी भी मामले में शामिल नहीं होना चाहिए जिससे किसी भी वर्ग को ठेस पहुंचे। इस मुद्दे पर सबसे ज्यादा फजीहत कांग्रेस की हो रही है। कांग्रेस में इस मुद्दे पर नेताओं ने अलग-अलग राय जाहिर की है। पार्टी सांसद कार्तिचिंदरम ने कहा कि वह डीएमके के मंत्री के बयान का पूरी तरह से समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि उदयनिधि स्टालिन ने अपने भाषण में बस इतना कहा कि जातिवादी समाज को खत्म किया जाना चाहिए। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि कोई भी धर्म जो समान अधिकार नहीं देता है या आपके साथ इनसानों जैसा व्यवहार नहीं करता है, वह बीमारी के समान है। इसके विपरीत कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी वेणुगोपाल ने कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है। सर्वधर्म समभाव कांग्रेस की विचारधारा है, लेकिन आपको यह समझना होगा कि हर राजनीतिक दल को अपने विचार रखने

दृष्टिकोण

समाज सेवा का फायदा

एक बार मिली जिंदगी में समाज सेवा नहीं की तो कुछ नहीं किया। समाज सेवा जीवन में नए रस और रंग पर देती है। अकेले शायद कभी न की हो, समूह में दूसरों की सेवा करने के लिए तैयार हो जाते हैं। समाज सेवा के अनेक निजी फायदे भी हैं। समाज के जिन मनपसंद, खास लोगों से मिलना मुश्किल नहीं हो पाता, सेवा के बहाने उनसे मिल सकते हैं, उनके साथ उठना, बैठना, खाना-पीना हो सकता है। उनकी खूबसूरत सोहबत में सार्वजनिक आयोजनों में हिस्सा लेने का मौका मिलता है। पार्टियां होती हैं। नए आकर्षक वस्त्र खरीदने की प्रेरणा मिलती है। जिंदगी के सबसे यादगार बर्दिया हमेश चित्र समाज सेवा के आंगन में खिंचते हैं। स्वाभाविक है सेवा का मेवा अच्छा ही लगता है। प्रसिद्ध क्लब की स्थानीय शाखा की नई अध्यक्ष ने पहली बैठक में, समाजिक प्रभाव बढ़ाने हेतु बहुत



आमने-सामने का मुकाबला हो तभी भाजपा को हराना संभव हो पाएगा। ऐसे में विपक्ष को एक पाले में लाना होगा। वहीं, भाजपा 50 फीसदी से अधिक वोट शेयर हासिल करने के लिए लोकसभा क्षेत्रवार अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गई है। भाजपा का पहला लक्ष्य 2014 में जीती हुई सीटों को वापस हासिल करना है। वर्ष 2014 में भाजपा ने 71 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, सहयोगी अपना दल-एस को 2 सीटों पर जीत मिली थी। उस चुनाव में समाजवादी पार्टी को 5 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली थीं। लेकिन, 2019 के चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन के कारण बसपा के सीटों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। कांग्रेस एक सीट पर सिमटी। सपा ने एक बार फिर 5 सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा के सीटों की संख्या घटकर 62 रह गई। अपना दल-एस ने अपने 2 सीटों के आंकड़े को बरकरार रखा।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा यूपी की हारी हुई सीटों को रेड जोन में रखा है। साथ ही, जिन सीटों पर सांसदों का परफॉर्मेंस खराब है, उसे भी रेड जोन में रखते हुए तैयारियां चल रही हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने तय किया है कि उसके आदेशों को अनदेखा करके ही सांसद अभी तक अपनी छवि सुधारने में नहीं जुटे हैं। ऐसे बेपरवाह रहने वाले सांसदों का टिकट इस बार कट सकता है। वैसे कुछ संदे नेतृत्व के निर्देशानुसार टिकट कटने की स्थिति से बचने के लिए क्षेत्र में अपनी छवि चमकाने की कवायद में जुट गए हैं।

इस बार भाजपा के अंदरूनी सर्वे में वर्ष 2019 के चुनाव में जीती गई फिरोजाबाद, बदायूं और इटावा जैसी लोकसभा सीटों



लाईस में धार्मिक भावनाएं आहत होने की शिकायत की है। भारत की 262 प्रतिष्ठित हरितियों ने मुख्य न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर उदयनिधि मामले में स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। चिट्ठी में लिखा है कि उदयनिधि स्टालिन की ओर से दिए गए नफरत परं भाषण का स्वतः संज्ञान लिया जाए, जो सांप्रदायिक वैमनस्य और सांप्रदायिक हिंसा को भड़का सकता है। इन हरितियों में उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और नौकरशाह शामिल हैं। इन तमाम विरोधभासी गटों के बावजूद उदयनिधि स्टालिन अपने बयान पर अड़े हुए हैं। इससे देश में नया राजनीतिक विवाद जारी है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के लिए स्टालिन का यह बयान किसी मुसीबत से कम साबित नहीं हो रहा है। विपक्षी दलों पर विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय के कारण वोट बैंक के धुरीीकरण का खतरा पहले से ही मंडरा रहा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया कांग्रेस, टीएमसी, आप और वामदलों के आपसी आरोप-प्रत्यारोपों के बीच जैसे-तैसे एकता की कवायद में जुट हुआ है। स्टालिन के इस बयान से इस एकता के प्रयासों को झटका लगा है। निश्चित तौर पर देश की बहुसंख्यक आबादी की भावनाओं को प्रभावित करने वाले इस तरह के संवेदनशील बयानों से गठबंधन की मुसीबतें और बढ़ेंगी। इंडिया के घटक दलों ने यदि इस तरह के बयानों से क्षेत्रीय वोट बैंक को मजबूत करने के प्रयास नहीं छोड़े तो एकता में दिखाई दे रही दरारों को भरना मुश्किल होगा।

को सबसे मुश्किल श्रेणी में मं रखा गया है। इसी तर भले ही भाजपा ने रामपुर और आजमगढ़ उप चुनाव में जीत हासिल की हो, लेकिन दोनों सीटों पर अभी भी बीजेपी जीत का दावा करने की स्थिति में नहीं हैं। इन सीटों पर जीत हासिल करने के लिए विशेष तौर पर रणनीति तैयार की जा रही है। बात पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कि जाए तो यहां की मुरादाबाद, संभल, रामपुर, नगीना, बिजनौर, बदायूं, फिरोजाबाद, इटावा और मैनपुरी सीटों को जीतने के लिए पार्टी द्वारा विशेष प्रयास किया जा रहा है। वहीं, पूर्वी यूपी की आजमगढ़, घोसी, लालगंज, गाजीपुर, जौनपुर, श्रावस्ती और अंबेडकरनगर जैसी सीटें भी भाजपा की चिंता बढ़ा रही हैं। वर्ष 2014 में भाजपा ने मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अंबेडकर नगर, नगीना, गाजीपुर, घोसी और लालगंज में जीत हासिल की। भाजपा की कोशिश इन सीटों को फिर से जीतने की है।

वहीं, 2019 में बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, रायबरेली, घोसी, लालगंज, जौनपुर, अंबेडकर नगर, गाजीपुर, श्रावस्ती, मैनपुरी, सहारनपुर, आजमगढ़, रामपुर और नगीना में मिली हार को जीत में बदलने की भी कोशिश होगी। खैर, बात मीडिया सर्वे के आधार पर लोकसभा चुनाव में हार-जीत की कि जाए तो टाइम्स नवभारत और इंडीसी के सर्वे के अनुसार एनडीए गठबंधन को 69-73 सीटों पर जीत मिलते नजर आ रही है। जिसका मतलब यह है कि अगर वर्तमान में लोकसभा चुनाव कराए जाएं तो यूपी में एनडीए को 70 से ज्यादा सीटें जीतने को मिल सकती हैं। वहीं इंडिया गठबंधन जिसमें समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर देखे जा रहे हैं उसे सिर्फ 5 से 9 सीटें ही मिल रही हैं।

वहीं बसपा को शुन्य से एक सीट पर जीत मिल सकती है और अन्य के खाते में 1 से 3 सीट जाते हुए नजर आ रही है। फिलहाल इस सर्वे की सबसे बड़ी बात यह है कि 70 से ज्यादा सीटें बीजेपी के खाते में जा रही है, वहीं समाजवादी पार्टी का गठबंधन अपना पिछला आंकड़ा भी नहीं छू पा रहा है। सर्वे के अनुसार वोट शेयर की बात करें तो एनडीए को 51.2 प्रतिशत वोट शेयर, इंडिया गठबंधन को 38.2 प्रतिशत वोट शेयर, बसपा को 6.4 प्रतिशत वोट शेयर और अन्य के खाते में 4.2 प्रतिशत वोट शेयर जा रहे हैं।

देश दुनिया से

किसी भी समस्या का

समाधान नहीं है आत्महत्या

के प्रति जागरूक करने के लिए दुनिया भर में हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में अकेलेपन, अवसाद और आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। यह समस्या एक महामारी का रूप धारण कर रही है। लोग बहुत सी वजहों से आत्महत्या करते हैं। अगर समय पर पेशेवर सहायता मिल जाए या दोस्त, परिवार वाले समय पर मदद करें तो आत्महत्या के मामले कम किए जा सकते हैं। पिछले साल दुनिया में 8 लाख लोगों ने आत्महत्या की। हमारे देश में 16433 लोगों ने आत्महत्या करके अपनी जान गंवाई। दुनिया में हर साल 10 लाख लोग आत्महत्या से जान गंवाते हैं, जो युद्ध या अन्य हिंसक घटनाओं से मरने वालों का लगभग 50 फीसदी है। इसीलिए आत्महत्या के प्रति जागरूक करने के लिए दुनिया भर में हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। भारत में अब भी आत्महत्या

को लेकर जागरूकता की कमी है और सरकार की तरफ से इस ओर बहुत ध्यान देने की जरूरत है। इस दिवस को मनाने का महत्व यह है कि दुनिया में हर साल 10 लाख लोग आत्महत्या करके अपनी जान गंवांई। दुनिया में हर साल 10 लाख लोग आत्महत्या से जान गंवाते हैं, जो युद्ध या अन्य हिंसक घटनाओं से मरने वालों का लगभग 50 फीसदी है। इसीलिए आत्महत्या के प्रति जागरूक करने के लिए दुनिया भर में हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। भारत में अब भी आत्महत्या रोकथाम को लेकर जागरूकता की कमी है और सरकार की तरफ से इस ओर बहुत ध्यान देने की जरूरत है। इस दिवस को मनाने का महत्व यह है कि दुनिया में आत्महत्या की बढ़ती संख्या को रोकने और इसके प्रति लोगों को और जागरूक करने के लिए वर्ष 2003 से ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम संघ द्वारा 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। भारत में अब भी आत्महत्या रोकथाम को लेकर जागरूकता की कमी है और सरकार की तरफ से इस ओर बहुत ध्यान देने की जरूरत है। इस दिवस को मनाने का महत्व यह है कि दुनिया में आत्महत्या की बढ़ती संख्या को रोकने और इसके प्रति लोगों को और जागरूक करने के लिए वर्ष 2003 से ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम संघ द्वारा 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है।

महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह कहना मुश्किल है कि कौनसा कारक किसी मनुष्य को आत्महत्या के लिए प्रेरित करता है, परंतु बहुत से कारक हैं जो किसी व्यक्ति को अपनी जीवन लीला को खत्म करने के लिए लेने में सहायक हैं, जैसे कि कुछ घटनाओं और परिस्थितियों में जोंखिम बढ़ सकता है, पिछले आत्महत्या के प्रयास, मनोविकार घटक, साधनों तक पहुंच (जैसे हथियार या धारदार वस्त्र)। दुनिया में हर साल 10 लाख लोग आत्महत्या करके अपनी जान गंवांई। दुनिया में हर साल 10 लाख लोग आत्महत्या से जान गंवाते हैं, जो युद्ध या अन्य हिंसक घटनाओं से मरने वालों का लगभग 50 फीसदी है। इसीलिए आत्महत्या के प्रति जागरूक करने के लिए वर्ष 2003 से ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम संघ द्वारा 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है।

^[1] आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है



दुनियाभर में सस्टेनेबल ट्रेवलिंग का ट्रेंड बढ़ा: कार्बन फुटप्रिंट घटाने की नई कोशिश; जापान, रोम, ईस्ट अफ्रीका के शहरों में ज्यादा लगेज पर बैन

लंदन। लंदन आमतौर पर भारतीय लोगों की आदत होती है कि कम दूरी या कम दिनों के सफर में भी वे अपने साथ ढेर सारा लगेज लेकर चलते हैं। खासतौर पर ट्रेनों में इस तरह के नजारे आम होते हैं। एयरलाइंस में ज्यादा वजन पर चार्ज लगाने की वजह से लोग सीमित वजन ले जाते हैं लेकिन वहां पर भी लगभग अधिकतम सीमा तो छू ही लेते हैं। लेकिन दुनियाभर में अब सस्टेनेबल ट्रेवलिंग का चलन बढ़ रहा है और यात्रियों को कम से कम लगेज के साथ सफर करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दुनिया के कुछ फेमस पर्यटन स्थल कुछ प्रकार के लगेज पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। हो सकता है कि कुछ समय बाद भारी-भरकम सूटकेस और लगेज लेकर यात्रा करना अतीत की बात हो जाए। आखिरकार, कम पैकिंग करके, हम कम कार्बन उत्सर्जन तो कम करते ही हैं, अपने ट्रेवल फुटप्रिंट को भी कम करते हैं, साथ ही ज्यादा सुविधाजनक और व्यवस्थित तरीके से घूमने में सक्षम बनाते हैं।

कुदरती तबाही ने सस्टेनेबल टूरिज्म की जरूरत पर बल दिया

भारत के कई टूरिस्ट स्पॉट्स पर सैलानियों की भीड़-भाड़ ने पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया है। हाल ही में हिमालय और उत्तराखंड में कुदरती तबाही ने सस्टेनेबल टूरिज्म की जरूरत पर बल

दिया है। दुनिया में और भी स्थान हैं जहां जाने से पहले आपको अपने लगेज पर दोबारा ध्यान देने की जरूरत हो सकती है।

दुनियाभर में अलग-अलग तरीके से हो रहे हैं प्रयास

दुनिया के कई देशों में अलग-अलग तरीकों से सस्टेनेबल टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। रोम का वेनिस वहील वाले सूटकेस पर प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का पहला शहर है। क्रोएशिया के डुब्रोवनिक् शहर ने भी यह लागू कर दिया है।

ईस्ट अफ्रीका के केन्या, तंजानिया और यूगांडा में भी टूर ऑपरेटर्स सैलानियों को सफारी के लिए कम से कम लगेज लाने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। स्विटजरलैंड, में आल्प्स की पहाड़ियों के साथ ही फ्रांस और ऑस्ट्रिया में रिसोर्ट लोगों को विंटर स्पोर्ट्स के उपकरण किराये पर उपलब्ध कराते हैं।

न्यूज़बीफ

बिलावल की मांग- 90 नहीं तो 120 दिनों के भीतर देश में कराए जाएं आम चुनाव; इमरान खान पर भी साधा निशाना

इस्लामाबाद। नेशनल असेंबली को नौ अगस्त को भंग कर दिया गया था। इसके बाद भंग होने के बाद 90 दिनों के भीतर आम चुनाव होने के खबर के मुताबिक, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी पार्टी आगामी आम चुनाव में भाग लेने के लिए तैयार है। बिलावल ने कहा, 90 दिनों के भीतर चुनाव तुरंत कराए जाने चाहिए, यदि नहीं तो 120 दिनों के भीतर। शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के पिछले महीने अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पीपीपी ने आम चुनावों में किसी भी तरह की देरी का विरोध किया है। उनका यह बयान पाकिस्तान के चुनाव आयोग की इस घोषणा के एक हप्ते बाद आया है कि निर्वाचन क्षेत्रों के परिशिष्टन को 30 नवंबर तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा, ताकि चुनाव जल्द से जल्द हो सकें। पिछली सरकार ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से कुछ दिन पहले घोषणा की थी कि चुनाव केवल तभी हो सकते हैं जब नई जनगणना पूरी हो जाए और निर्वाचन क्षेत्र की नई सीमाएं खींची जाएं। पीपीपी गठबंधन सहयोगी थी। इस कदम से यह आशंका पैदा हो गई है कि 90 दिनों के भीतर होने वाले चुनाव में अगले साल तक की देरी हो सकती है क्योंकि परिशिष्टन प्रक्रिया को पूरा होने में लगभग चार महीने लगेंगे। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि परिशिष्टन प्रक्रिया के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए आम चुनाव की तारीख की घोषणा की जाएगी। सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी आम चुनाव की तारीख की घोषणा करने पर विचार कर रहे हैं और वह अपने कानूनी सलाहकारों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद तारीख का खुलासा कर सकते हैं। खबर में कहा गया है कि राष्ट्रपति अल्वी ईसीपी को एक पत्र भेज सकते हैं, जिसमें चुनाव के लिए नवंबर में एक तारीख का प्रस्ताव दिया जाएगा।



दुनिया के कुछ फेमस पर्यटन स्थल कुछ प्रकार के लगेज पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। हो सकता है कि कुछ समय बाद भारी-भरकम सूटकेस और लगेज लेकर यात्रा करना अतीत की बात हो जाए। आखिरकार, कम पैकिंग करके, हम कम कार्बन उत्सर्जन तो कम करते ही हैं, अपने ट्रेवल फुटप्रिंट को भी कम करते हैं, साथ ही ज्यादा सुविधाजनक और व्यवस्थित तरीके से घूमने में सक्षम बनाते हैं।

भारत-नेपाल संबंधों पर चीनी राजदूत की टिप्पणी पर सांसदों ने जताई चिंता; विदेश मंत्रालय से मांगी सफाई

काठमांडू। नेपाल के सांसदों ने हिमालयी देश और भारत के बीच व्यापार के संबंध में चीनी राजदूत द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणी पर चिंता जताई। उन्होंने राजदूत को साफतौर पर चेतावनी दी कि वे अन्य देशों के संवेदनशील मामलों पर टिप्पणी करते समय अधिक सावधान रहें।



काठमांडू में फाउंडेशन फॉर ट्रांस-हिमालयन रिसर्च एंड स्टडीज और फ्रेंड्स ऑफ सिल्क रोड वेल नेपाल द्वारा शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसका विषय वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन और नेपाल पर इसका प्रभाव रहा गया था। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेपाल में चीन के राजदूत चैन सोंग ने दावा किया कि नेपाल, भारत के साथ बिजली के व्यापार से व्यापार घाटे का सामना कर रहा है। चैन ने कहा, दुर्भाग्यवश आपके पास भारत जैसा पड़ोसी है, जिसमें अपार संभावनाएं हैं जिन्का आप लाभ उठा सकते हैं। लेकिन, नेपाल और अन्य पड़ोसियों के प्रति भारत की नीति इतनी अनुकूल नहीं है और नेपाल के लिए इतनी फायदेमंद नहीं है। इसलिए हम उसे बाधाओं की नीति कहते हैं। नेपाल के सांसदों ने चीनी राजदूत की टिप्पणी पर निराशा जताई है। संसदीय समिति ने कथित तौर पर विदेश मंत्रालय से नेपाल-भारत बिजली व्यापार के मुद्दे पर राजदूत चैन की टिप्पणी की जांच करने के लिए कहा है। आज संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं पर्यटन समिति की बैठक हुई जिसमें विदेश मंत्री पनपी सऊद को मामले की जांच के लिए तलब किया गया। समिति के सदस्यों ने चैन की हालिया टिप्पणी पर चिंता जताई। संसद सूत्रों के मुताबिक, समिति के अध्यक्ष राजकिशोर यादव ने विदेश मंत्रालय से मामले की जांच करने और राजदूत से इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर टिप्पणी करते समय सावधानी बरतने के लिए कहने का आग्रह किया। यादव ने कहा, नेपाल एक संप्रभु देश है, इसलिए यह हमारा काम है कि हम क्या करते हैं और क्या नहीं। बैठक में नेकपा (एकीकृत समाजवादी) के प्रमुख माधव कुमार नेपाल ने कहा कि राजदूतों को नेपाल की भू-राजनीतिक स्थिति को लेकर संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने चीनी राजदूत का सीधे नाम लिए बिना कहा कि हर किसी को सावधान रहना चाहिए ताकि किसी की अभिव्यक्ति नेपाल की भू-राजनीतिक जटिलताओं को न बढ़ाए। उन्होंने कहा, भू-राजनीतिक संवेदनशीलता को जाने बिना और इस तथ्य को समझे बिना कि नेपाल गूटनरिपेक्ष विदेश नीति के लिए प्रतिबद्ध है, किसी को भी आहत करने वाली टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। सतर्क रहें और नेपाल को मुश्किल परिस्थितियों से दूर रखें। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के सांसद भीम आचार्य ने कहा, नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, चीनी राजदूत की टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय द्वारा स्पष्टीकरण दिए जाने के बाद ही उनकी पार्टी अपना रुख सामने रखेगी।

मोरक्को में 7.2 तीव्रता का भूकंप, 820 की मौतें कई इमारतें ढहीं; ये इस इलाके में आया 120 साल का सबसे ताकतवर भूकंप

रबात/माराकेश। अफ्रीकी देश मोरक्को में भूकंप से अब तक 820 लोगों की मौत हो चुकी है। 329 लोग जखमी हो गए हैं। मोरक्को जियोलाजिकल सेंटर ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 7.2 थी। हालांकि, यूएस जियोलाजिकल सर्वे ने इसकी तीव्रता 6.8 बताई है। कहा है कि ये इस इलाके में 120 साल में आया सबसे ताकतवर भूकंप है। मोरक्को के स्टेट टेलीविजन ने बताया कि भूकंप की वजह से कई इमारतें ढह गई हैं। सोशल मीडिया पर भूकंप से जुड़े कई वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिसमें लोग भागते हुए नजर आ रहे हैं। भूकंप का एपिसेंटर एटलस पर्वत के पास इधिल नाम का गांव बताया जा रहा है, जो माराकेश शहर 70 किलोमीटर की दूरी पर है। भूकंप की गहराई जमीन से 18.5 किलोमीटर नीचे थी। पुर्तगाल और अल्जीरिया तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से इमारतें मलबे और धूल में तब्दील हो गईं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल ऐतिहासिक माराकेश में पर्यटकों का ध्यान खींचने वाली लाल दीवारों के कुछ हिस्से भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। यूएस जियोलाजिकल सर्वे के मुताबिक, उत्तरी अफ्रीका में भूकंप काफी दुर्लभ है। इससे पहले 1960 में अगादिर के पास 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था। तब हजारों लोगों की मौत हो गई थी।



से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टेंस के बाद भूकंप आता है। इससे जमीन में फॉल्ट लाइन्स बनती हैं।

2011 में जापान में आए भूकंप से धरती खिसक गई थी - 11 मार्च 2011 को जापान में 9.1 तीव्रता का अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप आया था। इस भूकंप ने न सिर्फ लोगों की जान ली, बल्कि धरती की धुरी को 4 से 10 इंच तक खिसका दिया था। साथ ही पृथ्वी की रोजाना चक्कर लगाने की रफ्तार में भी वृद्धि हुई। उस वक्त यूएसजीएस के सीमोलॉजिस्ट पाल अलैं ने कहा था कि इस भूकंप ने जापान के सबसे बड़े द्वीप होनुशू को अपनी जगह से करीब 8 फीट पूर्व की तरफ खिसका दिया है। इस दौरान पहले 24 घंटे में 160 से ज्यादा भूकंप के झटके आए थे। इनमें से 141 की तीव्रता 5 या इससे ज्यादा थी। जापान में आए इस भूकंप और सुनामी ने 15 हजार से ज्यादा लोगों की जान ली थी। जापान भूकंप के सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र में है। यह पैसेफिक रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में आता है। रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कई कॉन्टिनेंटल के साथ ही ओशियनिक

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलेड में डिपार्टमेंट ऑफ अर्थ साइंसेस के लेक्चरर डॉ. डेरिक हेस्टरॉक और उनके साथियों ने मिलकर ये नक्शा तैयार किया है। डॉ. डेरिक ने कहा है कि हमारा नक्शा पिछले 20 लाख सालों में धरती पर आए 90 फीसदी भूकंपों और 80 प्रतिशत ज्वालामुखी विस्फोटों की पूरी कहानी बताता है। वहीं वर्तमान मॉडल सिर्फ 65 प्रतिशत भूकंपों की जानकारी देता है। इस नक्शे को मदद से लोग प्राकृतिक आपदाओं की गणना कर सकते हैं।

2004 में आए भूकंप और सुनामी से अंडमान का इंदिरा पॉइंट जलमग्न हो गया था - 26 दिसंबर 2004 को इंडोनेशिया में आए भूकंप और फिर सुनामी के चलते अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का इंदिरा पॉइंट जलमग्न हो गया था। यह द्वीप सुमात्रा से 138 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां पर एक ही लाइट हाउस है, जिसका उद्घाटन 30 अप्रैल 1972 को हुआ था। यह भारत के एकदम दक्षिण में स्थित है और इसे भारत का आखिरी बिंदु भी कहा जाता है। इसका नाम भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया है। इंदिरा पॉइंट का लाइट हाउस भारत होते हुए मलेशिया और मलक्का जाते हुए जहाजों को रोशनी देने का काम करता है।

204 साल पहले भूकंप की वजह से भुज में बना था टापू - भारत में 204 साल पहले यानी साल 1819 में गुजरात के भुज में भूकंप से टापू बन गया था। इसे अल्लह बंद नाम से जाना जाता है। वैज्ञानिकों को मान्यता है कि भूकंप 7.8 से अधिक तीव्रता के भूकंप आने पर आता है। इसकी वजह जमीन के भीतर प्लेटों के बीच दरार को माना जा सकता है।

नैसी पेलेसी का एलान- 2024 में फिर लड़ूंगी चुनाव, सदन में बहुमत हासिल करने के लिए काम कर रहे डेमोक्रेट

वाशिंगटन। प्रतिनिधि सभा की पूर्व स्पीकर नैसी पेलेसी ने कहा कि वह कांग्रेस (संसद) में एक और कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ेंगी, क्योंकि डेमोक्रेट्स 2024 में बहुमत हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं।



उन्होंने सैन फ्रांसिस्को क्षेत्र के जिले में लेबर्स सहयोगियों के सामने यह घोषणा की, जिसका उन्होंने 35 से अधिक वर्षों से प्रतिनिधित्व किया है।

पेलेसी ने एक ट्वीट में कहा, हमारे शहर को अब पहले से कहीं अधिक सैन फ्रांसिस्को के मूल्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारे देश को अमेरिका की जरूरत है जो दुनिया को दिखाए कि सभी के लिए स्वतंत्रता और न्याय के साथ हमारा झंडा अभी भी है। यही कारण है कि मैं फिर से चुनाव लड़ रही हूँ और सम्मानपूर्वक आपकी वोट मांगती हूँ।

जी20 सम्मेलन के आयोजन पर पश्चिमी मीडिया में भारत के खिलाफ मरी है नकारात्मकता, रुसी मीडिया ने दिया जवाब

मॉस्को। दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। शुरू हुए इस सम्मेलन में देश-विदेश के कई बड़े नेताओं ने हिस्सा लिया। जी20 सम्मेलन की शानदार तैयारियों को लेकर भारत की चर्चा विदेशी मीडिया में भी हो रही है। हालांकि, इस बीच रूस के एक सरकारी ब्रॉडकास्टर ने भारत के लिए गलत एजेंडे को लेकर पश्चिमी मीडिया को फटकार लगा दी। इतना ही नहीं रुसी मीडिया ग्रुप ने कहा कि पश्चिमी मीडिया ने अपने कवरेज को नकारात्मक कहानियों तक ही सीमित रखा है।



पहले गरिबों की बस्तियों को हटाने के लिए सौंदर्यीकरण अभियान चलाया गया। इससे यह साफ पता चलता है कि गैर पश्चिमी देशों के बारे में कुछ भी लिखना कितना आसान है। उन्होंने अपनी कवरेज को केवल नकारात्मक कहानियों तक ही सीमित रखा।

आरटी ने लगाई पश्चिमी मीडिया को फटकार
पश्चिमी मीडिया ने जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत द्वारा किए गए आयोजनों को केवल नकारात्मक तरीकों से दिखाया है। जिस पर रूस की सरकारी ब्रॉडकास्टर रशिया टीवी (आरटी) ने पश्चिमी मीडिया की कत्तास लगाई है।

रुसी मीडिया ने की पीएम मोदी की तारीफ
अमेरिकी मीडिया के अनुसार पीएम मोदी ने जी20 को अपने रिवाइंडिंग के लिए इस्तेमाल किया है। इसपर रुसी मीडिया आरटी ने कहा कि जी20 में विश्व स्तरीय नेताओं की मेजबानी करते हुए भारत विश्व शक्ति के रूप में उभरा है। पीएम मोदी ही वह इंसान जो देश को यहां तक लेकर आए हैं। रशिया न्यूज की प्रधान संपादक एकातेरिना नाडोल्स्काया ने कहा, भारत और रूस के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं और आगे भी रहेंगे। जी20 शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधित्व करने वाले देशों में भी कई गरीब रहते हैं। जिस तरह से भारत में अमीरी के बीच गरीब रहते हैं, ठीक उसी तरह अमेरिका के सिलिकॉन वैली में लोगों के पास रहने के लिए घर नहीं हैं। अमेरिका के बड़े शहरों में ड्रग्स की भी समस्या है, जिससे जुड़े वीडियो हमेशा सामने आते रहते हैं। वहीं यूरोप में अधिकांश बेरोजगारी से जूझ रहे हैं।

अमेरिका ने लौटते समय अफगानिस्तान में छोड़े हथियार अब आतंकियों के हाथ में; पाकिस्तान ने जताई चिंता

इस्लामाबाद। जो बाइडन की सरकार आने से पहले अमेरिकी सेना अफगानिस्तान में आतंकवादियों से लड़ रही थी। बाइडन प्रशासन ने जब अमेरिकी सेना को वापसी के आदेश दिए तो काफी जल्दबाजी में वहां आधुनिक हथियार छूट गए। कई ऐसी तस्वीरें भी सामने आई थी कि हेलिकॉप्टर तक वहां छोड़े हुए थे। वहीं, अब पाकिस्तान ने चिंता जताई कि अमेरिकी सेना छोड़े गए आधुनिक हथियार अब आतंकवादियों तक पहुंच गए हैं। कुछ दिन पहले ही अफगानिस्तान के विद्रोहियों ने पाकिस्तान को एक सैन्य चौकी पर हमला किया और चार पाकिस्तानी सैनिकों को मार डाला। इसको लेकर अब विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि इन गतिविधियों पर वैश्विक ध्यान देने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि हम किसी को दोष नहीं देते हैं लेकिन अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियारों पर वैश्विक ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि वे अब आतंकवादियों के हाथों में पड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से होने वाले आतंकवादी हमलों का मुद्दा अफगान अंतरिम सरकार के समक्ष उठाया गया है। आगे मुमताज जहरा ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान तब आया है जब व्हाइट हाउस ने बुधवार को इस बात पर असहमति जताई कि अमेरिका ने अफगानिस्तान में लगभग सात अमेरिकी डॉलर के हथियारों और उपकरण छोड़े हैं और आतंकवादियों तक ही सीमित रखा।



उन्होंने कहा कि अमेरिकी बलों द्वारा पीछे छोड़े गए उपकरण नहीं छोड़ा गया था। जब हमने निकासी के अपने प्रयास पूरे किए तो हवाई अड्डे पर थोड़ी मात्रा में उपकरण और कुछ विमान से, लेकिन हमारे निकलते ही वे सभी बेकार हो गए। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में, अफगानिस्तान में आतंकवादियों को लक्ष्य बनाने के लिए अमेरिकी सेना को वापसी के आदेश दिए तो काफी जल्दबाजी में वहां आधुनिक हथियार छूट गए। कई ऐसी तस्वीरें भी सामने आई थी कि हेलिकॉप्टर तक वहां छोड़े हुए थे। वहीं, अब पाकिस्तान ने चिंता जताई कि अमेरिकी सेना छोड़े गए आधुनिक हथियार अब आतंकवादियों तक पहुंच गए हैं। कुछ दिन पहले ही अफगानिस्तान के विद्रोहियों ने पाकिस्तान को एक सैन्य चौकी पर हमला किया और चार पाकिस्तानी सैनिकों को मार डाला। इसको लेकर अब विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि इन गतिविधियों पर वैश्विक ध्यान देने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि हम किसी को दोष नहीं देते हैं लेकिन अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियारों पर वैश्विक ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि वे अब आतंकवादियों के हाथों में पड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से होने वाले आतंकवादी हमलों का मुद्दा अफगान अंतरिम सरकार के समक्ष उठाया गया है। आगे मुमताज जहरा ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान तब आया है जब व्हाइट हाउस ने बुधवार को इस बात पर असहमति जताई कि अमेरिका ने अफगानिस्तान में लगभग सात अमेरिकी डॉलर के हथियारों और उपकरण छोड़े हैं और आतंकवादियों तक ही सीमित रखा।

अमेरिका ने लौटते समय अफगानिस्तान में छोड़े हथियार अब आतंकियों के हाथ में; पाकिस्तान ने जताई चिंता

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी बलों द्वारा पीछे छोड़े गए उपकरण नहीं छोड़ा गया था। जब हमने निकासी के अपने प्रयास पूरे किए तो हवाई अड्डे पर थोड़ी मात्रा में उपकरण और कुछ विमान से, लेकिन हमारे निकलते ही वे सभी बेकार हो गए। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में, अफगानिस्तान में आतंकवादियों को लक्ष्य बनाने के लिए अमेरिकी सेना को वापसी के आदेश दिए तो काफी जल्दबाजी में वहां आधुनिक हथियार छूट गए। कई ऐसी तस्वीरें भी सामने आई थी कि हेलिकॉप्टर तक वहां छोड़े हुए थे। वहीं, अब पाकिस्तान ने चिंता जताई कि अमेरिकी सेना छोड़े गए आधुनिक हथियार अब आतंकवादियों तक पहुंच गए हैं। कुछ दिन पहले ही अफगानिस्तान के विद्रोहियों ने पाकिस्तान को एक सैन्य चौकी पर हमला किया और चार पाकिस्तानी सैनिकों को मार डाला। इसको लेकर अब विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि इन गतिविधियों पर वैश्विक ध्यान देने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि हम किसी को दोष नहीं देते हैं लेकिन अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियारों पर वैश्विक ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि वे अब आतंकवादियों के हाथों में पड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से होने वाले आतंकवादी हमलों का मुद्दा अफगान अंतरिम सरकार के समक्ष उठाया गया है। आगे मुमताज जहरा ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान तब आया है जब व्हाइट हाउस ने बुधवार को इस बात पर असहमति जताई कि अमेरिका ने अफगानिस्तान में लगभग सात अमेरिकी डॉलर के हथियारों और उपकरण छोड़े हैं और आतंकवादियों तक ही सीमित रखा।

अमेरिका ने लौटते समय अफगानिस्तान में छोड़े हथियार अब आतंकियों के हाथ में; पाकिस्तान ने जताई चिंता

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी बलों द्वारा पीछे छोड़े गए उपकरण नहीं छोड़ा गया था। जब हमने निकासी के अपने प्रयास पूरे किए तो हवाई अड्डे पर थोड़ी मात्रा में उपकरण और कुछ विमान से, लेकिन हमारे निकलते ही वे सभी बेकार हो गए। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में, अफगानिस्तान में आतंकवादियों को लक्ष्य बनाने के लिए अमेरिकी सेना को वापसी के आदेश दिए तो काफी जल्दबाजी में वहां आधुनिक हथियार छूट गए। कई ऐसी तस्वीरें भी सामने आई थी कि हेलिकॉप्टर तक वहां छोड़े हुए थे। वहीं, अब पाकिस्तान ने चिंता जताई कि अमेरिकी सेना छोड़े गए आधुनिक हथियार अब आतंकवादियों तक पहुंच गए हैं। कुछ दिन पहले ही अफगानिस्तान के विद्रोहियों ने पाकिस्तान को एक सैन्य चौकी पर हमला किया और चार पाकिस्तानी सैनिकों को मार डाला। इसको लेकर अब विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि इन गतिविधियों पर वैश्विक ध्यान देने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि हम किसी को दोष नहीं देते हैं लेकिन अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियारों पर वैश्विक ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि वे अब आतंकवादियों के हाथों में पड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से होने वाले आतंकवादी हमलों का मुद्दा अफगान अंतरिम सरकार के समक्ष उठाया गया है। आगे मुमताज जहरा ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बयान तब आया है जब व्हाइट हाउस ने बुधवार को इस बात पर असहमति जताई कि अमेरिका ने अफगानिस्तान में लगभग सात अमेरिकी डॉलर के हथियारों और उपकरण छोड़े हैं और आतंकवादियों तक ही सीमित रखा।

एसएसपी बरामूला ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपराध और सुरक्षा पर की समीक्षा बैठक

बरामूला (हिस)। एसएसपी बरामूला आमोद अशोक नागपुरे ने शनिवार को जिला पुलिस लाइन बरामूला में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपराध और सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि इस वर्ष अब तक मादक पदार्थों के तस्करो और ओजीडब्ल्यू के खिलाफ की गई कार्रवाईयों, एसएचओ की प्रस्तुतियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बैठक आयोजित की गई और उनसे और बेहतर करने का आग्रह किया गया प्रवक्ता ने यह भी कहा कि बैठक में क्षेत्र प्रभुत्व, आतंकवादी घटनाओं की रोकथाम, शून्य आतंकवादी भर्ती सुनिश्चित करने और अपराध निपटान रणनीतियों में जांच की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया था। पर्यवेक्षी अधिकारियों की भूमिका पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए एसएसपी बरामूला ने अपने-अपने क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा ग्रीड को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के महत्व को दोहराया।

सनातन धर्म पर जहर उगलने वाले नेताओं के खिलाफ दायर करेंगे याचिका : रविभूषण गर्ग

कानूनी राय लेने के बाद याचिका दायर करने की प्रक्रिया शुरू

कैथल (हिस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य और श्री सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष रविभूषण गर्ग सनातन धर्म पर गलत टिप्पणी करने पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के मंत्री बेटे उदयनिधि स्टालिन के बाद अब पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करेंगे। शनिवार को सनातन धर्म मंदिर में आयोजित पत्रकार वार्ता में रवि भूषण गर्ग ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में जो घमंडिया संगठन इन लोगों ने खड़ा किया है। दरअसल उसमें शामिल हर राजनीतिक दल की सनातन धर्म और हिंदुओं को लेकर यही मानसिकता एवं विचारधारा है। कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण को नीति को बढ़ावा देते हुए देश को धर्म के नाम पर बांटने की राजनीति की है। इसी का परिणाम है कि आज धीरे-धीरे इस पार्टी को अस्तित्व खत्म होने का रहा है। गर्ग ने कहा कि अब इन लोगों को भारत को भारत कहने में भी शर्म आ रही है। अंग्रेजों के लिए हुए नाम को आगे बढ़ाने



वाले नेता और राजनीतिक दलों की सोच देश को गुलाम बनाए रखने की है। रविभूषण गर्ग ने कहा कि सनातन धर्म को लेकर अमर्यादित बोल बोलने वाले ए राजा और उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ वरिष्ठ अदालत में याचिका दायर करेंगे। इसके लिए कानूनी सलाह ले ली गई है। यह

धार्मिक भावनाओं को भड़काने के साथ-साथ राष्ट्र धर्म के खिलाफ माहौल बनाने की घिनोनी साजिश का मामला है। इस अवसर पर सभा के उपप्रधान वीरेंद्र मोर, सचिव रघुवीर चंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुभाष गोयल, कार्यकारिणी सदस्य नरेश गर्ग, रमेश बंसल उपस्थित थे।

वरिष्ठ नेताओं के सेवाभाव के अनुभवों से मिली सीख

फलोदी/ जोधपुर (हिस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि उन्होंने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के समाज कल्याणकारी अनुभवों से मिली सीख से ही जनसेवा के कार्य किए हैं। इनमें शेरगढ़ के पूर्व प्रधान स्व. कल्याण सिंह राठौड़ से भी सीखने को मिला है। अब ग्राम चौरडिया में उनकी प्रतिमा भी नई पीढ़ियों को सेवा भाव, संस्कार, संस्कृति और परंपराओं के लिए प्रेरित करती रहेगी। गहलोत शनिवार को नवसृजित फलोदी जिले के चौरडिया गांव में स्व. कल्याण सिंह राठौड़ की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्व. राठौड़ 37 साल तक शेरगढ़ के प्रधान और 15 साल तक उपजिला प्रमुख रहे। उन्होंने जीवनभर क्षेत्र विकास, शिक्षा को बढ़ावा देने और सर्वसमाज को जोड़ने के कार्य किए। उन्होंने हमेशा जनता के सुख-दुख में भागीदारी निभाई। अब उनका परिवार भी जनसेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी द्वारा पंचायती राज में महिलाओं को दिए आरक्षण से उनकी स्थिति मजबूत हुई है। इसी का प्रभाव है कि विधायक मीना कंवर सहित अन्य महिला विधायक जनसेवा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ी है। अब वे चूँचट हटाकर पुरुषों के बराबर अपने विचारों को रख रही हैं। गहलोत ने कहा कि फलोदी जिला बनाने की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने से प्रशासन और आमजन के बीच दूरियां कम हुई हैं। अब क्षेत्र के विकास को अधिक गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनता के टूट्टी के रूप में कुशल वित्तीय प्रबंधन से जोधपुर सहित प्रदेश का चहुँमुखी विकास सुनिश्चित

किया है। अन्तिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच), मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 25 लाख रुपए तक उपचार सुविधा, इन्दिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 500 रुपए में सिलेंडर, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी सहित अन्य योजनाओं में राजस्थान देश का मांडल स्टेट बन गया है। गहलोत ने कहा कि महंगाई राहत कैंप, अनुपूर्णा फूड पैकेट योजना, घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट और कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट-शुल्क बिजली से महंगाई से राहत मिल रही है। राज्य सरकार के क्रांतिकारी फैसलों से लोगों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत हुई है। अन्य राज्यों में हमारी योजनाओं का अध्ययन और अनुसरण किया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भीलवाड़ा से 6 सितम्बर को मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना की शुरुआत की गई, जिसमें 2 दूधारू पशुओं का बीमा (40-40 हजार) किया गया है। इनमें प्रीमियम भी राज्य सरकार भरेगी। लंपी रोग में गोवंश की अकाल मृत्यु पर पशुपालकों को प्रति गाय 40 हजार रुपए की सहायता दी गई। किसानों के हितों में अलग से कृषि बजट कायम करने वाला भी राजस्थान एकमात्र राज्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 22 लाख किसानों का कर्ज माफ किया गया है। किसानों की भूमि को कुर्की से रोकने के लिए कानून पास किया गया है। पशुपालकों को 5 रुपए प्रति लीटर दुग्ध पर अनुदान दिया जा रहा है।

आपसी सहमति से 14 करोड़ 48 लाख परिवर्तन यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, जनता को कांग्रेस से होने लगी नफरत : कृष्णपाल गुर्जर

55 हजार 481 की राशि का निपटान किया

सोनीपत (हिस)। सोनीपत, गोहाना, गनौर तथा खरखड़ा न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में 26 हजार 434 मामलों का निपटारा किया गया है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण पारेली के निदेशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रमोद गोयल के मार्गदर्शन में यह अदालत लाई गई। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के सचिव अशोक कुमार मान ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना क्लेम मामलों के 21 केस का निपटारा, वादियों का 2 करोड़ 14 लाख 35 हजार की समझौता राशि का निपटारा किया गया। मोटर व्हीकल से संबंधित 17 हजार 371 चालानों का निपटारा किया, जिससे एक करोड़ 46 लाख 04 हजार 50 रुपए की राशि वसूली गई।

फौजदारी के 83 केस, 167 सिविल केस, 37 वैवाहिक विवाद संबंधी, 263 चेक बाउंस संबंधित केस का निपटान किया गया, जिससे 7 करोड़ 81 लाख 20 हजार 183 की राशि का निस्तारण किया गया। जिला एडिओ सेंटर में स्थाई लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न बैंकों के बैंक रिकवरी से संबंधित 18 मामलों का निपटान किया गया। उन्होंने बताया कि जिला व सत्र न्यायधीश प्रमोद गोयल, अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायधीश डॉ. संजीव आर्या व विमल कुमार, अतिरिक्त प्रिंसिपल जज (फैमिली कोर्ट) हेमंत यादव, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मिस शिखा, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अर्पणा चौधरी व परवीन कुमार, उपमंडल स्तर पर उप मंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी गनौर सोनिया श्योकंद, उप मंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी खरखड़ा डॉ. नर शोलेखे, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी गोहाना संजय की बेंचों के द्वारा केस का निपटारा किया गया।

जयपुर (हिस)। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के तहत शनिवार को भरतपुर के बयाना में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं यात्रा संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि जो काम कांग्रेस 70 साल में नहीं कर पाई उससे ज्यादा काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने नौ साल में कर दिखाया है। 400 नए मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय और विश्वविद्यालय स्थापना की है। इसके अलावा भाजपा के शासनकाल में एक्सप्रेस-वे, हाईवे, आधुनिक रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट का निर्माण भी तेज गति से हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के कुशल शासन के चलते ही आज भारत विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि इन नौ वर्षों में सांस्कृतिक विरासत को संवारने का काम भी

सबसे अधिक है, उसके बावजूद भी राजस्थान में जनता बिजली के लिए तरस रही है। आज बनकर तैयार होने को है। वहीं काशी विश्वनाथ, महाकाल कांठीडोर की स्थापना कर अपनी सांस्कृतिक धरोहर का पुनर्निर्माण किया है। राजस्थान में बिजली की दरें संपूर्ण भारत में

तेजी से किया गया है। देश के करोड़ों लोगों को आस्था का द्योतक प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार होने को है। वहीं काशी विश्वनाथ, महाकाल कांठीडोर की स्थापना कर अपनी सांस्कृतिक धरोहर का पुनर्निर्माण किया है। राजस्थान में बिजली की दरें संपूर्ण भारत में

यात्रा संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि आज राजस्थान में महिला सुरक्षित नहीं। कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी आज राधंश्री में पिकनिक मनाने आई हुई हैं, मैं उनसे आग्रह करता हूँ कि वे दुकर्म पीरेंड महिलाओं के घर जाकर उनको संवेदना और आश्वासन दें कि महिलाएं राजस्थान में सुरक्षित हैं। आज प्रदेश के हाल इस कदर खराब हैं कि सरकार के मंत्री अशोक चान्दा खुद बिजली की समस्या को लेकर सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे हैं। राजस्थान एक मात्र राज्य है जहां संतों को सबसे ज्यादा हत्या हुई है, झूठे वादों से बनी कांग्रेस सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। आज देश का सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल राजस्थान में है। यह पहली सरकार है जिसके मंत्री विधायक खुद सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष ऋषि बंसल, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक मेहराज चौधरी मौजूद रहे।

पंजाब पुलिस ने फाजिल्का से पकड़ी 15 किलो हेरोइन

चंडीगढ़ (हिस)। पंजाब पुलिस ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर 15 किलो हेरोइन बरामद करके एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई हेरोइन की कीमत 105 करोड़ के करीब आंकी गई है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को बताया कि सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ फाजिल्का की एसएसओसी विंग ने खुफिया अभियान चलाया था। इसी दौरान एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

राजस्व अधिकारी जिम्मेदाराना प्रशासन की बेहतरीन तस्वीर पेश करें : डॉ. मनोज कुमार

सोनीपत (हिस)। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने राजस्व अधिकारियों कहा है कि जनता के समक्ष जिम्मेदाराना राजस्व प्रशासन की बेहतरीन तस्वीर पेश करें। जन सुनवाई व उनका निपटारा निर्धारित समय अवधि में करें। राजस्व अधिकारी के खिलाफ शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वे शनिवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार बोल रहे थे। उन्होंने स्वामित्व योजना व गिरदावरी इत्यादि के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों से सवाल पूछे। स्वामित्व योजना के तहत अलग से शिकायतें लें और तुरंत समाधान करवायें। निर्देश दिए कि बिना ठोस व उचित कारण के कोई भी



कार्य लंबित ना रहे। इंतकाल आदि के कार्य के लिए लोगों को चक्कर न काटने हों। ई-क्षतिपूर्ति

पोर्टल, ई-टिकटिंग मैनेजमेंट पोर्टल, रिकॉर्ड रूम का आधुनिकीकरण आदि की समीक्षा की।

राजस्व अधिकारियों -कर्मियों के लिए कंप्यूटर सिस्टम अपग्रेडेशन, इंटरनेट, प्रिंटर इत्यादि की बेहतरीन सुविधा उपलब्ध करवायें। फर्नीचर की मांग भी पूरी की जाएगी। स्टाफ की कमी को दूर करेंगे। सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे भी नियमित रूप से राजस्व अधिकारियों की बैठक लें। एसडीएम डॉ. निर्मल, एसडीएम आशोष कुमार, एसडीएम अमित कुमार, नगराधीश डॉ. अनमोल, जिला राजस्व अधिकारी हरिओम अत्री, डीडीपीओ राजपाल सिंह, तहसीलदार जिवेंद्र मलिक सहित सभी नायब तहसीलदार, सभी बीडीपीओ, कानूंगो, पटवारी आदि उपस्थित रहे।

गहलोत के हेलिकॉप्टर की उड़ान अनुमति पर विवाद



जयपुर (हिस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हेलिकॉप्टर को देरी से उड़ान की मंजूरी मिलने के कारण शुक्रवार को उनका सीकर दौरा निरस्त हो हुआ था। अब इस मामले में मुख्यमंत्री और गृह मंत्रालय आमने-सामने हो गए हैं। मुख्यमंत्री के हेलिकॉप्टर को अनुमति नहीं मिलने के दावे को शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गलत बताया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता के ट्वीट पर गहलोत ने पलटवार करते हुए भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट किया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री ने उनके हेलिकॉप्टर की उड़ान को गृह मंत्रालय की अनुमति नहीं मिलने का दावा किया है। राजस्थान सीएम की तरफ से सीकर सहित चार उड़ान की अनुमति मांगी गई थी, जो गृह मंत्रालय ने दे दी थी। उनकी फ्लाइट की किसी आवेदन को नामंजूर नहीं किया गया। कॉर्पोरेट एयरक्राफ्ट की सभी शेड्यूल फ्लाइट्स के अलावा रजिस्ट्रार और मुख्यमंत्रियों के स्टेट प्लेन को अनुमति है। प्राइवेट चार्टर्ड को गृह मंत्रालय से विशेष मंजूरी की जरूरत होती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रवक्ता के ट्वीट पर गहलोत ने भी पलटवार किया। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि कल मेरा उदयपुर से जयपुर प्लेन, जयपुर से सीकर और सीकर से निवाई हेलिकॉप्टर से जाने का कार्यक्रम था। इसके लिए हेलिकॉप्टर को एडवांस में उदयपुर से जयपुर पहुंचना था, लेकिन ऐसा बताया गया कि जी-20 के प्रोटोकॉल के कारण हेलिकॉप्टर या प्लेन तभी यात्रा कर सकते हैं, जब सीएम उसमें सवार हों। गहलोत ने लिखा कि हेलिकॉप्टर की उड़ान की अनुमति सुबह 10.48 बजे ई-मेल कर मांगी गई। दोपहर 2.50 बजे तक अनुमति नहीं मिली। वहां इंतजार कर रही जनता को जाकारी देने के लिए दोपहर 2.52 बजे पर ट्वीट कर नहीं आ पाने का कारण बताया।

पांच माह में जमीन की रजिस्ट्रियों से 13 प्रतिशत राजस्व बढ़ा : जिंपा

चंडीगढ़ (हिस)। पंजाब में जमीन-जायदाद की रजिस्ट्रियों से सरकार के खजाने में वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले पांच महीने में ही पिछले साल के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक राजस्व आया है। यह जानकारी पंजाब के राजस्व मंत्री ब्रम शंकर जिंपा ने शनिवार को दी। मंत्री जिंपा ने बताया है कि जमीन-जायदाद की रजिस्ट्रियों से पंजाब सरकार को अप्रैल 2023 से अगस्त 2023 तक 1811.14 करोड़ रुपए का राजस्व मिला है। पिछले वर्ष 2022 में यह राजस्व 1605.49 करोड़ रुपए था। इस तरह इस अवधि में राजस्व में 13 प्रतिशत वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के स्पष्ट निर्देश हैं कि भ्रष्टाचार को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त न किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग में भी यदि किसी भी स्तर पर लोगों को काम करवाने में कोई दिक्कत आ रही है तो मुख्यमंत्री

की जा रही हैं। सभी नियुक्तियों केवल मेरिट के आधार पर की जा रही हैं, जिसके अच्छे नतीजे निकल कर सामने आ रहे हैं। नव-नियुक्त लड़के-लड़कियों अपना काम पूरी ईमानदारी, निष्ठा और परदर्शी ढंग से कर रहे हैं। राजस्व मंत्री ने कहा कि पिछले समय में राजस्व विभाग के काम करने के तरीकों से आम लोग बहुत दुखी थे परंतु डेढ़ साल से लोगों को सुचारू और बढ़िया सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने अपील की कि राज्य के खजाने को और मजबूत करने के लिए लोग सरकार का साथ दें और किसी भी जायज काम के लिए किसी भी अधिकारी कर्मचारी को कोई रिश्तत न दें। यदि राजस्व विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी किसी काम के बदले पैसा मांगता है तो बेझिझक होकर इसकी शिकायत दर्ज करएं। दायी को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

की जा रही हैं। सभी नियुक्तियों केवल मेरिट के आधार पर की जा रही हैं, जिसके अच्छे नतीजे निकल कर सामने आ रहे हैं। नव-नियुक्त लड़के-लड़कियों अपना काम पूरी ईमानदारी, निष्ठा और परदर्शी ढंग से कर रहे हैं। राजस्व मंत्री ने कहा कि पिछले समय में राजस्व विभाग के काम करने के तरीकों से आम लोग बहुत दुखी थे परंतु डेढ़ साल से लोगों को सुचारू और बढ़िया सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने अपील की कि राज्य के खजाने को और मजबूत करने के लिए लोग सरकार का साथ दें और किसी भी जायज काम के लिए किसी भी अधिकारी कर्मचारी को कोई रिश्तत न दें। यदि राजस्व विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी किसी काम के बदले पैसा मांगता है तो बेझिझक होकर इसकी शिकायत दर्ज करएं। दायी को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

सीबीआई ने शराब घोटाले में तलब किए पंजाब के दस अधिकारी

चंडीगढ़ (हिस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के शराब घोटाले की जांच के चलते पंजाब आबकारी एवं कराधान विभाग के दस अधिकारियों को जांच में शामिल होने के लिए तलब किया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पहले ही इस मामले में आरोपित है। यह दूसरा मौका है, जब केंद्रीय जांच एजेंसी ने पंजाब के अधिकारियों को तलब किया है। इससे पहले डीडी ने दिल्ली उत्पाद शुल्क घोटाले में तीन अधिकारियों से पूछताछ की थी। जिसमें फाइनेंशियल कमिश्नर एक्सआइएन एंड टैक्सेशन केएपी सिन्हा का नाम भी शामिल है। सीबीआई के दिल्ली मुख्यालय में अतिरिक्त एसपी राजीव कुमार ने पंजाब के अधिकारियों को यह सम्मन जारी किए हैं। इन सभी अधिकारियों को अपने बयान दर्ज करवाने के लिए सोमवार व मंगलवार को सीबीआई के दिल्ली मुख्यालय में पेश होने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को यह सम्मन आबकारी एवं कराधान विभाग के चंडीगढ़ मुख्य कार्यालय के माध्यम से भेजा गया है। पंजाब सरकार की आबकारी नीति को दिल्ली में तैयार करने के आरोप हैं।

मुख्यमंत्री ने 560 युवाओं को सौंपे सब-इंस्पेक्टर के नियुक्ति पत्र

जालंधर (हिस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी के कारण इन अभ्यर्थियों को दो साल बाद नियुक्ति पत्र मिले हैं। आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने अपने डेढ़ साल में ही नौजवानों को 35,848 लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में कांस्टेबलों के 1700 पदों पर और नियुक्तियां करने का एलान किया है। मुख्यमंत्री मान यहां पंजाब पुलिस में नये भर्ती हुए 560 सब-इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी की वजह से इन अभ्यर्थियों की नियुक्तिपत्र मिलने में विलंब हुआ है। उन्होंने नये भर्ती सब-इंस्पेक्टरों से आह्वान किया कि वह अपने पद का उपयोग लोगों के कल्याण और सेवा के लिए करें, न कि उनको परेशान करने के लिए।

हिंदू धर्म को लेकर दिए गए बयान के विरोध में आज भगवा रैली

जयपुर (हिस)। उदयनिधि स्टालिन और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा के हिंदू धर्म को लेकर दिए गए बयान के विरोध जयपुर में युवा शक्ति मंच की ओर से रविवार को भगवा रैली का आयोजन किया जाएगा। इस भगवा रैली की शुरुआत जयपुर के जलमहल की पाल से होगी। जो शहर के प्रमुख बाजारों में होती हुई रामलीला मैदान पहुंचेगी। आयोजकों ने दावा किया कि भगवा रैली में 25 हजार से ज्यादा युवा हिस्सा लेंगे। जो सनातन धर्म की रक्षा के लिए पैदल, दुपहिया और चौपहिया वाहनों पर सवार होकर समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग करेंगे। युवा शक्ति मंच के संयोजक सुनील सिंह शेखावत ने बताया कि उदयनिधि स्टालिन और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा के हिंदू धर्म को लेकर दिए गए बयान के विरोध में जयपुर में रविवार को भगवा रैली

आशा वर्करों के खिलाफ सरकार की दमनात्मक कार्रवाई बर्दाश्त नहीं : सकस

हिसार (हिस)। सर्व कर्मचारी संघ ने आशा वर्करों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को दमनात्मक बताते हुए सरकार की आलोचना की है। संगठन ने एलान किया है कि आशा वर्करों के समर्थन में 15 सितम्बर को सभी ब्लॉकों पर प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में सकस की जिला एवं हिसार कोर ग्रुप की बैठक शनिवार को सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में हुई। बैठक में जिला प्रधान सुरेंद्र यादव, जिला वरिष्ठ उपप्रधान नरेश गौतम, जिला सचिव राजेश बागड़ी, जिला सह सचिव अशोक सैनी, हिसार ब्लॉक सचिव विनोद प्रभाकर, कोषाध्यक्ष रमेश शर्मा व ब्लॉक वरिष्ठ उपप्रधान सुनील लाडवा उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से हरियाणा प्रदेश में 8 अगस्त से चल रही आशा वर्कर्स की हड़ताल पर गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बताया कि आशा वर्कर यूनियन द्वारा न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए करने सहित अन्य छोटी-छोटी मांगों को लेकर हड़ताल करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि होना यह चाहिए था कि मुख्यमंत्री संगठन से वार्ता कर के तमाम समस्याओं का समाधान करते लेकिन प्रदेश सरकार ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए आशा वर्करों पर लाठीचार्ज एवं झूठे केस बनाकर उनको गिरफ्तार करने का काम किया। उन्होंने कहा कि ऐसी दमनात्मक कार्रवाई करके सरकार आशा वर्करों

मुख्यमंत्री ने 560 युवाओं को सौंपे सब-इंस्पेक्टर के नियुक्ति पत्र

जालंधर (हिस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी के कारण इन अभ्यर्थियों को दो साल बाद नियुक्ति पत्र मिले हैं। आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने अपने डेढ़ साल में ही नौजवानों को 35,848 लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में कांस्टेबलों के 1700 पदों पर और नियुक्तियां करने का एलान किया है। मुख्यमंत्री मान यहां पंजाब पुलिस में नये भर्ती हुए 560 सब-इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी की वजह से इन अभ्यर्थियों की नियुक्तिपत्र मिलने में विलंब हुआ है। उन्होंने नये भर्ती सब-इंस्पेक्टरों से आह्वान किया कि वह अपने पद का उपयोग लोगों के कल्याण और सेवा के लिए करें, न कि उनको परेशान करने के लिए।

मुख्यमंत्री ने 560 युवाओं को सौंपे सब-इंस्पेक्टर के नियुक्ति पत्र

जालंधर (हिस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी के कारण इन अभ्यर्थियों को दो साल बाद नियुक्ति पत्र मिले हैं। आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने अपने डेढ़ साल में ही नौजवानों को 35,848 लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में कांस्टेबलों के 1700 पदों पर और नियुक्तियां करने का एलान किया है। मुख्यमंत्री मान यहां पंजाब पुलिस में नये भर्ती हुए 560 सब-इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी की वजह से इन अभ्यर्थियों की नियुक्तिपत्र मिलने में विलंब हुआ है। उन्होंने नये भर्ती सब-इंस्पेक्टरों से आह्वान किया कि वह अपने पद का उपयोग लोगों के कल्याण और सेवा के लिए करें, न कि उनको परेशान करने के लिए।

मुख्यमंत्री ने 560 युवाओं को सौंपे सब-इंस्पेक्टर के नियुक्ति पत्र

जालंधर (हिस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी के कारण इन अभ्यर्थियों को दो साल बाद नियुक्ति पत्र मिले हैं। आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने अपने डेढ़ साल में ही नौजवानों को 35,848 लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में कांस्टेबलों के 1700 पदों पर और नियुक्तियां करने का एलान किया है। मुख्यमंत्री मान यहां पंजाब पुलिस में नये भर्ती हुए 560 सब-इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी की वजह से इन अभ्यर्थियों की नियुक्तिपत्र मिलने में विलंब हुआ है। उन्होंने नये भर्ती सब-इंस्पेक्टरों से आह्वान किया कि वह अपने पद का उपयोग लोगों के कल्याण और सेवा के लिए करें, न कि उनको परेशान करने के लिए।

मुख्यमंत्री ने 560 युवाओं को सौंपे सब-इंस्पेक्टर के नियुक्ति पत्र

जालंधर (हिस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी के कारण इन अभ्यर्थियों को दो साल बाद नियुक्ति पत्र मिले हैं। आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने अपने डेढ़ साल में ही नौजवानों को 35,848 लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में कांस्टेबलों के 1700 पदों पर और नियुक्तियां करने का एलान किया है। मुख्यमंत्री मान यहां पंजाब पुलिस में नये भर्ती हुए 560 सब-इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी की वजह से इन अभ्यर्थियों की नियुक्तिपत्र मिलने में विलंब हुआ है। उन्होंने नये भर्ती सब-इंस्पेक्टरों से आह्वान किया कि वह अपने पद का उपयोग लोगों के कल्याण और सेवा के लिए करें, न कि उनको परेशान करने के लिए।

मुख्यमंत्री ने 560 युवाओं को सौंपे सब-इंस्पेक्टर के नियुक्ति पत्र

जालंधर (हिस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी के कारण इन अभ्यर्थियों को दो साल बाद नियुक्ति पत्र मिले हैं। आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने अपने डेढ़ साल में ही नौजवानों को 35,848 लोगों को सरकारी नौकरियां दी हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में कांस्टेबलों के 1700 पदों पर और नियुक्तियां करने का एलान किया है। मुख्यमंत्री मान यहां पंजाब पुलिस में नये भर्ती हुए 560 सब-इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की बेरुखी की वजह से इन अभ्यर्थियों की नियुक्तिपत्र मिलने में विलंब हुआ है। उन्होंने नये भर्ती सब-इंस्पेक्टरों से आह्वान किया कि वह अपने पद का उपयोग लोगों के कल्याण और सेवा के लिए करें, न कि उनको परेशान करने के लिए।

बड़ी संख्या शामिल होंगे। इस भगवा रैली में 500 चौपहिया और 10 हजार दुपहिया वाहन शामिल होंगे। यह रैली जलमहल की पाल से रवाना होकर जोरावर सिंह गेट, सीताराम बाजार, ब्रहमपुरी खुरी, गणगौरी बाजार, छोटी चौपड़, त्रिपौलिया गेट चौड़ा रास्ता होती हुई रामलीला मैदान पर जाकर समाप्त होगी।



टैक्स-छूट और बेहतर रिटर्न के लिए ईएलएसएस में करें निवेश: 1 साल में मिला 26 प्रतिशत से ज्यादा का फायदा

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2023-24 के 5 महीने बीत चुके हैं, ऐसे में अब अपने अब तक टैक्स सेविंग्स प्लानिंग नहीं की है तो इसे जितना जल्दी हो शुरू कर देना चाहिए। अगर आप टैक्स बचाने के साथ निवेश पर अच्छा रिटर्न चाहते हैं तो इन्फ्लेक्शन लिंक्ड सेविंग्स स्कीम यानी ईएलएसएस सही विकल्प साबित हो सकता है। ईएलएसएस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 26 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट -

ईएलएसएस स्कीम में एक वित्त वर्ष में आप 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। यानी ये 1.5 लाख रुपये आपकी कुल टैक्सबल इनकम से घटा जाएंगे।

3 साल का लॉक-इन पीरियड रहता है -

ईएलएसएस में 3 साल का लॉक-इन पीरियड रहता है, यानी आप जो पैसा इसमें इन्वेस्ट करेंगे वो 3 साल बाद ही निकाल सकेंगे। यह इस स्कीम का एक बहुत ही अच्छा फीचर है। अन्य स्कीम की तुलना में

इसका लॉक-इन पीरियड काफी कम है। हालांकि, यह लॉक इन पीरियड समाप्त होने के बाद निवेशक इसे जारी रख सकता है। ईएलएसएस में लम्बे समय के लिए निवेश करना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

500 रुपये से कर सकते हैं निवेश की शुरुआत -

ईएलएसएस में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के जरिए 500 रुपये से भी निवेश की शुरुआत की जा सकती है। वहीं अधिकतम कोई सीमा नहीं है। निवेशकों को इन फंड में दो तरह के ऑप्शन मिलते हैं। इनमें पहला है प्रोथ और दूसरा है डिविडेंड पे

आउट। प्रोथ ऑप्शन में पैसा लगातार स्कीम में रहता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही रहेगा - एक्सपर्ट्स के अनुसार म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी द्वारा निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

न्यूज़ ब्रीफ

रिलायंस ने नवडिआ के साथ की पार्टनरशिप: दोनों कंपनियां मिलकर भारत में एआई इंटेलिजेंस डेवलप करेंगी



मुंबई। भारत में एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई इंटेलिजेंस डेवलप करने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने हाल ही में नवडिआ के साथ पार्टनरशिप की है। इस खबर के सामने आने के बाद रिलायंस का उद्देश्य भारत का अपना खुद का एक बुनियादी लार्ज लैंग्वेज मॉडल डेवलप करना है, जो देश की कई भाषाओं में प्रशिक्षित और जनरेटिव एआई एप्लिकेशन के लिए तैयार हो। इस कारगर के तहत रिलायंस के जनरेटिव एएस और लैंग्वेज मॉडल के लिए नवडिआ चिप और क्लाउड सर्विसेज अवेलेबल करवाएगी। इनका एजीक्यूशन और इंजीनियरिंग जियो के द्वारा मैनेज किया जाएगा। जियो इन्फोकॉम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का यूज किया जाएगा आरआईएल की टेलीकॉम कंपनी जियो इन्फोकॉम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का यूज किया जाएगा। नवडिआ की चेटजीपीटी जैसी सर्विसेज में इस्तेमाल होने वाले क्यूडिटिंग सिस्टम में मजबूत उपस्थिति है। नवडिआ ने एक स्टेटमेंट में कहा, रिलायंस के साथ करार से भारत की विविध भाषाओं पर प्रशिक्षित, भारत के अपने बड़े लैंग्वेज मॉडल की बुनियाद बनेगी और दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के उपयोग के लिए जनरेटिव एआई एप्लिकेशन को डेवलप करने में मदद मिलेगी। ग्रेस हॉपर सुपरचिप और डीजीएक्स क्लाउड अवेलेबल करवाएगी नवडिआ नवडिआ इस करार के जरिए ग्रेस हॉपर सुपरचिप और डीजीएक्स क्लाउड अवेलेबल करवाएगी। डीजीएक्स क्लाउड, इस क्षेत्र में एआई सुपरक्यूडिटिंग सर्विसेज है। स्टेटमेंट में आगे कहा गया, रिलायंस अपने 45 करोड़ जियो कस्टमर्स के लिए एआई एप्लिकेशन और सर्विसेज को डेवलप करेगी और पूरे भारत में स्टार्टअप, डेवलपर्स और वैज्ञानिकों को एनजी-पफिशिएंट एआई इंटेलिजेंस अवेलेबल करवाएगी।

छोटे सेमीकंडक्टर में कई किलोमीटर लंबे तार की वायरिंग, वैष्वाव ने बताई चिप की बारीकियां

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्वाव ने चिप निर्माण की बारीक प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा, इसमें सबसे पहले डिस्क के आकार के सिलिकॉन वेफर का निर्माण किया जाता है। चिप को वेफर के शीर्ष पर बनाया जाता है फिर जटिल प्रक्रिया से हर चिप को वेफर से बाहर निकाला जाता है। इसमें बिजली आपूर्ति की प्रक्रिया अपनाई जाती है। एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि बीडी में बहुत सारी वायरिंग करनी होती है और बिजली की आपूर्ति को एक अलग प्रक्रिया द्वारा ताकत देनी होती है। इस चिप में कुछ ऐसा होगा, जो वेफर से निकाला जाता है। वेफर से एक बहुत छोटी सी चीज निकाली गई है, फिर इसे एक पूर्ण बीडी दी गई है। इस आकार की एक चिप में कई किलोमीटर लंबी वायरिंग होगी। चिप निर्माण की प्रक्रिया पांच या छह मंजिला इमारत बनाने जैसी है, जिसमें सीडी, लिफ्ट, बिजली कनेक्शन आदि होते हैं। बिल्डिंग की तरह ठीक इसी प्रकार चिप भी बनाएजाते हैं। अश्विनी वैष्वाव ने बताया कि ऐसी ही चिप भारत में भी बनने वाली है। टैट, मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट, ऑटोमोबाइल्स में अभी तक आयातित चिप के इस्तेमाल हो रहे थे लेकिन, जब जल्द ही इनका निर्माण भारत में होगा तो इसकी कीमत कम हो जाएगी।



एनएसई डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस वायदा पर विकल्प पेश करेगा



नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने कहा कि वह अपने जिंस डेरिवेटिव खंड में एनवाईएमईएस डब्ल्यूटीआई कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस वायदा अनुबंध से जुड़े विकल्प पेश करेगा। एक्सचेंज ने इन अनुबंधों को पेश करने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) से मंजूरी ले ली है। एनएसई ने कहा कि वायदा अनुबंधों पर विकल्प जोड़ने से समग्र जिंस खंड में एनएसई की उत्पाद पेशकश को बढ़ावा मिलेगा। ये अनुबंध बाजार सहभागियों को अपने जिंस जोखिम को प्रबंधित करने का अधिक कुशल तरीका प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं।

11 सितंबर से खुल रही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सीरीज

1 ग्राम सोने की कीमत 5,873 रुपये, ऑनलाइन ऑफलाइन दोनों तरह से लगा सकते हैं पैसा

नई दिल्ली।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2023-24 की दूसरी सीरीज सोमवार यानी 11 सितंबर से खुल रही है। इसमें 15 सितंबर तक निवेश कर सकते हैं। इस बार के लिए सोने की कीमत 5,923 रुपये प्रति 1 ग्राम तय की है। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से निवेश किया जा सकता है। ऑनलाइन अप्लाय करने पर 50 रुपये की छूट मिलती है, यानी आपको ये 5,873 रुपये प्रति ग्राम का पड़ेगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश करते हैं।

तय है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड -

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। यदि बॉन्ड पांच ग्राम सोने का है, तो पांच ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है।

24 कैरेट यानी 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। एसजीबी में निवेश पर 2.50 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर बॉन्ड के बदले लोन भी लिया जा सकता है।

भारतीय बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन लिमिटेड के फ्लिपस्ट्रेट के आधार पर बॉन्ड की कीमत तय होती है। इसमें सब्सक्रिप्शन पीरियड



से पहले वाले हफ्ते के आखिरी तीन दिनों के रेट का एवरेज निकाला जाता है।

शुद्धता और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं

एसजीबी में शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है।

अधिकतम 4 किलो सोने में कर सकते हैं निवेश

एसजीबी के जरिए कोई शख्स एक वित्त वर्ष में कम से कम 1 ग्राम और अधिकतम 4 किलोग्राम सोने में निवेश कर सकता है। जाईट होल्डिंग के मामले में 4 किलोग्राम की निवेश

सीमा पहले आवेदक पर ही लागू होगी। वहीं किसी ट्रस्ट के लिए खरीद की अधिकतम सीमा 20 किलो है।

8 साल से पहले बॉन्ड बेचने पर देना होता है टैक्स

सॉवरेन का मैच्योरिटी पीरियड 8 साल रहता है। मैच्योरिटी पीरियड पूरा होने के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता। वहीं अगर आप 5 साल बाद अपना पैसा निकालते हैं, तो इससे होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में 20.80 प्रतिशत टैक्स लगता है।

ऑफलाइन भी कर सकते हैं निवेश

आरबीआई ने इसमें निवेश के लिए कई तरह के विकल्प दिए हैं। बैंक की शाखाओं, पोस्ट ऑफिस, स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए इसमें निवेश किया जा सकता है। निवेशक को एक आवेदन फॉर्म भरना

होगा। इसके बाद आपके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे और आपके डीमैट खाते में ये बॉन्ड ट्रान्सफर कर दिए जाएंगे। निवेश करने के लिए पैसा होना अनिवार्य है। यह बॉन्ड सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचे जाएंगे।

7 सालों में दिया 120 प्रतिशत कारिटरन

2015-16 में जब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को लॉन्च किया गया था, तब इसका प्रति ग्राम भाव 2,684 रुपये था। इस पर 50 रुपये का डिस्काउंट था। यानी, भाव 2,634 रुपये हो गया था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की अभी जो सीरीज लॉन्च हुई है, उसका भाव 5,923 रुपये है। 50 रुपये डिस्काउंट के साथ यह भाव अब 5,873 रुपये पर पहुंच गया है। इस तरह से पिछले 7 सालों में इस स्कीम से करीब 120 प्रतिशत का रिटर्न मिला है।

इसमें निवेश करना कैसा रहेगा

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि सोने में लम्बे समय के लिए निवेश सही रहता है, क्योंकि इससे इस पर होने वाले उतार चढ़ाव का असर नहीं होगा और आपको सही रिटर्न मिल सकेगा। सोने में कम से कम 3 से 5 साल के लिए रिटर्न करना सही रहेगा। एक साल में यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

बिकने जा रही देश की सबसे पुरानी फार्मा कंपनी सिप्ला, दो भारतीय कंपनियों ने लगाई बोली



मुंबई।

देश की फार्मा सेक्टर में बड़ा नाम कमा चुकी सिप्ला के प्रमोटर्स ने अपनी हिस्सेदारी बेचने का ऐलान कर दिया है। इसके सिप्ला को खरीदने के लिए दो बड़ी फार्मा कंपनियों ने बोली लगाने की तैयारी भी कर ली है।

सिप्ला कंपनी की नींव आजादी से भी पहले साल 1935 में ख्वाजा अब्दुल हमीद ने रखी थी, जो गांधी जी के आदर्शों को बहुत मानते थे। साल 1972 में उनकी मौत होने के बाद युसुफ हमीद और उनके भाई मुस्तफा हमीद ने इसकी जिम्मेदारी संभाली। युसुफ फिलहाल 2.7 अरब डॉलर वाली सिप्ला कंपनी के नॉन एजीक्यूटिव चेयरमैन हैं। 30 जून, 2023 तक सिप्ला कंपनी में हमीद परिवार यानी प्रमोटर्स की कुल हिस्सेदारी 33.4 फीसदी थी, जो फिलहाल कंपनी में सबसे ज्यादा है। फिलहाल सिप्ला कंपनी को खरीदने की रेस में दो फार्मा कंपनियां हैं। एक अहमदाबाद की

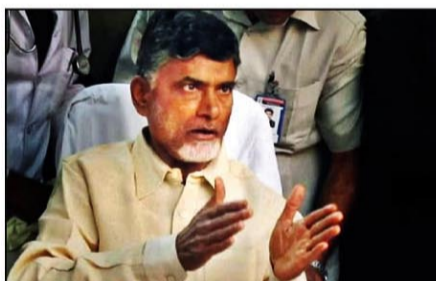
टोरेंट फार्मा है, जिसे साल 1959 में यूएन मेहता ने शुरू की थी। दूसरी है हैदराबाद की डॉ रेड्डीज है, जिसे साल 1984 में के. अंजी रेड्डी ने शुरू की थी। दोनों ही भारतीय कंपनियों को सिप्ला की ऑर्थोडॉक्सिटी के बारे में पता है और दोनों जानती है कि एक बड़ा उपभोक्ता वर्ग इस कंपनी को काफी भरोसा करता है। वहीं प्राइवेट इन्फ्रिटी फर्म बेन कैपिटल जिसने डॉ रेड्डीज के साथ मिलकर सिप्ला को खरीदने की प्लानिंग बनाई है। वहीं, प्राइवेट इन्फ्रिटी फर्म ब्लैकस्टोन ने पहले ही टोरेंट के साथ मिलकर सिप्ला के लिए बोली लगा दी है। अब दोनों ही कंपनियां अपने-अपने पार्टनर्स के साथ मिलकर कंपनी खरीदने की तैयारी में हैं। अगर रेड्डीज इस हिस्सेदारी को खरीदने में सफल हो जाती है, तब वह देश की नहीं, विश्व की कई बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ देगी। ऐसा कहा जाता है कि सिप्ला ने भारतीय वया मार्केट को काफी फायदा दिया है। इस कंपनी ने अपनी दवाओं की कीमतों को थामे रखा और बाकी कंपनियों को थामे प्रतिस्पर्धा ध्यान में रखते हुए अपनी कीमतों न बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

550 करोड़ के कौशल विकास निगम घोटाले में गिरफ्तारी के समय बस में सो रहे थे नायडू, पुलिस ने कही ये बात

नई दिल्ली।

आंध्र प्रदेश के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के प्रमुख एन संजय ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू को कौशल विकास निगम में धन की कथित हेराफेरी से जुड़े 550 करोड़ रुपये के घोटाले के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। नायडू की गिरफ्तारी के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए पुलिस अधिकारी ने कहा कि जांच में यह पाया गया कि धन की हेराफेरी से नायडू और तेदेपा को लाभ मिला।

उन्होंने कहा, पूरी योजना के पीछे के मुख्य साजिशकर्ता, जिसने सुबोटा कंपनियों के जरिये सरकार से निजी संस्थाओं में सार्वजनिक धन के हस्तांतरण की साजिश रची, उसने सारा काम नारा चंद्रबाबू नायडू के



नेतृत्व में किया। नंदयाल शहर के ज्ञानपुरम स्थित आर के फंक्शन हॉल के बाहर से हुई गिरफ्तारी

सीआईडी प्रमुख ने कहा कि नायडू के पास समय-समय पर सरकारी आदेश जारी करने और समझौता ज्ञापन के लिए लेनदेन की विशेष जानकारी थी, जो उन्हें जांच के केंद्र में खड़ा करती है। नायडू को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह सभी सुविधाओं से लैस अपनी बस में सो रहे थे।

पुलिस ने बताया कि सीआईडी के दल ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री को सुबह करीब छह बजे नंदयाल शहर के ज्ञानपुरम स्थित आर के फंक्शन हॉल के बाहर से गिरफ्तार किया, जहां उनकी बस खड़ी थी।

4 रुपए किलो पर आया टमाटर: सही दाम न मिलने से किसान इसे सड़कों पर फेंक रहे, जुलाई में ये 250 किलो बिका

नई दिल्ली।

जून में 250 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर अब रिटेल बाजार में 15 रुपये किलो पर आ गया है। इसके दाम गिरने से किसानों को नुकसान हो रहा है। वहीं किसानों के अनुसार थोक में इसके दाम 4 से 5 रुपये प्रति किलो पर आ गए हैं। किसानों का कहना है लागत भाड़ा और मजदूरी भी नहीं निकल पा रही है। इसलिए किसान मंडी ना जाने वाले टमाटर को फेंक रहे हैं। व्यापारी भी मार्केट में बहुत कम आ रहे हैं।

सरकार से एक्सपोर्ट बढ़ाने की मांग

किसानों की मांग है कि सरकार टमाटर के एक्सपोर्ट बढ़ाए। भारत का टमाटर बांग्लादेश, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सऊदी अरब और ओमाना सहित कई देशों में जाता है। एक्सपोर्ट बढ़ने से किसानों में सही दाम मिलने की उम्मीद है।

टमाटर के दामों में कमी के मुख्य



कारण

देश में बाढ़ के हालात नहीं रहे इससे सर्जियों को नुकसान नहीं हो रहा। टमाटर की नई फसल आ गई है जो अच्छी रही है, इससे दाम कम हुए हैं। सरकार ने नेपाल से टमाटर एक्सपोर्ट किया, इससे भी दामों में गिरावट आई। जुलाई-अगस्त में 250 रुपये पर पहुंच गया था टमाटर इससे पहले जून में देशभर में हुई भारी बारिश के कारण टमाटर की कम आवक कम होने से जुलाई-अगस्त में इसके भाव 250 रुपये प्रति किलो पर पहुंच

गाए थे। तक कई कई किसान ऊंचे दामों पर टमाटर बेच कर करोड़पति हो गए थे।

चीन के बाद भारत सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश

नेशनल हॉर्टिकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश भारत है। ये करीब 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ करीब 2 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है। चीन 5.6 करोड़ टन उत्पादन के साथ टॉप पर है।

भारत में साल 2021-22 में 2 करोड़ टन से ज्यादा टमाटर का उत्पादन हुआ था। यहाँ मुख्य तौर पर दो तरह के टमाटर उगाए जाते हैं। हाइब्रिड और लोकल। मध्य प्रदेश देश में सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक राज्य है। इसके बाद सर्वाधिक टमाटर उगाने वाले राज्यों में आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा और गुजरात का नंबर है।

अगले हफ्ते ओपन होंगे दो आईपीओ

आरआर केबल और सैम्ही होटल्स में निवेश का मौका, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,490

मुंबई।

अगले हफ्ते शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए 2 इनिशियल पब्लिक ऑफर ओपन होंगे। इसमें आरआर केबल लिमिटेड और सैम्ही होटल्स लिमिटेड शामिल है। आइए इन दोनों कंपनियों के आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

आरआर केबल लिमिटेड

आरआर केबल लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 1,964.01 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 180.00 करोड़ के 1,739,130 फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। इसके साथ ही 1,784.01 करोड़ के 17,236,808 शेयर कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे।

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 13



सितंबर से 15 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। 26 सितंबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक

एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

मैक्सिमम 182 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक आरआर केबल लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 983-1035 तय किया है। रिटेल निवेशकों को लॉट यानी 14 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 1035 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,490 इन्वेस्ट करने होंगे।

वहीं इसके लिए रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 182 शेयरों के लिए अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइस बैंड के हिसाब से 188,370 खर्च करने होंगे।

वायर और केबल मैनुफैक्चरिंग कंपनी है आरआर केबल

आरआर केबल वायर और केबल मैनुफैक्चरिंग कंपनी है। जून तिमाही में वायर और केबल सेगमेंट में कंपनी की 71 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसके साथ ही कंपनी फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिकल गुड्स भी बनाती है, जिसमें पंपे, लाइट, रिक्च सहित अन्य इलेक्ट्रिकल प्रोडक्ट

शामिल हैं।

सैम्ही होटल्स लिमिटेड

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 14 सितंबर से 18 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। 127 सितंबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। हालांकि, अभी तक कंपनी ने आईपीओ के प्राइस बैंड जारी नहीं किए हैं।

जल्द ही कंपनी अपने आईपीओ का इश्यू साइज और प्राइस बैंड जारी करेगी। इसके बाद ही आईपीओ के मिनिमम आर मैक्सिमम बिडिंग शेयर और अमाउंट के बारे में जानकारी सामने आएगी।

भारत के 12 शहरों में होटल चलाती है कंपनी

सैम्ही होटल्स लिमिटेड वर्तमान में दिल्ली, बंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और पुणे सहित भारत के 12 शहरों में होटल चलाती है। इसके साथ ही कंपनी का एक होटल कोलकाता बन रहा है।

अनुपम खेर बनाने जा रहे हैं 540वीं फिल्म कैलरी, शूटिंग शुरू

मुंबई (ईएमएस)। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर कैलरी नामक फिल्म बनाने जा रहे हैं। उन्होंने अपनी 540वीं फिल्म कैलरी की शूटिंग भी शुरू कर दी है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि फिल्म कनाडाई निर्देशक ईशा मरजापा द्वारा निर्देशित है। इसकी शूटिंग अमृतसर और मॉन्ट्रियल में की जा रही है। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना पगड़ी वाला लुक साझा किया। उन्होंने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ एक तस्वीर भी शेयर की। उन्होंने लिखा है कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने अपनी 540वीं प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। कैलरी एक कनाडाई फिल्म है, जो समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कनाडाई निर्देशक ईशामरजापा द्वारा निर्देशित और जोबालास द्वारा निर्मित है। फिल्म



की शूटिंग अमृतसर और मॉन्ट्रियल में हुई है। अनुपम ने कहा कि इस मानवीय त्रासदी की पटकथा ने मेरे दिल को गहराई तक छू लिया। अभिनेता अनुपम खेर अगली बार विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित एक मेडिकल थ्रिलर द वैक्सीन वॉर में दिखाई देंगे। यह भारत में कोविड-19

महामारी के दौरान कोविक्सन के विकास की सच्ची कहानी बताती है। फिल्म में नाना पाटेकर, पल्लवी जोशी, राहमा सेन, गिरिजा ओक, निवेदिता भट्टाचार्य, सप्तमी गौड़ा और मोहन कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके बाद खेर द सिग्नेचर में नजर आएंगे।

शरद मल्होत्रा से ब्रेकअप के बाद बच्चा अडॉप्ट करने का सोच रही थी दिव्यांका

मुंबई (ईएमएस)। दिव्यांका त्रिपाठी टेलीविजन इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम है। टीवी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली दिव्यांका को फिक्शन शो बन चुके थेरी दुल्हन से घर-घर में पहचान मिली। इस शो में ही उनकी मुलाकात टीवी अभिनेता शरद मल्होत्रा से हुई थी। ऑन-स्क्रीन दोनों का रोमांटिक रूप दिखा ही, लेकिन शो के सेट से ही असल जिंदगी में दोनों के प्यार की कहानी शुरू हुई थी। हालांकि, आठ साल एक साथ रहने के बाद दोनों की राहें जुदा हो गईं। जिससे दिव्यांका काफी टूट गई थीं। हाल ही में दिव्यांका ने बताया कि पति विवेक दहिया की जिंदगी में आने से पहले ही वह मां बनने के बारे में सोच चुकी थीं। दिव्यांका ने इंटरव्यू में शरद मल्होत्रा से अपने ब्रेकअप पर खुलकर बातचीत की। इस दौरान दिव्यांका ने बताया कि अगर विवेक दहिया के जिंदगी में आने से पहले उन्होंने कैसे मां बनने पर विचार किया था। इतना ही नहीं दिव्यांका ने खुलासा किया कि अगर उनकी जिंदगी में उस समय पर विवेक दहिया नहीं आए होते, तब वह एक बच्चा अडॉप्ट कर लेती, क्योंकि उन्हें उस समय प्यार और साथ दोनों चाहिए था। जरूरी नहीं है कि किसी का साथ सिर्फ एक तरह का हो, जब विवेक मेरी जिंदगी में आए तब मेरी लाइफ पूरी तरह से बदल गई। बता दें कि दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया



की मुलाकात एकता कपूर के शो थेरी मोहब्बत के सेट पर एक कॉमन फ्रेंड के जरिये हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई और जल्द ही दोनों की बतों में दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया

दौरान दोनों की डेटिंग के बारे में कम लोगों को ही पता था। कुछ टाइम तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया ने 8 जुलाई साल 2016 में शादी कर

ली। बीच में टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की खबरों ने खूब जोर पकड़ा था। हालांकि, दिव्यांका ने अपने प्रेग्नेंसी की खबरों को क्लियर कर दिया था।

राकेश रोशन मना रहे अपना 74वां जन्मदिन

मुंबई (ईएमएस)। महारू बॉलीवुड एक्टर व डायरेक्टर राकेश रोशन आज 74वां साल के हो गए। वे आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। राकेश रोशन ने डायरेक्शन की दुनिया में भी बड़ा मुकाम हासिल किया। वे अपने लुक्स की वजह से हमेशा चर्चा में रहे चाहे एक्टिंग करते हुए उनके लंबे बाल और कंजी आंखें हो या फिर उनका बाल्ड लुक। लेकिन क्या आप जानते हैं राकेश रोशन ने अपना सिर क्यों मुंडवा लिया था। आइए इस मौके पर जानते हैं उनके इस फैसले की वजह। गौर करने वाली बात ये है कि शुरूआती दिनों में उनके बाल काफी लंबे और घने हुआ करते थे। लेकिन डायरेक्टर बनने के बाद उन्होंने अपना सिर मुंडवा लिया था। इसके पीछे एक खास वजह थी। दरअसल, राकेश रोशन ने एक फिल्म के लिए मन्नत मांगी थी जिसके बाद उनकी फिल्म को अच्छा रिसांस मिला और फिल्म



तरफ अपना रुख कर लिया। उनकी डायरेक्ट की गई पहली फिल्म थी खुदगर्ज थी। इसके बाद उन्होंने कमजोर डायरेक्ट की और ये फिल्म काफी हिट हुई। हालांकि, उनकी अगली फिल्म जाग उठा इंसान डायरेक्ट की लेकिन अफसोस ये फिल्म नहीं चल पाई और बुरी तरह फ्लॉप हुई। लेकिन किसी ने उन्हें फिल्मों के लिए लेटर का इस्तेमाल करने को बोला। राकेश ने वैसा ही किया और उनकी फिल्म हिट होने लगी।

रफ अपना रुख कर लिया। उनकी डायरेक्ट की गई पहली फिल्म थी खुदगर्ज थी। इसके बाद उन्होंने कमजोर डायरेक्ट की और ये फिल्म काफी हिट हुई। हालांकि, उनकी अगली फिल्म जाग उठा इंसान डायरेक्ट की लेकिन अफसोस ये फिल्म नहीं चल पाई और बुरी तरह फ्लॉप हुई। लेकिन किसी ने उन्हें फिल्मों के लिए लेटर का इस्तेमाल करने को बोला। राकेश ने वैसा ही किया और उनकी फिल्म हिट होने लगी।

शादी के 5 साल बाद पेरेंट्स बने पंखुड़ी और गौतम

छोटे परदे के हॉट जोड़ी पंखुड़ी अवस्थी और गौतम रोडे अपनी शादी के 5 साल बाद जुड़वा बच्चों के पेरेंट्स बने हैं। गत 25 जुलाई को पंखुड़ी ने दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर बच्चों के नामकरण संस्कार की एक वीडियो शेयर की है, जो खूब वायरल हो रही है। पंखुड़ी अवस्थी ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर नामकरण संरेमनी का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में पंखुड़ी अपने पति गौतम के साथ बैठी नजर आ रही हैं। नामकरण के लिए पूजा की जा रही है। इस पूजा ने कपल के फैमिली मेंबर्स भी नजर आ रहे हैं। इस दौरान कपल बेहद खुश लग रहा



है। वर्क फ्रंट की बात करें तो पंखुड़ी अवस्थी ने 2020 में बॉलीवुड डेब्यू किया था। वो फिल्म शुभ मंगल ज्यदा साधना में नजर आई थीं। इसके अलावा वह मैडम सर, ये रिश्ता क्या कहलाता है, लाल इश्क, कौन है?, सूर्यपुत्र कर्ण जैसे शो में भी काम कर चुकी हैं। बता दें कि पंखुड़ी अवस्थी ने बेबी बॉल और बेबी बॉय को जन्म दिया है।

जोरदार हंसी-मजाक का अनुभव होगा थैंक यू फॉर कर्मिंग में

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर की थैंक यू फॉर कर्मिंग, ने अपने मनोरंजक पोस्टरों के साथ एक उत्साह पैदा कर दिया है। ट्रेलर गारंटी देता है, कि यह एक जोरदार हंसी-मजाक का अनुभव होगा, जिससे दर्शक उत्साह से रोमांचित हो जाएंगे। इस फिल्म को प्रतिभाशाली करण बुलानी द्वारा निर्देशित किया गया है, जिसमें भूमि पेडनेकर, शहनज लिल, डॉली सिंह, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, प्रधुम सिंह मॉल, नताशा रस्तोगी, गौतमिक, सुशांत दिवगीकर, सलानी दैनी, डॉली अहलवालिया, करण कुंद्रा जैसे शानदार कलाकारों के साथ अनिल कपूर भी विशेष उपस्थिति में शामिल हैं। यह 46वें टॉरॉन्टो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 में एक महान ग्रैंड गैला विश्व प्रीमियर के लिए चुनी गई एकमात्र हिंदी फीचर फिल्म है, जिसे 15 सितंबर 2023 को प्रतिष्ठित रॉय थॉमसन हॉल में आयोजित किया जाएगा। इसके ट्रेलर में हमने कनिका कपूर के किरदार को पेश किया है, जिसे भूमि पेडनेकर ने निभाया है, जो तीस साल की एक महिला है, जो अराजकता से भरी जिंदगी से जूझ रही है। यह फिल्म प्यार, दोस्ती और आनंद के विषयों को सबसे प्रफुल्लित करने वाले तरीके से पेश करती है। निर्देशक करण बुलानी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, मेरे जीवन के दौरान मुझे

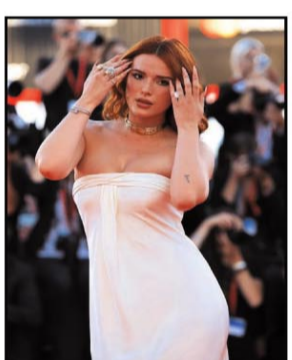


बहुत ही श्रेष्ठ महिलाओं के बीच रहने का सौभाग्य मिला है, और मुझे इस फिल्म को निर्देशित करके बहुत गर्व हो रहा है। एक पुरुष के रूप में, थैंक यू फॉर कर्मिंग ने मुझे इच्छा, प्यार और स्वीकृति के आसपास के महिला अनुभव के बारे में बहुत कुछ सिखाया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को फिल्म देखने में उतना ही मजा आएगा जितना हमें इसे बनाने में आया था। निमार्ता रिया कपूर ने साझा किया, मुझे गर्व है और मैं भाग्यशाली महसूस करती हूँ, कि मैंने दुनिया भर की अद्भुत लड़कियों के लिए इन बड़े बाधाओं के खिलाफ जाने का संघर्ष किया है। मेरी एकमात्र आशा है कि यह एक आम बात बन जाए, और किसी को और भी भाग्यशाली होने की आवश्यकता न हो। थैंक यू फॉर कर्मिंग एक फिल्म है जो मेरे दिल से निकली है। यह हर एक लड़की से प्रेरित है जो मेरे चारों ओर है। इस फिल्म में बहुत से ऐसे लोग हैं जिनसे

में प्यार करती हूँ। मैं सचमुच उम्मीद करती हूँ कि फिल्म के संदेश से सभी सहमत है, साथ ही उन्हें मनोरंजन और खुशी भी मिलती है। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और अनिल कपूर फिल्म कम्प्यूनिवेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, करण बुलानी द्वारा निर्देशित और राधिका आनंद और प्रशास्ति सिंह द्वारा लिखित, थैंक यू फॉर कर्मिंग को दुनिया भर के सिनेमाघरों में 6 अक्टूबर 2023 को रिलीज किया जाएगा। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक एकता आर कपूर ने बताया, रिया और मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि हम महिलाओं को सशक्त करने के साथ मनोरंजन करने वाली कहानियां सुनाएं। थैंक यू फॉर कर्मिंग का विषय आज के समय में बात करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, और मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व है कि हम ऐसी कहानी कह सके।

बेला का ऑफ शोल्डर गाउन में दिखा बाल्ड लुक

गत दिनों हॉलीवुड एक्ट्रेस बेला थॉर्न को 80वें वेनिस फिल्म फेस्टिवल के दौरान प्रिसिला के प्रीमियर में देखा गया। इस दौरान वह ब्लाइट लुक में अपने मंगेतर मार्क एम्स संग नजर आईं। उनकी ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान गेम ऑफ लव एक्ट्रेस ऑफ-द-शोल्डर ब्लाइट आइवरी गाउन में काफी बाल्ड दिखाईं। नेक पर चोकर और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया। वहीं उनके मंगेतर मार्क ब्लाइट ब्लेजर



और ब्लैक पैट में काफी डेशिंग दिखे।

अपने मंगेतर के साथ एक्ट्रेस रेड कार्पेट पर जबरदस्त पोज देती दिखाईं। वहीं कई तस्वीरों में वह अकेले कैमरे के सामने अपना क्लियर फिगर फ्लॉट करते हुए पोज देती दिखाईं। फैंस को कपल की ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं। काम की बात करें तो बेला थॉर्न को आखिरी बार साल 2022 में फिल्म मेजर ऑफ रिवेज और गेम ऑफ लव में देखा गया था। बता दें कि हॉलीवुड एक्ट्रेस बेला थॉर्न अक्सर अपने लुक्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं।

फिल्म सुखी का ट्रेलर रिलीज

फिल्म सुखी का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। यह फिल्म एक्ट्रेस शिल्पा शेटी कुंद्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म है, जिससे प्रशंसक और फिल्म दर्शक बेहद खुश हैं। फिल्म सुखी में शिल्पा शेटी कुंद्रा मुख्य भूमिका में हैं, जो पारंपरिक बॉलीवुड फिल्मों से हटकर है। इसके बजाय यह फिल्म एक नवीन और दिलचस्प कहानी पेश करती है, जो मानवीय रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करती है। ट्रेलर एक असाधारण प्रतिभाशाली कलाकारों का परिचय

देता है, जिसमें इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन एक्टर्स अमित साध, चेतन्य चौधरी, किरण कुमार और कुशा कपिला शामिल हैं। फिल्म 22 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। सुखी का ट्रेलर शानदार प्रदर्शन से परे सिनेमाई अनुभव का वादा करती है सुखी के अलावा शिल्पा शेटी कुंद्रा अब फिल्म केडी और रोहित शेटी की ड्रिडन पुलिस फोर्स में भी दिखाई देंगी, जहां वह पहली फीमेल कॉप की भूमिका निभाएंगी।

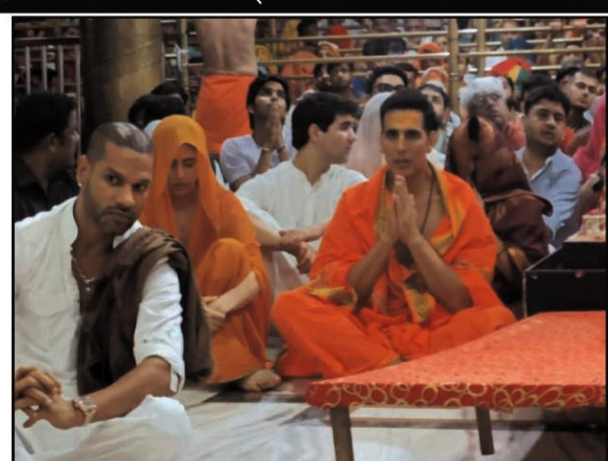
अभिनेता अक्षय, खिलाड़ी शिखर और साइना ने किए महाकाल के दर्शन

अक्षय का बेटा आरव, भांजी सिमर और बहन अलका भी आई

भोपाल (ईएमएस)। प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में भगवान महाकाल के मंदिर में दर्शन करने फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार आए। उनके साथ बेटा आरव, भांजी सिमर और बहन अलका भी थे। अभिनेता अक्षय अपने जन्मदिन पर महाकाल मंदिर पहुंचे। आज अक्षय का जन्मदिन भी है। यहां उन्होंने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। उनके अलावा भस्म आरती दर्शन के लिए क्रिकेटर शिखर धवन और बैडमिंटन खिलाड़ी साहना नेहवाल भी मंदिर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि हाल में रिलीज हुई फिल्म ओ

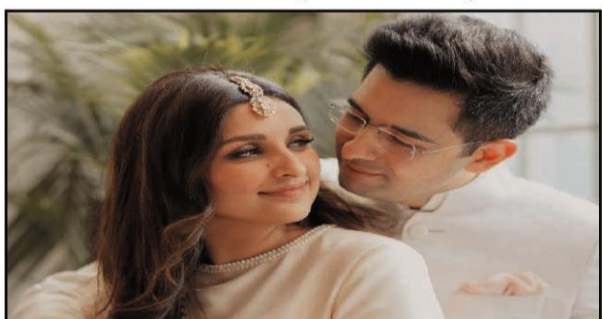
माय गाड-2 की शूटिंग उज्जैन के महाकाल मंदिर में भी हुई थी। तब अक्षय कुमार उज्जैन आए थे और बाबा महाकाल की पूजा की थी। उन्होंने फिर से उज्जैन आने का कहा था। शनिवार देर रात दो बजे अक्षय महाकाल मंदिर पहुंचे। यहां पारंपरिक वेशभूषा धोती-कुरते में अक्षय ने नंदी हाल से भस्म आरती दर्शन किए। आरती के दौरान अक्षय भक्ति के रस में डूबते नजर आए। उन्होंने आने वाली फिल्म मिशन रानीगंज की सफलता के लिए प्रार्थना भी की। शिखर धवन भी उनके साथ बैठे थे। पंडित आशीष शर्मा ने बताया कि

अक्षय को महाकाल मंदिर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। तब आरती के बाद बैडमिंटन खिलाड़ी साहना नेहवाल भी महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचीं। उन्होंने नंदी हाल में बैठकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। महाकाल के दर्शन के बाद में मीडिया से संक्षिप्त चर्चा में अक्षय कुमार ने कहा कि उन्होंने देश की तरक्की को कामना की है। क्रिकेटर शिखर धवन से विश्व कप के विषय में पूछा गया तो अक्षय ने विनोद करते हुए कहा कि ये बहुत छोटी चीज है। हम यू ही जीत जाएंगे। बाबा महाकाल से तो तरक्की मांगी जाती है।



राघव चड्ढा - परिणीति चोपड़ा 23 और 24 सितंबर को रचाएंगे शादी

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आप नेता राघव चड्ढा हिंदू रीति रिवाज के तहत 23 और 24 सितंबर को शादी रचाएंगे। कपल की शादी झीलों के शहर उदयपुर में होगी। मेहमानों के लिए उदयविलास होटल को चुक किया गया है। इस वेडिंग में जहां परिणीति की तरफ से बॉलीवुड की जानी मानी हस्तियां शामिल होंगी, वहीं आप नेता राघव चड्ढा की ओर से कई बड़े राजनेता उनकी शादी में शिरकत करेंगे। लोकसिटी की प्रमुख पांच सितारा होटल में शामिल लीला पैलेस और उदयविलास होटल की बुकिंग होने के साथ ही उनकी शादी की थीम को लेकर उन्हें तैयार किए जाने का काम जारी है। सूत्रों के हवाले से पता



चला है शादी समारोह के पहले दिन 23 सितंबर को मेहंदी, हल्दी और लेडीज संगीत होगा। 24 सितंबर को दोनों शादी के पवित्र बंधन में बंधेंगे। परिणीति चोपड़ा के आउटफिट की बात करें तो जिस तरह एक्ट्रेस ने

अपनी इंगेजमेंट में मनीष मल्होत्रा की डिजाइन की हुई ड्रेस पहनी थी, ठीक उसी तरह शादी में भी वह उन्हीं का डिजाइन किया गया लहंगा पहनेंगी। एक्ट्रेस को कई बार मनीष मल्होत्रा के घर के बाहर भी स्पॉट किया गया है।

सूडोकु नवताल - 6548

2				1	
		2	5	7	3
9	4		6	7	2
		4	3		9
8			9		7
1		6		8	2
6		7	4		9
4	5	8	3		
	8			6	

सूडोकु नवताल - 6547 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
 ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
 ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
 ■ पहली का केवल एक ही हल है।

शब्दजाल - 7295

सा म मा यु वा प ना न ह क रा
 हा थि सू ह का ल जी स ल का ज
 रो वी या द अं ल त र म ल टी.
 इ र दा ज ल क न ओ र सु म
 र न क ष ल म मी छ हो नो स्ती
 प मी क्शा स जि स्वा क प म स क
 के ह बु की टी म मी टे डि रु प
 न पू सु पा क पं. सौ ल ली र स
 कं प नी सू ह प ने ने व जी त
 म व म ब फा दी र ह री क थ
 म ह न प्या रे मो ह न ज ल वा

शब्दजाल में विवेक ओबराय की 90 फिल्मों के नाम हटिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

नक्शा, रोड़, साधिया, कंपनी, युवा, ओमकारा, मस्ती, प्यारे मोहन, होम डिलीवरी, काल,

शब्दजाल - 7294 का हल

अ	गो	र	कु	छ	तो	है	म	ला	नी	क्या
न	ल	क	ज	इं	छे	ने	ह	क	जी	कु
बं	मा	आ	व	म	न	इ	व	न	ना	ल
टी	ल	ल	मा	ज	ल	स	र	प	सि	है
औ	मु	झे	कु	छ	क	ह	ना	है	फ	ह
जा	जे	कि	र	यु	द	का	म	मे	म	
या	मा	दे	श	व	ह	स	त	पी	रे	दी
ब	दे	क	तं	न	प	दि	खा	की	लि	श
ली	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	ए	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	र	जा	क्या	दि	ल	ने	क	हा	र	म

अष्टयोग - 6248

4	2	7		3	5	
		33		33	26	7
			4	6		3
5	34	3	30	6	32	
6					5	2
		30	5	33	7	39
1				3		4

अष्टयोग 6247 का हल

7	2	4	6	3	5	1
2	33	2	33	4	26	7
4	5	7	6	1	2	3
3	34	5	40	6	32	6
1	3	6	4	5	7	2
5	30	3	31	7	39	5
6	5	1	3	2	7	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है।

सिगरेट से हुक्का ज्यादा खतरनाक...

इन दिनों हर छोटे बड़े शहरों और मॉल्स में हुक्का बार या शीशा लाउज पॉपुलर होते नजर आ रहे हैं। युवा हुक्के का एक कश नहीं बल्कि हजार कश लेते हुए देखते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि हुक्का पीना सिगरेट पीने के मुकाबले बिल्कुल भी हानिकारक नहीं होता। लेकिन हुक्के से खींचा गया तंबाकू का धुआं पानी से होता हुआ एक लंबे होज पाइप के जरिए फेफड़ों तक पहुंचता है। पानी के बरतन से होते हुए आने के कारण ही यह एक आम भ्रांति है कि हुक्के का धुआं हानिकारक नहीं होता। सच यह है कि हुक्के से निकलने वाला धुआं

सिगरेट या बीड़ी के धुएं से अधिक घातक होता है। हुक्का पीना सिगरेट की ही तरह हानिकारक है क्योंकि दोनों उत्पाद के अंत में कार्सिनोजन लगा रहता है जो कि एक कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है। हुक्के का स्वाद बदलने के लिए केवल उसमें फ्रूट सीरप मिलाया जाता है जिससे उसके फ्लेवर में बदलाव आ जाता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हुक्के में किसी भी प्रकार का फल मिलाया गया हो। इसलिए यह आशा न करें कि हुक्के को पी कर आपको विटामिन मिलेगा।

उच्च रक्तचाप वाले डाइट में करें ये परिवर्तन



रक्तचाप की समस्या सबसे बेकार बीमारी है। स्वास्थ्य एक्सपर्ट का कहना है कि दुर्भाग्यवश ऐसे लोगों की संख्या देश विदेश में बढ़ रही है जिन्हें उच्च रक्तचाप है। और इसे नियंत्रण में लाने का सबसे आसान तरीका है नियमित खान पान जो कारगर हो। उच्च रक्तचाप में दिल जिस वेग से खून छोड़ता है वह बढ़ जाता है। अगर समय पर इसका उपाय न किया गया तो इससे कई और बीमारियां जैसे किडनी की समस्या, धमनी की समस्या और दिल का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों के लिए यह जेनेटिक हो सकता है। पर ज्यादातर समय यह अधिक बैठे रहने वाली जीवन शैली, तनाव और एक्सरसाइज की कमी से शुरू होती है। आपको अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से कई सुझाव मिल जाएंगे कि उच्च रक्तचाप के लिए क्या अच्छा होता है और क्या बुरा। इससे आप और कॉन्फ्यूज हो सकते हैं और कई बार आप गलत खाना खाकर रह जाते हैं। तो उच्च रक्तचाप के लिए सही डाइट क्या होनी चाहिए? अपनी जीवन शैली में बदलाव लाने और डाइट में बदलाव कर आप उच्च रक्तचाप से निजात पा सकते हैं। यहां पर आठ डाइट प्लान बताए गए हैं।

- 1. खाने में नमक की मात्रा कम कर दें-** उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक नुकसान कर सकता है। ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी रहता है जिससे उच्च रक्तचाप हो जाता है। इसलिए ज्यादा नमक वाला खाना जैसे केचप और डिब्बाबंद पेय पदार्थ और खाने से बचना चाहिए।
- 2. प्रोसेस्ड फूड न लें-** प्रोसेस्ड फूड जैसे ब्रेड, प्रोसेस्ड मीट और पैक किए हुए खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह ब्लड प्रेशर के स्तर को बढ़ाता है।
- 3. तेल कम खाएं-** जितना हो सके कम तेल का इस्तेमाल करें। तेल में फैट ज्यादा होते हैं जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है जिससे ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है।
- 4. अल्कोहल से बचें-** शराब में खाली कैलोरीज होते हैं। ज्यादा पीने से ना सिर्फ वजन पर ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है। इससे रक्त धमनियां संकुचित भी हो जाती हैं।
- 5. कॉफी कम पीएं-** कॉफी में कैफीन होता है जो ब्लड प्रेशर के स्तर को तुरंत बढ़ा देता है। इसलिए रोज कॉफी नहीं पीनी चाहिए। हालांकि, कभी कभार आप कॉफी पी सकते हैं।
- 6. धूम्रपान न करें-** सिगरेट में निकोटीन होता है जो बुरा होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और धमनियां संकुचित होती हैं। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए धूम्रपान से बचना जरूरी है।
- 7. पशु उत्पाद लेना बंद कर दें-** पशु उत्पाद जैसे मीट, प्रोसेस्ड मीट, अंड और बटर में फैट होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल तो बढ़ता ही है, साथ ही साथ रक्तचाप भी बढ़ जाता है।
- 8. खाने में साबुत ग्रेन को शामिल करें-** साबुत ग्रेन में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल और फैट पिघल जाता है और धमनियों में जमा नहीं होता। इससे खून आराम से धमनियों में बहता है और रक्तचाप भी काबू में रहता है।



सिर्फ पुरुष ही क्यों होते हैं

गंजेपन के शिकार

आए दिन मेट्रो, बस और अपने ऑफिस में आपको कोई ना कोई पचास साल से ऊपर गंजा इंसान दिख ही जाता होगा। क्या आपने कभी नोटिस किया है कि केवल आपको गंजे पुरुष ही दिखने को मिलते हैं। गंजी महिलाएं आपने शायद ही देखी हों, और जो देखी भी होगी वे किसी न किसी बीमारी के कारण हुई होंगी।

क्या आपने कभी सोचा है कि केवल पुरुष ही क्यों गंजेपन का शिकार होते हैं? तो इसका जवाब इस लेख में जानिए। पुरुषों की तरह महिलाओं के भी बाल झड़ते हैं। जबकि महिलाएं शायद ही कभी गंजेपन की शिकार होती हैं। दुनिया में केवल इंसान ही

जिनके बाल आते हैं और केवल इंसान ही है जो गंजेपन का शिकार होता है। इंसानों में भी केवल पुरुष ही है जो गंजा होता है। कई बार माना जाता है कि बाल तनाव के कारण झड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या महिलाओं में तनाव नहीं होता?

वहीं कई बार पोषण की कमी भी बालों का झड़ना माना जाता है। अगर ऐसा है तो महिलाएं ज्यादा कुपोषित होती हैं और अच्छी से अच्छी खाते-पीती घर की महिलाओं में हीग्लोबिन की कमी होती है। ऐसे में तो फिर महिलाओं के बाल ज्यादा झड़ने चाहिए। लेकिन नहीं, बाल केवल पुरुषों के झड़ते हैं और वे ही गंजे होते हैं।



टेस्टोस्टेरोन हार्मोन जिम्मेदार

शरीर पर बाल हार्मोनल बदलावों के कारण उगते हैं और वे झड़ते भी हार्मोन में बदलाव के कारण ही हैं। ऐसे में बालों का आना और जाना मनोविज्ञान या रसायनविज्ञान की जगह जीवविज्ञान का विषय है। गंजेपन पर रिसर्च कर रहे नॉर्वे की बर्गन यूनिवर्सिटी के जीव वैज्ञानिकों ने इसके लिए टेस्टोस्टेरोन नाम के यौन हार्मोन को जिम्मेदार ठहराया है। यह पुरुषों में सावित होने वाले एंड्रोजन समूह का स्टेरॉयड हार्मोन है जिसके कारण पुरुषों में बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। दरअसल इंसान के शरीर में कुछ एंजाइम ऐसे होते हैं जो टेस्टोस्टेरोन को डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन में बदल देते हैं। यही डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन के कारण बाल पतले और कमजोर हो जाते हैं। सामान्यतौर पर हार्मोन में यह बदलाव करने वाले एंजाइम एक इंसान में उसे उसके जीस से प्राप्त हुए होते हैं। इसी कारण गंजेपन को आनुवांशिक भी माना जाता है।

फिर महिलाएं क्यों नहीं होती गंजी

ऐसे में सवाल वही रह जाता है कि महिलाएं क्यों नहीं पूरी तरह से गंजी होतीं? इसका जवाब टेस्टोस्टेरोन हार्मोन में ही छुपा है। दरअसल ये एक मेल हार्मोन है जो पुरुषों में ही पाया जाता है। ये पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नाम मात्र के लिए सावित होता है। और जब ये महिलाओं में अधिक सावित होता है तो महिलाओं में अनचाहे बालों की अधिक मात्रा में आने की समस्या पैदा होती है। इसलिए महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन नाममात्र के लिए सावित होते हैं और इसके साथ एस्ट्रोजन नाम के हार्मोन का भी साव होता है। जिस कारण महिलाओं के शरीर में टेस्टोस्टेरोन के डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन बदलने की प्रक्रिया कम होती है। जिस कारण महिलाओं में बाल कम झड़ते हैं। और जब यही प्रक्रिया कभी गर्भावस्था या मेनोपॉज में बढ़ जाती है तो बाल झड़ने की समस्या उत्पन्न होती है। इसलिए अक्सर महिलाओं को गर्भावस्था और मेनोपॉज में बाल झड़ने की समस्या होती है।

प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का इस्तेमाल बेहतर

अक्सर लोग प्रदूषण और उदर से बचने के लिए मुंह पर स्कार्फ या रुमाल बांधते हैं। इसके पीछे हमारा उद्देश्य धुएं, धूल मिट्टी आदि को अंदर जाने से रोकना होता है। इस सब के बाद हम यह मान बैठते हैं कि प्रदूषण हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता लेकिन यह हमारी गलतफहमी होती है। वैज्ञानिकों के अध्ययन मुताबिक इस तरह के कपड़े कुछ हद तक ही प्रदूषण से बचाव करते हैं, जबकि इनकी तुलना में बाजार में मिलने वाले मास्क कहीं बेहतर होते हैं। शोधकर्ता रिचर्ड पैल्टियर के अनुसार प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क पहनने वाले लोग अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन चिंता इस बात की है कि यदि वे किसी डीजल ट्रक के सामने खड़े हो जाएं तो क्या वे सुरक्षित हैं।

शोधकर्ताओं के दल ने नेपाल में चार प्रकार के मास्क का परीक्षण किया जिनमें कपड़े से निर्मित मास्क का प्रदर्शन बेहतर रहा और यह 80-90 फीसदी कृत्रिम कणों तथा डीजल गाड़ियों से निकलने वाले लगभग 57 फीसदी हानिकारक कणों को दूर रखने में सक्षम रहा। वहीं, मास्क के रूप में इस्तेमाल में लाया गया रुमाल या स्कार्फ 2.5 माइक्रो मीटर से कम आकार के कणों से बचाने में बेहद सीमित तौर पर लाभकारी साबित हुआ, जो बड़े कणों की तुलना में अधिक हानिकारक है, क्योंकि वे फेफड़ों की गहराई तक पहुंच जाते हैं। अध्ययन यह दर्शाता है कि लोगों को यह पता होना चाहिए कि रुमाल या स्कार्फ बेहद सीमित रूप से उनका बचाव करते हैं। लेकिन बात तो यही है कि कुछ नहीं से अच्छा कुछ तो है।

भूल कर भी न मारें बच्चों के सिर पर थप्पड़

बच्चों के शरारत करने पर अक्सर माता पिता सिर पर थप्पड़ मार देते हैं। लेकिन क्या आपने सोचा है कि वह थप्पड़ आपके बच्चे पर कितना भारी पड़ सकता है। जानिए कैसे एक थप्पड़ आपके बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। आम तौर पर माता-पिता गुस्से में बच्चे सिर पर थप्पड़ लगा देते हैं। लेकिन एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि वह एक थप्पड़ आपके बच्चे के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। बच्चों के सिर के पीछे थप्पड़ मारने से उनमें मानसिक समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। यही नहीं संज्ञानात्मक क्षमताओं (कॉग्निटिव एबिलिटी) भी कम होती है। 50 साल के लंबे शोध से पता चला है कि बच्चे के सिर पर थप्पड़ मारने से उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। इस दौरान उन्होंने करीब 1,60,000 बच्चों के जीवन का आंकलन किया। माता-पिता अक्सर ये सोचते हैं कि थप्पड़ मारने से उनके बच्चे सुधर जाएंगे, ये धारणा बिल्कुल गलत है क्योंकि इस तरह का व्यवहार बच्चों को लंबे समय तक नहीं सुधार सकता है।

घरेलू नुस्खों से मिल सकता है आराम अब किडनी स्टोन के दर्द से मिलेगी राहत

किडनी में पथरी या स्टोन के दर्द को बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है, कोई भी व्यक्ति इस दर्द को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं कर सकता है इसलिए कई डॉक्टर दवाइयां देकर इसे यूरिन के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। अगर पथरी ज्यादा बड़ी हो तो डॉक्टर को ऑपरेशन करना पड़ता है, लेकिन अगर आप भी किडनी के स्टोन के दर्द से परेशान हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपनाकर किडनी के स्टोन से राहत पा सकते हैं।

अब किडनी स्टोन के दर्द से मिलेगी राहत



कैल्शियम से भरपूर खाना
तुलसी के पत्तों का सेवन करने से किडनी के स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों को चबाना, तुलसी की चाय बनाकर पीना, तुलसी के रस में शहद मिलाकर पीने से स्टोन से राहत मिलती है। किडनी में स्टोन की समस्या से राहत पाने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए, जो स्टोन को तोड़ने और बाहर निकालने में मदद करते हैं। दूध, मक्खन, तरबूज का सेवन करना लाभकारी साबित हो सकता है।

नींबू, ओलिव ऑयल और पानी
नींबू का रस चौथाई कप निकालकर उसमें उतना ही ओलिव आयल मिलाकर इसका सेवन करने के बाद पानी पीना चाहिए। दिन में 2 बार ऐसा करने से किडनी स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। किडनी में स्टोन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम 10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से किडनी में से स्टोन यूरिन के रास्ते बाहर निकल जाता है।

अनार और अजवाइन भी फायदेमंद
फलों का सेवन करना वैसे भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है, लेकिन स्टोन की समस्या होने पर अनार या अनार का जूस पीने से स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। वहीं अजवाइन का सेवन करने से पेट संबंधित कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन किडनी में स्टोन होने पर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

लहरों के बीच बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल के बच्चे काफी सोच समझकर अपने कैरियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन कई बच्चों को समुद्र की लहरों के बीच राफ्टिंग करना बेहद पसंद होता है अगर वो चाहें तो इस हॉबी को रोजगार का साधन भी बना सकते हैं, लेकिन इस कैरियर की शुरुआत सिर्फ साहसी लोग ही कर सकते हैं और इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।



प्रमुख संस्थान...

- इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
- हिमालयन रिवर रसर्स, नई दिल्ली

कैसे करें शुरुआत...?

राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कई संस्थानों द्वारा कराया जाता है। सबसे पहले प्राथी की शारीरिक जांच करने के बाद उसको राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रैक पर भेजा जाता है। ट्रेनिंग के दौरान राफ्टिंग उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में समझाया जाता है और साथ ही यह जानकारी भी दी जाती है कि नदी में पानी के बहाव, उसकी गहराई की कैसे जांच करनी है। राफ्टिंग का सारा प्रशिक्षण लेने के बाद आप राफ्टिंग गाइड भी बन सकते हैं और पर्यटकों को राफ्टिंग का सफर करावा सकते हैं। हालांकि ये कैरियर कमजोर दिलवालों के नहीं, बल्कि मजबूत इरादे वालों के लिए है। इसलिए ये कैरियर चुनते समय आप ये डिसाइड कर लें कि कहीं आपको पानी से डर तो नहीं लगता।

रेसिपी



हर्ब पनीर पराठा

सामग्री

मिक्स करके ताजा हर्ब भरावन बनाने के लिए: 1/4 कप बारीक कटी हुई सोआ भाजी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ पुदिना, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक, स्वाद अनुसार, अन्य सामग्री: 4 आधी-सेकी हुई गेहूं की रोटियां, पकाने के लिए: तेल, परोसने के लिए: ताजा लो-फैट दही

विधि

हर्ब भरावन के मिश्रण को 4 बराबर भागों में बाँटिए और एक तरफ रख दीजिए। एक आधी सेकी हुई रोटी को साफ सूखी सतह पर रखकर, भरावन मिश्रण के एक भाग को रोटी के आधे हिस्से पर रखिए और रोटी का दूसरा आधा हिस्सा मिश्रण के उपर मोड़ दीजिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर पराठा रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल की मदद से, पराठे को दोनों तरफ सुनहरा से होने तक सेंकिए। बाकी बची रोटियां और भरावन मिश्रण से 3 और पराठे बनाइए। ताजे लो-फैट दही के साथ गरमा गरम परोसिए।



राजस्थानी पुलाव

सामग्री

3 कप पके हुए चावल, 2 कप बेसन, एक कप दही, 5 आलू, 5 प्याज लम्बाई में कटे हुए, एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 4 हरी मिर्च, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटे चम्मच गरम, मसाला पाउडर 2 लौंग, एक चुटकी हींग, आधा छोटा चम्मच अजवायन, एक छोटा चम्मच राई, झड़ फ्रूट्स, लाल मिर्च पाउडर, नमक, तेल, बारीक कटी धनिया

विधि

बेसन को बर्तन में छानकर इसमें थोड़ा लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, थोड़ा नमक और दही डालकर मिक्स करके गूंद लें। गूदे हुए बेसन से छोटी-छोटी लोई बनाएँ। अब लोई को लंबा करके रोलस तैयार करें। गैस पर बर्तन में पानी गर्म करें। इसमें बेसन के रोलस डालकर मध्यम आंच पर 10 मिनट तक पकाएँ। गैस बंद करके रोलस को पानी से निकाल लें और इन्हें एक इंच मोटे टुकड़ों में काट लें। बेसन के गूदे तैयार हैं। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें लौंग, हींग और राई डालकर तड़का लगाएँ। इसके बाद तेल में प्याज डालकर फ्राई करें। जब प्याज सुनहरा हो जाए तो इसमें हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएँ। अब हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला पाउडर और नमक झड़ फ्रूट्स डालकर एक मिनट पकाएँ। इसके बाद चावल और बेसन के गूदे डालकर चलाएँ। अब चावल को 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएँ इसके बाद गैस बंद कर दें और चावल को एक मिनट के लिए ढक दें। राजस्थानी गूदे वाला पुलाव तैयार है। इसे हरी धनिया से गार्निश करके दही या रायते के साथ गर्मागर्म सर्व करें।